मणिपुर के इंफाल घाटी में कोई विवाद नहीं 4

स्क्रीनिंग में अनन्या ने लूटी महफिल, काजोल को देखकर लोगों ने कहा, दूसरी जया बच्चन 7

अगर चिकित्सक के मन में संवेदना नहीं तो वह चिकित्सक कहलाने लायक नहीं: योगी 8

तिथि-बैशाख, कृष्ण, षष्ठी

सोना - 97,860

शेयर मार्केट- 78,553

चांदी- 1,00,00

निफ्टी- 23,851

अधिकतम -37 °c
न्यूनतम -26 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com वर्ष - 21 अंक-145 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 लखनऊ, शनिवार 19 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 मूल्य : दो रुपये

'स्पीकर किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता'

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● उपराष्ट्रपति धनखड़ के 'सुप्रीम' बयान के बाद छिड़ी बहस

नई दिल्ली। राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में तीन माह की समयसीमा तय करने के मामले में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा सार्वजनिक रूप से सुप्रीम कोर्ट की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद राजनीतिक और कानूनी विशेषज्ञों के बीच बहस तेज हो गई है।

वरिष्ठ राज्यसभा सदस्य और पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने जहां उपराष्ट्रपति के बयान की निंदा की है, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने इसका समर्थन करते हुए इसकी वैधानिकता का आधार बताया है। वहीं, कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने किसी को भी कानून या संविधान से ऊपर नहीं होने की बात कही है। जबकि द्रमुक ने धनखड़ के बयान पर आपत्ति जताई है। सिब्बल ने कहा कि सभी को पता है कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं। वह वोट भी नहीं देते हैं और उनका वोट तभी पड़ता है जब बराबरी की स्थिति आती है। ऐसा ही उच्च सदन में होता है। उन्होंने कहा कि आप विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी से समान दूरी पर होते हैं। कोई भी स्पीकर किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। मैं यह नहीं कहता कि वह (धनखड़) हैं, लेकिन सैद्धांतिक रूप से कोई भी स्पीकर पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। अगर ऐसा होता है तो पद की गरिमा गिरती है।

जेठमलानी ने धनखड़ के इस दमदार कदम की तारीफ करने के साथ इसकी कानूनी व्याख्या करते हुए एक्स पर लिखा कि जहां कुछ लोग सरकार के दो अंगों (कार्यपालिका और विधायिका) के बीच संघर्ष के बीच में देश के दूसरे प्रमुख (उपराष्ट्रपति) के आने के औचित्य पर सवाल उठा सकते हैं, लेकिन बिल्कुल स्पष्ट संवैधानिक दोष की ओर इशारा करना (उपराष्ट्रपति एक कुशल कानूनविद भी हैं) कि संविधान के अनुच्छेद 145(3) के अनुसार संवैधानिक प्रविधान की व्याख्या से संबंधित सवाल पर केवल पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा विचार किया जाना चाहिए और दो न्यायाधीशों की पीठ का फैसला अमान्य था, यह निश्चित रूप से (शेष पृष्ठ 7 पर)

गीता व भरत मुनि के नाट्यशास्त्र यूनेस्को 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल

सीएम योगी बोले, हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांस्कृतिक पुनर्स्थापना के प्रति किए गए युगांतरकारी प्रयासों का ही सुफल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र की पांडुलिपियों को यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किए जाने की शुक्रवार को सराहना की और इसे प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सहस्राब्दियों से मानव सभ्यता और चेतना को पोषित कर रही श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र का यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित होना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने कहा, यह अभूतपूर्व सम्मान भारत की अनुपम आध्यात्मिक चेतना, अद्वितीय मेधा, शाश्वत ज्ञान-परम्परा, कालजयी कलात्मक प्रतिभा तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मान्यता है। आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांस्कृतिक पुनर्स्थापना के प्रति किए गए युगांतरकारी प्रयासों का ही सुफल है कि आज भारत की गौरवशाली विरासत को वैश्विक विरासत के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए वह सम्पूर्ण देश वासियों को हृदय से बधाई हैं।

तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित कई जिले, सीएम योगी ने दिए राहत कार्य के निर्देश : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित कई जिलों में स्थिति पर सक्रियता से नजर रख रही है और लोगों को आश्वस्त किया है कि उनकी सुरक्षा प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रिय प्रदेश वासियों, प्रदेश में कई जनपदों से आंधी-बारिश, ओलावृष्टि की सूचना प्राप्त हुई है। किंतु चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक प्रदेशवासी की सुरक्षा आपकी सरकार की प्राथमिकता है। सीएम योगी ने कहा कि आंधी-बारिश, ओलावृष्टि, वज्रपात से प्रभावित जनपदों के अधिकारियों को क्षेत्र का सर्वेक्षण कर पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करने तथा घायलों का समुचित उपचार कराए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है।

गेहूं की सरकारी खरीद की जारी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अधिकारियों को वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखने एवं फसलों के नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं ताकि इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही हो सके। इसके अलावा, अधिकारियों को जल निकासी की व्यवस्था प्राथमिकता पर करने के निर्देश भी दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश और मेघ गर्जन के साथ बूंदाबांदी की सूचना है। इसने कहा कि 18 अप्रैल (शुक्रवार) को भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है, कुछ इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। पूर्वानुमान के अनुसार ये स्थितियां 19 अप्रैल (शनिवार) और 20 अप्रैल (रविवार) तक बनी रह सकती हैं।

आर्थिक विकास के लिए योगी सरकार बनी टर्निंग प्वाइंट, 67 वर्षों तोड़ा रिकॉर्ड : आर्थिक विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उत्तर प्रदेश, जो कभी विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, आज पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1950 से लेकर 2017 तक प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) केवल 12.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच पाई थी। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की (शेष पृष्ठ 7 पर)

पीएम मोदी ने एलन मस्क से की बात

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी प्रशासन में अच्छा-खासा प्रभाव रखने वाले दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क से शुक्रवार को बात की और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर उनसे चर्चा की। मोदी ने मस्क से बात करने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स के जरिए बताया कि उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मस्क के व्यापारिक साम्राज्य में 'टेस्ला और 'स्पेसएक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''एलन मस्क से बातचीत के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इनमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल रहे। हमने प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। मोदी ने कहा, भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मस्क को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन में सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना जाता है। मस्क सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं जिसका उद्देश्य सरकारी व्यय में कटौती एवं संघीय कार्यबल को कम करना है।

वहीं दूसरी तरफ आगामी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के लिए नेपाल की सीमा से भारत में प्रवेश करने वाले वाहनों व लोगों की सख्ती से जांच की जाएगी। इस संबंध में डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने नेपाल सीमा की निगरानी कर रहे एसएसबी के राजनगर, जयनगर एवं वीरपुर के कमांडेंट को पत्र भेजकर जरूरी निर्देश दिया है। डीएम ने अपने पत्र में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को झंझारपुर प्रखंड के लोहना उत्तरी पंचायत में चिह्नित स्थल पर कार्यक्रम निर्धारित है।

संक्षिप्त समाचार

गुड फ्राइडे पर ईसा मसीह के बलिदान को किया याद

भुवनेश्वर, एजेंसी। गुड फ्राइडे ईसाई समुदाय के लिए एक पवित्र और भावनात्मक दिन होता है, जो ईसा मसीह के बलिदान की याद में मनाया जाता है। यह दिन उनके सूली पर चढ़ाए जाने और मानवता के लिए किए गए त्याग को श्रद्धांजलि देने का प्रतीक है। इसी अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्यवासियों से त्याग, करुणा और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने की अपील की। ओडिशा के नेताओं द्वारा दिए गए संदेश इस बात का प्रमाण हैं कि चाहे हमारी धार्मिक पहचान जो भी हो, बलिदान और निःस्वार्थ सेवा की भावना हर समाज के लिए जरूरी है। गुड फ्राइडे हमें यही सिखाता है कि सच्चा त्याग वही है जो दूसरों के कल्याण के लिए किया जाए, और यही भावना एक बेहतर समाज की नींव रखती है। आइए, हम बलिदान, करुणा और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को सम्मान दें। यह दिन हमें शांति, सहानुभूति और मानवता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करे। मोहन माझी का यह संदेश केवल धार्मिक भावनाओं को नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं को भी छूता है। उन्होंने गुड फ्राइडे को एक आध्यात्मिक प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे समाज में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा मिले।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ की राष्ट्रपति से शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के खिलाफ राष्ट्रपति को एक शिकायत भेजकर सीबीआई जांच की मांग गई है। शिकायतकर्ता पटना हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज राकेश कुमार का आरोप है कि कथित तौर पर पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ ने एक मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने में अतिसक्रियता दिखाई थी। हालांकि ज्ञात हो कि किसी भी मामले को कब और किस पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगाया जाएगा यह तय करने का अधिकार चीफ जस्टिस को ही होता है। चीफ जस्टिस मास्टर ऑफ रोस्टर होता है और किसी भी मामले की सुनवाई की अर्जेंसी को देखते हुए वह पीठ गठित करते (शेष पृष्ठ 7 पर)

नेशनल हेराल्ड मामले पर भाजपा का प्रदर्शन

चर्चित राजनीति। एजेंसी

● कांग्रेस पर 'जनता के पैसे के गबन' का आरोप

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में कांग्रेस के अकबर रोड स्थित मुख्यालय के पास नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने जनता के पैसों का गबन किया है और इसे पार्टी नेताओं के निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया गया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मान सिंह रोड पर एकत्र हुए, लेकिन पुलिस ने उन्हें कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ने से पहले ही रोक लिया।प्रदर्शन के दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने मीडिया से बात करते हुए कहा-यह मामला 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के कम मूल्यांकन का है, जिसे मात्र 50 लाख रुपये में मां ने बेटे को सौंप दिया। उनका सीधा इशारा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक राजनीतिक पार्टी की आड़ में घोटाला किया है और अब जवाब देने से बच रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में धनशोधन के आरोप में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने सार्वजनिक पैसे का दुरुपयोग करते हुए इसे अपने नेताओं के निजी ट्रस्ट 'यंग इंडियन' को ट्रांसफर कर दिया। कांग्रेस ने ईडी की इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। वीरेंद्र सचदेवा ने यह भी सवाल उठाया कि अगर सोनिया गांधी और राहुल गांधी खुद को निर्दोष मानते हैं, तो उन्होंने जमानत क्यों ली? उन्हें कोर्ट में जाकर कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए और खुद को सही साबित करना चाहिए था। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस इस पूरे मामले से बचने की कोशिश कर रही है, लेकिन भाजपा इसे यूं ही नहीं छोड़ने वाली। भाजपा नेता ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला केवल एक ट्रांसफर या दस्तावेजी गड़बड़ी नहीं है, बल्कि यह साजिश, भ्रष्टाचार और जनता के धन की चोरीष् का मामला है। कांग्रेस द्वारा चुराए गए एक-एक पैसे की वसूली की जाएगी, उन्होंने कहा। वहीं कांग्रेस पार्टी का कहना है कि भाजपा और केंद्र सरकार राजनीतिक बदले की भावना से काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि यह मामला वर्षों पुराना है और इसे सिर्फ चुनावी माहौल को प्रभावित करने के लिए उठाया जा रहा है। नेशनल हेराल्ड मामला एक बार फिर से भारतीय राजनीति में भाजपा बनाम कांग्रेस की सीधी लड़ाई का केंद्र बन गया है। जहां एक ओर भाजपा इसे घोटाले और भ्रष्टाचार का बड़ा मामला बता रही है, वहीं कांग्रेस इसे सत्ता का दुरुपयोग मान रही है।

सोनिया, राहुल की नजर 2,000 करोड़ रुपये की सम्पत्ति पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के खिलाफकार्रवाई के लिए 'राजनीति को कारण बताए जाने को लेकर कांग्रेस की शुक्रवार को आलोचना की और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस नेताओं को चुनौती दी कि वे मामलों के त्वरित एवं समयबद्ध निपटारे के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएं।

सत्तारूढ़ भाजपा ने गांधी परिवार के खिलाफप्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र दाखिल करने के बाद विपक्षी पार्टी को घेरा है। उसने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर जनता के पैसे को ऐसे साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के रूप में खर्च करने का आरोप लगाया जिसे बहुत कम लोग पढ़ते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग (शेष पृष्ठ 7 पर)

राजनाथ सिंह का लखनऊ आगमन पर स्वागत अभिनंदन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार रात्रि लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट आगमन पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक ओपी श्रीवास्तव, योगेश शुक्ला, एमएलसी पवन सिंह चौहान, रामचंद्र प्रधान, दिवाकर त्रिपाठी , महामंत्री त्रिलोक अधिकारी, पुष्कर शुक्ला सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारीयों ने अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंट कर रक्षा मंत्री का स्वागत किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 19 अप्रैल शनिवार को सुबह के.डी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महाकुम्भ का शुभारंभ करेंगे। उसके बाद मुन्नू खेड़ा सदरौना रोड स्थित एस एम डी लॉन बैंक्वेट हाल में पश्चिम मंडल 3 के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ भेंटवार्ता करेंगे।

शाम को गोमती नगर स्थित होटल दयाल पैराडाइज में मध्य मंडल 1 के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ और शाम को महानगर स्थित गोल्डन सेलिब्रेशन में भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठकों में सम्मिलित होंगे।

जेनसोल इंजीनियरिंग के दो और स्वतंत्र निदेशकों ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की कार्रवाई के बाद जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के दो और स्वतंत्र निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले बाजार नियामक कथित फंड डायवर्जन और फर्जीवाड़े के कारण जेनसोल के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी पर प्रतिबंध लगा चुका है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, हर्ष सिंह और कुलजीत सिंह पोपली ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। इससे पहले एक अन्य स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने भी कंपनी से इस्तीफा दिया था। पोपली ने अपने इस्तीफे में कहा कि हाल ही में हुए घटनाक्रम से वह दुखी हैं। उन्होंने लिखा, मुझे उम्मीद थी कि बीते एक महीने में कुछ सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे, लेकिन जिस तरह से चीजें सामने आई हैं, मैं स्वतंत्र निदेशक के पद पर बने रहने की स्थिति में नहीं हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद थी कि कंपनी जो इतनी तेजी से बढ़ी है और जिसकी अच्छी प्रतिष्ठा और साख रही है, वह आगे भी बढ़ती रहेगी और सभी पक्षकारों के लिए मूल्य सृजन करेगी और प्रशासन से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जाएगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। दूसरी ओर, (शेष पृष्ठ 7 पर)

जागरण कॉफी बुक 'दि ट्रेलब्लेजर्स' का अनावरण, डॉ. राजेश्वर सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि की शिरकत

जागरण कॉफी टेबल बुक ज्ञान और रूपात्मकता का बेजोड़ संगम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित होटल हिल्टन में शुक्रवार को दैनिक जागरण समूह द्वारा प्रकाशित कॉफी टेबल बुक 'दि ट्रेलब्लेजर्स' का भव्य विमोचन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक डॉ. सिंह ने कॉफी बुक टीम को बधाई कहा जागरण कॉफी टेबल बुक ज्ञान और रूपात्मकता का संगम है। यह रघुराय, ए.एल.बशम, नेशनल जियोग्राफिक को फोटोग्राफी आधारित सर्वश्रेष्ठ कॉफी बुक्स में से एक है। दैनिक जागरण समूह की प्रशंसा करते हुए डॉ. सिंह ने कहा की जागरण समूह संस्थापक पूर्णचंद्र गुप्ता के विजन को आगे लेकर जा रहे हैं, वर्ष 1942 में स्थापना के समय से ही, दैनिक जागरण जनमत से जवाबदेही तक, जागरूकता से जनजागरण तक न केवल देश की सबसे बड़ी आवाज़ है, बल्कि यह समाज का दर्पण भी है। डॉ. सिंह ने बताया कि साढ़े 11 करोड़ प्रतियों के साथ जागरण विश्व का सबसे बड़ा अखबार है आठ दशकों से यह संस्था न सिर्फ खबरें देती है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा से संवाद करती है। उत्तर भारत में लगभग हर घर में सुबह दैनिक जागरण के साथ ही होती है। विधायक ने कॉफी टेबल बुक (शेष पृष्ठ 7 पर)

दिव्यांग महागठबंधन की हुई बैठक

● 8 मई को बीजेपी प्रदेश मुख्यालय में हनुमान चालीसा व मुख्यमंत्री कार्यालय लोक भवन में ताला डालेंगे

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। दिव्यांग महागठबंधन की बैठक ईको गार्डन में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार की धोखेबाजी के खिलाफ 8 मई को बीजेपी प्रदेश मुख्यालय में हनुमान चालीसा व लोक भवन में ताला डाला जाएगा।

दिव्यांग महागठबंधन दिव्यांगजनों को नौकरी, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, गारंटी देने, दिव्यांगों की पेंशन पांच हजार रुपए मासिक करने, लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को नौकरियों में रखने, सीजनल अमीनों का विनियमितिकरण करने, नौकरियों में आरक्षण कोटा पूरा करने, सभी दिव्यांगों को आवास, आयुष्मान, अन्त्योदय कार्ड बनाने, दिव्यांगजन अधिनियम लागू करने, सरकारी नौकरियों में चलन क्रिया वाले दिव्यांगों की सभी श्रेणियों को शामिल करने सहित 14 सूत्री मांगों को लेकर लम्बे समय से संघर्ष कर रहा है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री की अध्यक्षता में 18 मार्च को विधान भवन में बैठक कर चुके है। जिसमें मांगों पर सहमति बनी थी। दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार के साथ हुई बैठक के बाद जारी कार्यवृत्त में फर्जीवाड़ा हुआ है। दिव्यांग महागठबंधन के प्रतिनिधियों की बात नहीं सुनी गई। राजस्व व बाल विकास पुष्टाहार विभाग के अधिकारी महागठबंधन के पदाधिकारियों के सवालों का जवाब नहीं दे सके। बैठक को संबोधित करते हुए महागठबंधन के अध्यक्ष मनीष प्रसाद ने कहा की 8 मई को विधानसभा के सामने लोक भवन में व मुख्यमंत्री कार्यालय में उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन ताला डालकर व बीजेपी कार्यालय में अपना विरोध प्रदर्शन करके दर्ज कराएंगे। बैठक में दिव्यांग महा गठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार प्रदेश अध्यक्ष मनीष प्रसाद कोषाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, दुर्गेश कुशवाहा सीतापुर, राम निहाल द्विवेदी गोण्डा,कृष्ण कुमार सिंह चन्दौली, तेजा बहादुर प्रसाद देवरिया, कौशल गौड़ कानपुर, अजीत मिश्रा आजमगढ़, ज्ञानेंद्र पाठक लखनऊ शामिल थे।

प्रदेश में शराब और ड्रग्स के खिलाफ मौन धरना का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लाल ब्रिगेड (एक्शन ग्रुप) व सनातन महासभा के संयुक्त तत्वाधान में नशा व अपराध मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में शराब व ड्रग्स के खिलाफ मौन धरना का आयोजन शुक्रवार को जीपीओ गांधी प्रतिमा पर हुआ।

अध्यक्ष,प्रमुख डॉ. प्रवीण ने बताया कि धरना के दौरान लोगो ने प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी को ज्ञापित 12 सूत्री मांग सहित ज्ञापन भी दिया और एक प्रतिनिधिमंडल के मिलने का आग्रह भी किया गया। ज्ञापन के माध्यम से धार्मिक व शिक्षा केंद्रों से शराब व पान की दुकानों से 100 मीटर की दूरी की जाए। नशे में वाहन चलाने वालों का लाइसेन्स जब्त हो। स्मैक सहित तमाम ड्रग्स की बिक्री तत्काल बन्द हो, प्रेरक व संरक्षक ज्योति बाबा व महासचिव देवेंद्र शुक्ल ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रदेश जगह जगह पर खुलेआम अवैध शराब व ड्रग्स की बिक्री हो रही है जो कि थानावार चिन्हित है उसको तत्काल प्रशासन के माध्यम से बन्द कराना आवश्यक है क्योंकि युवा पीढ़ी बहुत तेजी से बर्बादी की ओर जा रही है। प्रवक्ता विकास मिश्र ने कहा कि नशे से विशेष रूप से अपराध तो बढ़ ही रहा है साथ में घरेलू हिंसा, बलात्कार और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बहुत हो रही है इनको प्रशासन रोके। धरना में स्वामी आनंद नारायण, सद्गुरु अमोदनंद जी, स्वामी हरेन्द्र गिरी, रवि कचरू, राकेश अग्रवाल, अजय तिवारी, सुधांशु शुक्ल, आशा सिंह, स्नेहलता मिश्र, पूनम शर्मा, अंजनी पांडेय शैलेन्द्र श्रीवास्तव, गीता पाल,तेजस्वी गिरी, प्रिंस गिरी, शोभित सिंह आदि उपस्थित रहे साथ में सहयोग संस्थाओं में योग ज्योति(योग गुरु),अ0भा0 ब्रह्म समाज, विनायक ग्रामोउद्योग संस्थान, पनुन कश्मीर, सयुक्त उद्योग व्यापार मंडल, नंदीग्राम सेवा संस्थान, अ0 भा0 गोस्वामी सभा,,सामाजिक संदेश सेवा संस्थान के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

विश्व लीवर दिवस : आहार ही दवा है

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● आईएमए, एसजीपीजीआई और केजीएमयू ने साझा अभियान चलाया

लखनऊ। आईएमए लखनऊ, एसजीपीजीआई एवं केजीएमयू द्वारा विश्व लिवर दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया। विश्व लिवर दिवस पर जागरूकता और रोकथाम को बढ़ावा देने की बात करते हुए एसजीपीजीआई के प्रो डॉ गौरव पांडे ने कहा कि हम इस अवसर पर लिवर रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करते हैं, जो वैश्विक स्तर पर लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली स्थिति है। फैटी लिवर रोग के जोखिम, रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

फैटी लिवर रोग तब होता है जब लिवर कोशिकाओं में अतिरिक्त वसा जमा हो जाती है। इसे मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता हैरू मेटाबोलिक डिसफंक्शन एसोसिएटेड स्टेटोटिक लिवर डिजीज (डौस्व) और अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (।थ्स्व)। डौस्क् अधिक आम है और अक्सर मोटापे, मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम से जुड़ा होता है. जबकि ।थ्स्क् अत्यधिक शराब के सेवन से जुड़ा होता है। केजीएमयू के प्रो डॉ सुमित रूंगटा ने कहा कि हाल के अध्ययनों के अनुसार, फैटी लीवर रोग भारतीय आबादी के लगभग 38ः को प्रभावित करता है। बढ़ती मोटापे की दर और गतिहीन जीवनशैली के कारण इसका प्रचलन बढ़ रहा है। प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल मोटापा, टाइप 2 मधुमेह, उच्चकोलेस्ट्रॉल, उच्चरक्तचाप, खराब आहारसंबंधी आदतें, शारीरिक निष्क्रियता हैं। अगर इलाज न कराया जाए, तो फैटी लिवर रोग और भी गंभीर स्थितियों में बदल सकता है, जैसे कि लिवर में सूजन (स्टीटोहेपेटाइटिस), फाइब्रोसिस, सिरोसिस और यहां तक कि लिवर कैंसर भी। इन जटिलताओं को रोकने के लिए शुरुआती पहचान और जीवनशैली में बदलाव बहुत जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि फैटी लिवर रोग से निपटने की कुंजी निवारक उपायों और शुरुआती हस्तक्षेप में निहित है। कुछ सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि स्वस्थ आहारः फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन से भरपूर संतुलित आहार पर जोर दें। संतृप्त वसा, परिष्कृत शर्करा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें। नियमित व्यायामः प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम करें, जैसे तेज चलना, साइकिल चलाना या तैराकी। आहार और व्यायाम के संयोजन के माध्यम से स्वस्थ वजन बनाए रखें। नियमित चिकित्सा जाँच और लिवर फंक्शन परीक्षण फैटी लिवर रोग का शुरुआती पत्ता लगाने और प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। ।थ्स्क् के जोखिम को कम करने के लिए शराब का सेवन कम करें या खत्म करें। लीवर के उचित कामकाज को बनाए रखने और अपने शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करने के लिए पूरे दिन खूब पानी पिएं। धूम्रपान न केवल आपके फेफड़ों को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि लीवर के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

धूम्रपान छोड़ने से लीवर के कामकाज सहित समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ हो सकते हैं। ओवर-द-काउंटर दवाएँ और प्रिस्क्रिप्शन दवाएँ लीवर के स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकती हैं। केवल निर्धारित दवाओं का उपयोग करें और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर से परामर्श किए बिना कई दवाओं को एक साथ लेने से बचें। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियों का उचित प्रबंधन करें, क्योंकि अगर इन्हें अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो ये लीवर की बीमारी में योगदान कर सकती है। भोजन को संभालने और तैयार करने में सावधानी बरतें। सुनिश्चित करें कि आप ठीक से पका हुआ भोजन खाएं और कच्चा या अधपका मांस और समुद्री भोजन खाने से बचे जो खाद्य जनित बीमारियों का स्रोत हो सकते हैं। आईएमए लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष तथा वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ मनीष टंडन ने कहा कि इन सुझावों को अपनी जीवनशैली में शामिल करके, आप अपने लीवर के स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं और लीवर की बीमारियों और जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकते हैं, जिससे समग्र स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। इस विश्व लीवर दिवस पर व्यापक देखभाल, रोगी शिक्षा और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से फैटी लीवर रोग से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हम अपने रोगियों को फैटी लीवर रोग के प्रबंधन और रोकथाम में सहायता करने के लिए आहार परामर्श, फिटनेस कार्यक्रम और विशेष लीवर क्लीनिक सहित कई सेवाएँ प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी से स्वस्थ जीवनशैली की ओर सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूँ। सूचित विकल्प बनाकर हम फैटी लीवर रोग के बोझ को कम कर सकते हैं और समग्र लीवर स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। आइए हम सब मिलकर एक ऐसे भविष्य के लिए प्रयास करें जहाँ लीवर की बीमारियों को रोका जा सके और उनका प्रबंधन किया जा सके।

घर के बाहर खेल रही दो बेटियों से दुष्कर्म

लखनऊ, चसं। बीकेटी थाना अंतर्गत एक गांव में घर के बाहर खेल रही दो बेटियों से दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। इस दौरान पीड़ित परिवार ने आरोपितों के खिलाफ सम्बन्धित थाने में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने जबरन समझौता करा दिया। इसके बाद आरोपित पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। गुरुवार को पीड़ित परिवार ने डीसीपी नार्थ से मदद की गुहार लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। जिसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है, हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि यूएनएस नहीं करता है।

दरअसल, बीकेटी थाना अंतर्गत एक गांव की रहने वाली महिला (38) ने बताया कि गत 12 अप्रैल की शाम करीब चार बजे उसकी बेटी (06) पड़ोस में रहने वाली सहेली (09) के संग घर के बाहर खेल रही थी। लिखित शिकायत में पीड़िता का कहना है कि गांव का रहने वाला युवक दोनों बच्चियों को बहला-फुसला कर अपने नए मकान पर लेकर गया। जहां, आरोपित ने उन बच्चियों से दुष्कर्म किया। किसी तरह बच्चियां रोती हुई घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद महिला बेटी को लेकर थाने पहुंची। महिला का आरोप है कि उसने थाने में विपक्षियों के खिलाफ तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने समझौता कर दिया। इसके बाद से आरोपित अपने परिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। गुरूवार को महिला ने डीसीपी नार्थ कार्यालय में लिखित शिकायत देते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मामले को संज्ञान में देखते हुए डीसीपी ने एसीपी बीकेटी को निष्पक्ष जांच के आदेश दिए है। वहीं, शुक्रवार को एक महिला का वीडियो वायरल हुआ, वायरल वीडियो में महिला विपक्षियों पर बेटियों के साथ गंदी हरकत करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग कर रही है। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि यूएनएस नहीं करता है। वहीं, एसीपी बीकेटी का कहना है कि जांच में मिले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस अग्रिम कार्रवाई करेगी। प्रथम दृष्टया में यह मामला पेशबंदी का है।

ब्यूटीशियन की मौत, पति बोला, छेड़छाड़ कर मार डाला, 3 युवकों ने चाकुओं से गोदा, कार से कुचला

लखनऊ, चसं। लखनऊ के बंथरा इलाके में ब्यूटीशियन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पति ने आरोप लगाया- मेरी पत्नी शादी पार्टी में मेहंदी लगाने गई थी। आरोपियों ने उससे छेड़छाड़ की, विरोध करने पर चाकू से गोदा और कार से कुचल कर मार डाला। घटना गुरुवार देर रात की है। छाया बंथरा के लोनहा में पति मोनीलाल उर्फसूर्या और 3 वर्षीय बेटे के साथ रहती थी। रात करीब 1 बजे उन्नाव के अजय और विकास एक अन्य साथी के साथ स्विफ्ट कार से आए। उन्होंने बंथरा के रामदासपुर में अपने साले सुधांशु की शादी में मेहंदी लगाने को कहा। छाया अपनी चचेरी बहन पलक के साथ कार में बैठी। रामदासपुर के पास कार सड़क किनारे एक चबूतरे से टकराकर पलट गई। छाया गंभीर रूप से घायल हो गई। तीनों आरोपी कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने छाया को सरोजनी नगर सीएचसी पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति मोनीलाल का आरोप है कि कार सवार अजय, विकास और आदर्श ने रास्ते में छाया के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर चाकुओं से कई वार किए और चबूतरे में टक्कर मारकर गाड़ी पलटा दी। जिससे छाया की नीचे दबकर मौत हो गई। गाड़ी पलटने पर लोग घरों से बाहर निकले तो उन्हें देख तीनों वहां से गाड़ी छोड़कर भाग गए। मोनी लाल ने आरोप लगाया कि साथ में छाया की चचेरी बहन पलक थी। उसे भी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। मोनीलाल का कहना है कि बाद में पलक ने अपने भाई रितिक को घटना की सूचना दी। रितिक से जानकारी पाकर खुद घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस को सूचना दी और घायल छाया को सरोजनी नगर सीएचसी पहुंचाया। घटना के बाद बड़ी संख्या में परिजन बंथरा थाने पहुंचे। यहां आरोपी युवकों के खिलाफहत्या का मुकदमा दर्ज करने को लेकर प्रदर्शन किया। परिजन हत्या का मामला दर्ज कराने पर अड़े हैं। पुलिस समझाने का प्रयास कर रही है। बंथरा प्रभारी निरीक्षक अजय नारायण सिंह ने हत्या की बात से इनकार किया है।

विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ दो दिवसीय एलयूएमयूएन हुआ सम्मेलन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● सम्मेलन के समापन समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया

लखनऊ। विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा आयोजित दो दिवसीय लखनऊ विश्वविद्यालय मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित विश्वकर्मा हॉल में हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा थे, जिन्होंने अपने संबोधन में वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अपर पुलिस उपायुक्त लखनऊ जया शांडिल्य, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रतिनिधि ऋतिक सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता निरंकार सिंह भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में कुल पाँच समितियाँ गठित की गई, जिन्होंने विभिन्न वैश्विक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया, जिसका प्रभावशाली संचालन कार्यक्रम की सचिव जनरल उर्वशी सिंह ने किया। इस अवसर पर लॉ फैकल्टी के डीन प्रोफेसर डॉ. बी. डी. सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभिषेक तिवारी और उप-समन्वयक डॉ. आलोक यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। दो दिवसीय इस सम्मेलन के समापन समारोह में प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें विभिन्न समितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता रहे। अश्वित यादव, लक्षित टंडन और आशी मिश्रा विजेता रहे। इजराइल का प्रतिनिधित्व करने वाली नित्या पटेल सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि रहीं, जबकि मिस्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सोमेंद्र सिंह को उच्च प्रशंसा और इराक का प्रतिनिधित्व करने वाले अखिल ओझा को विशेष उल्लेख प्राप्त हुआ। वॉर कैबिनेट में लक्षित टंडन और आयुष शुक्ला विजेता रहे। एलयूएमयूएन में रिकी एंड्रयू (ओजस दीक्षित) सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि और निर्मला सीतारमण (श्रेया सिंह) को उच्च प्रशंसा मिली, जबकि मनीष तिवारी (संकल तिवारी) को विशेष उल्लेख प्राप्त हुआ। अंतर्राष्ट्रीय प्रेस (रिपोर्टर्स) श्रेणी में आशी मिश्रा सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि, मांडवी श्रीवास्तव को उच्च प्रशंसा और सांवी श्रीवास्तव को मौखिक उल्लेख प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम ने न केवल छात्रों को वैश्विक मंच पर संवाद करने का अवसर प्रदान किया, बल्कि उनके नेतृत्व और कूटनीतिक क्षमताओं को भी विकसित किया। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के द्वारा प्रशंसा पत्र विधि संकाय को प्रदान किया गया। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विधी संकाय के डीन, शिक्षकों और छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कनफ्लिक्ट आप इंटरेस्ट के मामले में भी दोषी ग्रांट थ्रोनटन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● उपभोक्ता परिषद के पास पुख्ता सबूत दो बड़े निजी घरानों के साथ सम्बन्ध

लखनऊ। अमेरिका रेगुलेटर द्वारा ग्रांट थ्रोनटन के ऊपर पेनाल्टी की बात स्वीकार किए जाने का मामला अभी जहां थमा भी नहीं उपभोक्ता परिषद ने एक नए मामले का खुलासा कर दिया उपभोक्ता परिषद की तरफसे मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एनर्जी टास्कफोर्स में लिए गए निर्णय जिसमें यह कहा गया था की हितों के टकराव के मामले में यह बात अवश्य देखी जाएगी। कोई भी बोली दाता यानी की वह देश का निजी घराना जो प्रदेश की बिजली कंपनियों को लेने का इच्छुक होगा उसके साथ सीधे या किसी भी रूप में चयनित कंसल्टेंट जो निजीकरण का मसौदा तैयार करेगी।

वर्तमान में ग्रांट थ्रोनटन उसका कहीं भी संबंध स्थापित नहीं होना चाहिए। लेकिन वर्तमान में ग्रांट थ्रोनटन जिसे यह कार्य झूठ शपथ पत्र के आधार पर असंवैधानिक तरीके से दिया गया है। उसके कुछ ऐसे देश के बड़े निजी घरानो के साथ परामर्श व व्यावसायिक संबंधी तालमेल है जिसका खुलासा ग्रांट थॉर्नटन कंपनी ने नहीं किया। जो अपने आप में कनफ्लिक्ट आप इंटरेस्ट हितों के टकराव का एक बड़ा मामला है। जबकि इस मामले पर भी उसके द्वारा एक शपथ पत्र दिया जाना था। उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तो हितों के टकराव के मामले में भी यह कंसलटेंट कंपनी दोषी पाई जाएगी।उपभोक्ता परिषद ने कहा कि झूठा शपथ पत्र देने के मामले में अमेरिका रेगुलेटर के आदेश पर पेनल्टी जमा करने के बाद उसे स्वीकार किए जाने के बाद पावर कारपोरेशन टेंडर विंग द्वारा उस पर सख्त कार्यवाही के लिए पत्रावली ऊपर भेजा लेकिन पावर कार्पोरेशन प्रबंधन के दो उच्च अधिकारी उसे बचाने में जुटे जिनका भी पर्दाफाश जल्द किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा विगत सप्ताह पांच सितारा होटल में देश के बड़े उद्योगपतियों जिनमें प्रमुख रूप से अडानी टाटा एनपीसीएल टोरेंट पावर सहित कुछ बड़े निजी घरानो के साथ प्री विड मीटिंग हुई जिसमें मुख्य सचिव भी मौजूद थे। ऐसे में यह तो तय हो गया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश की नई बनने वाली बिजली कंपनियों को लेने के लिए कौन से उद्योगपति इच्छुक है। इन उद्योगपतियों में से क्या किसी उद्योगपति के साथ ग्रांट थॉर्नटन का या उसके टीम में कार्य कर रहे। टीम के सदस्यों का किसी भी प्रकार से व्यावसायिक संबंध है। इसका खुलासा ग्रांट थॉर्नटन ने नहीं किया। लेकिन उपभोक्ता परिषद के पास पूरा सबूत है जो सिद्ध कर देगा की होटल ताज में जो लोग भी देश के बड़े निजी घराने मौजूद थे। उनमें से कुछ के साथ ग्रांट थॉर्नटन व उनके टीम सदस्यों की व्यावसायिक संबंध स्थापित है। जो कनफ्लिक्ट आप इंटरेस्ट का बड़ा मामला है। ऐसे में हितों के टकराव पर भी कोई शपथ पत्र ग्रांट थ्रोनटन कंपनी ने क्यों नहीं दाखिल कराया गया। जो भी गंभीर मामला है और मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली एनर्जी टास्क फोर्स में लिए गए निर्णय के अनुरूप नही है।

नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा के बावजूद प्रबंधन ने दबा रखी फाइल : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र ने आज बिजली के निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दो अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और कई विधायकों को ज्ञापन दिया।

संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि वह ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा की फाइल को दबाए हुए हैं और कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु अवैध ढंग से नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट मेसर्स ग्रांट थॉर्टन द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद कि उस पर अमेरिका में 40000 डॉलर की पेनाल्टी लगी है, इंजीनियर ऑफ द कांट्रैक्ट ने अनुशंसा की है कि ग्रांट थॉर्टन को ब्लैक लिस्ट किया जाय और ग्रांट थॉर्टन की ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट के रूप में की गई नियुक्ति का आदेश रद्द किया जाए। 4 दिन पूर्व की गई अनुशंसा की फाइल को पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष दबाए हुए हैं और कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं।संघर्ष समिति ने कहा कि प्रारंभ से ही पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की निजीकरण की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट नियुक्त करने हेतु पहले कनफ्लिक्ट ऑफइंटरेस्ट के प्राविधान को हटाया गया। अब नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट का झूठ और फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद उसकी नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा की फाइल पर निर्णय न लेना बहुत गम्भीर मामला है। संघर्ष समिति ने आश्चर्य व्यक्त किया कि पॉवर कॉरपोरेशन के शीर्ष अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति की खुले आम धज्जियां उड़ा रहे हैं।संघर्ष समिति के आह्वान पर आज प्रदेश भर में निजीकरण के विरोध में विरोध सभाओं और प्रदर्शन का दौर जारी रहा। राजधानी लखनऊ में आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और विधायक जय देवी को ज्ञापन दिया गया। सिद्धार्थनगर में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे को और गोंडा में राज्य मंत्री संजीव कुमार को ज्ञापन दिया गया। प्रदेश के अन्य जनपदों में कई विधायकों को ज्ञापन दिए गए।

शहर के कई इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी : विद्युत उपकेंद्र की टेस्टिंग से लेकर पेड़ों की कटाई-छंटाई के चलते शनिवार को शहर के कई इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। इस दौरान मुंशी पुलिया के अमराई गांव से लेकर मडियांव व जानकीपुरम के कई इलाकों में सुबह 10 से शाम 5 बजे अलग-अलग समय के लिए बत्ती गुल रहेगी। अधिशाषी अभियंता ने बताया कि मुंशी पुलिया उपकेंद्र के अमराई गांव के सभी फीडरों की टेस्टिंग और मरम्मत का काम होगा। इस वजह से 19 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3.00 के बीच हर फीडर बारी-बारी से बंद रहेंगे। इसमें से कुछ फीडर 25 मिनट तो कुछ आधा घंटा के लिए बंद रहेंगे। विकास नगर स्थित 11 केवी, गांधी नगर फीडर में अनुरक्षण और लाइन शिफ्टिंग के कारण सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

केवी शिवगढ़ में कक्षा 2 से 8 तक प्रवेश के लिए लकी ड्रा से किया गया चयन

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शिवगढ़ में प्रवेश प्रक्रिया का पहला चरण पूरा हो गया है। कक्षा 2 से 8 तक की रिक्त सीटों पर छात्र-छात्राओं का चयन लकी ड्रॉ के माध्यम से किया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने बताया कि लकी ड्रॉ की प्रक्रिया छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों की मौजूदगी में सम्पन्न हुई। चयनित विद्यार्थियों की सूची विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगा दी गई है। कक्षा 9 के लिए प्रवेश प्रक्रिया अभी बाकी है। इसके लिए शनिवार को मेरिट के आधार पर छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा। प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 2 से 9 तक की रिक्त सीटों के लिए ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

नेशनल हेराल्ड केस पर अमेठी सांसद बोले- ईडी के खिलाफ कोर्ट में लड़ेंगे और जीतेंगे

रायबरेली, चसं। 29 अप्रैल को होने वाली दिशा की बैठक में सांसद राहुल गांधी के आमंत्रित किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को अमेठी सांसद केएल शर्मा कांग्रेस के तिलक भवन पहुंचे। उन्होंने बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। अमेठी सांसद ने सम्मेलन में पंचायत चुनाव को लेकर दिशा निर्देश दिए। कहा कि बूथ स्तर पर वोटर लिस्ट को ठीक कराना शुरू कर दें। पार्टी पूरी ताकत से पंचायत चुनाव लड़ेगी। नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की तरफ से सांसद सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में चार्ज शीट दाखिल किए जाने के मामले में उन्होंने कहा कि उन्होंने चार्ज शीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। हम केस लड़ेंगे और जीतेंगे। असल में उस केस में कुछ नहीं है। उनको 365 दिन में चार्ज शीट दाखिल करनी थी, लेकिन नौ अप्रैल को दाखिल किया और प्रचारित अब किया है। हमको पता है कि केस में कोई दम नहीं है। हमको कोर्ट से न्याय मिलेगा। वह जितना प्रताड़ना करना चाहें, करें,कांग्रेस पार्टी डरेगी नहीं।

खेलते हुए सड़क पर आया बच्चा, ट्रैक्टर से कुचलकर मौत

रायबरेली, चसं। अमेठी जिले के फुरसतगंज क्षेत्र के ब्रहमनी गांव में दर्दनाक घटना हुई। खेलते-खेलते नौ माह का मासूम सड़क पर चला गया। तभी ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया मासूम पर चढ़ गया। उसे तुरंत रायबरेली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। करीब 16 मिनट तक इलाज के बाद मासूम ने दम तोड़ दिया। ब्रहमनी गांव निवासी अनिल कुमार का नौ माह का बेटा रुद्रांश अचानक घर से बाहर आ गया। घर के लोगों ने ध्यान नहीं दिया। देखते ही देखते बच्चा सड़क पर पहुंच गया। ईंटें लादकर आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने बच्चे को बचाने का प्रयास किया। पर बचाते-बचाते ट्रैक्टर की अगला पहिया बच्चे पर चढ़ गया। घटना के बाद रुद्रांश के घर में अफरातफरी मच गई। रुद्रांश के ताऊ सुनील कुमार ने सुबह 6.34 बजे बच्चे को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मासूम की 6.50 बजे मौत हो गई। ताऊ सुनील कुमार का कहना है कि बच्चा खेलते-खेलते सड़क पर आ गया था। अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली के चपेट में आकर घायल हो गया था। बच्चे की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया है।

शादी के कपड़े समय से न देने पर लगाया जुर्माना

रायबरेली, चसं। शादी के लिए बनवाए गए कपड़े समय से उपलब्ध न कराने पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने लखनऊ के भूतनाथ मार्केट के जवाड़ा बाई रामा क्रियेशन के मालिक पर जुर्माना लगाया है। आयोग ने दुकान संचालक को 2005 रुपये के साथ वाद दायर करने की तिथि से भुगतान तक छह प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज के साथ मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में पांच हजार और वाद व्यय के रूप में एक हजार रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जिले के ऊंचाहार क्षेत्र के अरखा गांव निवासी अभिषेक मिश्रा ने लखनऊ के इंदिरा नगर स्थित भूतनाथ मार्केट के जवाड़ा बाई रामा क्रियेशन (शोरूम) से 20 अक्तूबर 2021 को 6199 रुपये का एक गलाबंद सूट और 4195 रुपये का एक सेट कुर्ता, पैंट, सदरी बनवाने का आर्डर दिया था। अग्रिम के तौर पर पांच हजार रुपये तुरंत दिया गया था। बाकी पैसा कपड़े लेने के बाद देने की बात कही गई। 20 दिन बाद भी कपड़े तैयार नहीं थे। इक बार चक्कर लगाने के बाद भी उसे आर्डर के कपड़े नहीं मिले। शादी के कपड़े समय से न मिलने से परेशान पीड़ित ने शोरूम संचालक के खिलाफ जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में वाद दाखिल किया। इसकी सुनवाई करते हुए जिला आयोग के अध्यक्ष मदन लाल निगम व न्यायिक सदस्य प्रतिमा सिंह व सुनीता मिश्रा ने शोरूम के संचालक को समय पर आर्डर के कपड़े न देने का दोषी मानते हुए अर्थदंड लगाने का आदेश दिया।

युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला

रायबरेली, चसं। सलोन थाना क्षेत्र के पूरे शिवसेवक गांव निवासी राकेश कुमार का शव फांसी के फंदे से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ मिला है ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया है ।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है ।जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमिका ने प्रेमी पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती ने भदोखर थाना क्षेत्र के रहने वाले एक प्रेमी युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया ।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का है बात न बनने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक को धोखे से ली ड्रग, हालत गंभीर

रायबरेली, चसं। मिलएरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मलिकमऊ के एक युवक को धोखे से ड्रग का सेवन करवाया गया। जिसके बाद उसकी हालत गंभीर होने पर उसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रकरण की जांच करवाया जा रहा है।

दुष्कर्म के अभियुक्त को भेजा जेल

रायबरेली, चसं। नसीराबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत तारापुर निवासी धर्मराज को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जेल भेजे गए अभियुक्त पर दुष्कर्म का केस दर्ज था।

ई-रिक्शा पलटा, दो गंभीर

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सरकपुर के पास ई-रिक्शा पलट गया। जिसमें सवार मुकेश व दीपिका निवासी ग्राम जगदीशपुर गंभीर रूप से घायल होने पर उनको प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

घायल महिला की मौत

रायबरेली, चसं। लालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मड़ाई खेड़ा निवासिनी उर्मिला मार्ग दुर्घटना में घायल होने पर जिला अस्पताल में इलाज दौरान मौत हो गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

छात्र ने लगाई छलांग, मौत

रायबरेली, चसं। जायस क्षेत्र के बहादुरपुर स्थित राजीव गांधी इंस्टीट्यूट्स टेक्नोलॉजी कॉलेज के छात्र अभिनव ने हॉस्टल के ऊपर से छलांग लगा दी इसके बाद उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रायबरेली लाया गया ।जहां पर चिकित्सक द्वारा उनको मृतक घोषित कर दिया गया । शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम है भेजा है।डीएम ने बताया कि प्रकरण की जांच करवाया जाएगा।

पांच अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायबरेली, चसं। गुरबकश गंज पुलिस ने पांच अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सूरज निवासी हरि, मोहम्मद आजाद निवासी एटा ,अभय निवासी पड़री ,अंकुश निवासी उतरा, अंकुश उतरा थाना मुंशीगंज जिला अमेठी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है ।यह अभियुक्त डीजल चोरी खड़े वाहनों से करते थे ।घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन व चोरी किए गए डीजल एवं उसके प्रयोग हेतु अन्य सामग्री बरामद किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सपा कांग्रेस के झूठे प्रचार से 2024 में घटी बीजेपी की सीटें : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, चसं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एक कार्यक्रम में खुलकर बोले। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में भाजपा की कम हुई सीटों पर कहा कि मैं इसे एक दुर्घटना मानता हूं क्योंकि सपा-कांग्रेस ने झूठा प्रचार किया कि संविधान बदल दिया जाएगा और कमजोर कर दिया जाएगा जिसके झांसे में लोग आ गए। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में 300 से ज्यादा सीटें प्राप्त होंगी। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष अब तक न घोषित होने पर कहा कि बीजेपी परिवारवाद की पार्टी नहीं है इसलिए इसमें समय लगता है। हमने सपा को उपचुनाव में हराया और 2027 की तैयारी है।जनता का हमारे काम को समर्थन है। राणा सांगा विवाद पर कहा कि किसी भी महापुरुष पर बयान नहीं देना चाहिए।हमारा मानना है, सपा सांसद रामजी लाल सुमन को बयान वापस ले लेना चाहिए। वक्फ संशोधन कानून को लेकर सपा-कांग्रेस परेशान हैं।ये तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं, इन लोगों ने कभी मुसलमानों का भला नहीं किया। ये कानून गरीब मुसलमानों के पक्ष में है।

भारतीय आदर्श योग संस्थान का तृतीय स्थापना दिवस समारोह आज

लखनऊ, चसं। भारतीय आदर्श योग संस्थान का तृतीय स्थापना दिवस शनिवार 19 अप्रैल को संगीत नाटक अकादमी गोमती नगर में आयोजित किया गया है। भारतीय आदर्श योग संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कृष्ण दत्त मिश्रा एवं राष्ट्रीय सचिव राजकुमार ने बताया भारतीय आदर्श योग संस्थान के तृतीय स्थापना दिवस पर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे तथा भाजपा नेत्री अपर्णा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे तथा भारतीय आदर्श योग संस्थान के संरक्षक संजय गुप्ता सहित राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य लोग इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण दत्त मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया इस अवसर पर योग साधको का ष्पतंजलि सम्मानष् से सम्मानित भी किया जाएगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के भी आयोजन होंगे। सचिव राजकुमार ने बताया इस अवसर पर भजन सम्राट किशोर चतुर्वेदी की भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है तथा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधक साधिकाएं हिस्सा लेंगे तथा योगाभ्यास का भी मंच पर प्रदर्शन किया जाएगा।

चारबाग स्टेशन पहुंचे रेलवे बोर्ड के सदस्य, हेरिटेज गैलरी देखी, अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, चसं। रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली से एडिशनल मेम्बर (ईएनएचएम) मनु गोयल शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। विश्व हेरिटेज दिवस के मौके पर उन्होंने चारबाग रेलवे स्टेशन पर लगाई गई हेरिटेज गैलरी को देखा। स्टेशन का निरीक्षण भी किया। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक नीलिमा सिंह, विभागों के प्रमुख, आरएलडीए के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। यह हेरिटेज गैलरी उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल की ईएनएचएम शाखा द्वारा लगाई गई है, जिसमें मंडल की ऐतिहासिक विरासत को दर्शाया गया है। गोयल ने मंडल रेल प्रबंधक एसएम शर्मा और अन्य अधिकारियों के साथ गैलरी का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चारबाग स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की जानकारी ली। उनके गुणवत्ता व समयबद्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य तय समय में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। इस मौके पर उन्होंने स्टेशन की अन्य व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने और आधुनिक सुविधाएं बढ़ाने पर भी जोर दिया। बैठक में उन्होंने लखनऊ स्टेशन की अहमियत को रेखांकित करते हुए भविष्य की परियोजनाओं पर भी चर्चा की।

ममता बनर्जी का पुतला फूंका गया, करणी सेना ने बताया-हिन्दू विरोधी

लखनऊ, चसं। लखनऊ में करणी सेना ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका। उन्हें हिन्दू विरोधी बताते हुए जमकर नारेबाजी की। करणी सेना का यह प्रदर्शन हजरतगंज में बीजेपी मुख्यालय के पास हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम बंगाल में वक्फबिल के विरोध में मुर्शिदाबाद में हुए हिंसा पर सख्त नाराजगी जताई। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी के पुतले को जूते से रौंदा। पुलिस ने पानी डालकर पुतले को बुझाया। करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने कहा कि हमारा शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि हमको पश्चिम बंगाल जाना है या नहीं। ममता बनर्जी से हम लोग पूछना चाहते हैं कि अगर उनसे नहीं संभाल रहा है तो हम बंगाल आने के लिए तैयार हैं। हमारे साथ जितने सनातनी हैं सब पश्चिम बंगाल जाएंगे। ममता बनर्जी बेनकाब हो रही हैं। हिंदू वहां से पलायन कर रहे हैं। बहन-बेटियों की इज्जत नहीं बच रही है। यह सोचने का विषय है। ममता बनर्जी का पुतला फूंकने के बाद करणी सेना के सदस्य दिलीप सिंह ने कहा कि आज पुतला फूंका है, फ्यूचर में उनको भी फूंक देंगे। ममता बनर्जी उपद्रवी हैं। पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाना चाह रही हैं। मुख्यमंत्री रहते हुए इस प्रकार की बातें कर रही हैं। सीएम योगी को लेकर भडकाऊ भाषण दे रही हैं।

सफाई कर्मी की एक्सीडेंट में मौत, नगर निगम के बाहर शव रखकर परिजनों ने किया हंगामा

लखनऊ, चसं। लखनऊ में कपूरथला चौराहे के पास मंगलवार को बिना नंबर की तेज रफ्तार एक्सयूवी की टक्कर से घायल सफाईकर्मी राहुल की शुक्रवार को मौत हो गई। नगर निगम ऑफिस के सामने परिजनों शव रखकर हंगामा किया। परिजनों ने कार सवार के खिलाफसख्त कार्रवाई और मुआवजा की मांग की मांग की। परिजनों का कहना है कि आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को नौकरी देने की मांग की। भाई मनीष ने बताया कि मंगलवार सुबह एक्सयूवी महानगर मार्ग से कपूरथला चौराहे की ओर से आते वक्त बेकाबू हो गई। उसने सड़क किनारे खड़े नगर निगम के संविदा सफाईकर्मी भाई राहुल वाल्मीकि को टक्कर मार दी। इसके बाद भागने के चक्कर में रिक्शा ठेलिया और स्कूटी में टक्कर मार दी। उसके बाद कार सड़क किनारे पार्किंग में लगे एंगल में जाकर फंस गई। कार की टक्कर से सफाई कर्मी राहुल, स्कूटी सवार राजकुमार और उनकी बेटी अस्मिता (10) घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार रुकने से स्कूटी सवार युवक पहिए के नीचे आने से बच गया।

गृहमंत्री अमित शाह से मिले संजय निषाद प्रमुख बिन्दुओं पर की चर्चा

अमित शाह मछुआ समाज व निषाद पार्टी को सम्मान देते रहे हैं : संजय

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मत्स्य विभाग के मंत्री मत्स्य डॉ संजय कुमार निषाद ने आज देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। श्री निषाद ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह अभिभावक के तौर पर हैं। वो हमेशा से मछुआ समाज और निषाद पार्टी को सम्मान देते रहे हैं।

गृह मंत्री ने वार्ता के लिए आवास पर बुलाया था। उन्होंने बताया कि आज की बैठक में हमने निषाद पार्टी की ओर से प्रमुख बिंदुओं को गृह मंत्री के समक्ष रखा है।अनुसूचित जाति मछुआ आरक्षण प्रमाण पत्र निर्गत कराये जाने के संबंध में बताया कि 2019 को लोकसभा चुनाव के दौरान गृह मंत्री के दिशा निर्देशन में निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन हुआ था। मछुआ समुदाय के आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और संवैधानिक अधिकार जिसमें अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1950 के अंतर्गत नदियों में काम करने वाले मछुआरों मझवार और तुरैहा सभी उपजातियों के बच्चों को शिक्षा, छात्रवृत्ति, सम्मान, जमीन, नौकरी , राजनीति आदि सुरक्षित है उसमें भागीदारी होना प्राथमिकता में रखा गया था, परन्तु प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के समक्ष समय-समय पर देश में पूर्व से लंबित अन्य जरूरी प्रकरणों को हल करवाया जाना प्राथमिकता थी जिसके कारण मछुआ अनुसूचितजाति आरक्षण का मुद्दा अभी तक लंबित चले आ रहा है किंतु मछुआ समाज भारतीय जनता पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। मछुआ समाज भारतीय जनता पार्टी व प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री की ओर आशापूर्ण दृष्टि से देखता है कि मछुआ समाज का बहुप्रतीक्षित मुद्दा भी आपके द्वारा हल जरूर किया जाएगा। गृहमंत्री ने जल्द ही आरक्षण के विषय पर विस्तृत वार्ता प्रमाणिक दस्तावेज के आधार पर करने का आश्वासन दिया है। प्रदेश सरकार में निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं का समायोजन करने का विषय भी गृह मंत्री के समक्ष रखते हुए कहा कि आपके दिशा निर्देशन में हाल ही में प्रदेश सरकार द्वारा आयोग में सदस्यों के नियुक्ति में निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं का समायोजन किया गया था, किंतु प्रदेश के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं का अभी समायोजन होना लंबित है।

गृह मंत्री का कार्यकर्ताओं के समायोजन को लेकर सकारात्मक सोच दिखा। चुनाव को लेकर गृह मंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश निषाद पार्टी को मिली सभी सीटों पर चुनाव निषाद पार्टी अपने सिंबल पर लड़ेगी।

भारत की सड़कों पर सुरक्षा को बनाना होगा सशक्त : रिपोर्ट

लखनऊ, चसं। पैराकोट की सहायक कंपनी पैरासेफ यात्रा के सभी साधनों में सुरक्षा को प्राथमिकता देकर मोबिलिटी को पुनः परिभाषित करने के लिए समर्पित है। सड़क सुरक्षा टूल्स में क्रांतिकारी बदलाव लाने और सड़क जागरूकता को एक स्टैंडर्ड प्रैक्टिस के रूप में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध, पैरासेफने जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षा में सुधार के लिए कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने के लिए व्यापक शोध किया है और श्वेत पत्र प्रकाशित किए हैं। पैरासेफके सीईओ राजेश पोद्दार ने रिपोर्ट के निष्कर्षों पर कहा सड़क सुरक्षा का मतलब सिर्फनियमों का पालन करना नहीं हैय यह जीवन बचाने के बारे में है। उद्योग जगत के अग्रणी के रूप में, सभी स्टेकहोल्डरों-सरकार, उद्योग और नागरिकों के बीच जवाबदेही को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। निष्कर्षों से पता चलता है कि सड़क सुरक्षा तैयारियों में अंतराल को पाटने की तत्काल आवश्यकता है। पैरासेफमें, हम मानते हैं कि प्राथमिक चिकित्सा किट और हार्नेस जैसे आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता और पहुँच दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम कर सकती है। अब समय आ गया है कि हम भारत की सड़कों पर हर यात्रा को सुरक्षित और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए एकजुट हों। भारत की सबसे जरूरी सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों में से एक है- सड़क सुरक्षा। 2022 में, सड़क दुर्घटनाओं ने दुखद रूप से 1.68 लाख लोगों की जान ले ली। वाहन टेक्नोलजी और बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, मूल कारण अभी भी बने हुए हैं जो हैं- अज्ञानता (65 प्रतिशत) और कानूनों का कमजोर अमल (52 प्रतिशत)। पैरासेफकी रिपोर्ट इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालती है, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों में सड़क सुरक्षा जागरूकता और अभ्यास की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया है। सड़क सुरक्षा संकट से निपटने और मौतों को कम करने के लिए एक व्यापक ष्टिकोण आवश्यक है। स्कूलों, अस्पतालों और मीडिया प्लेटफर्म को लक्षित करने वाले राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान छोटी उम्र से ही सुरक्षा की संस्ति को बढ़ावा दे सकते हैं। स्वचालित अनुपालन प्रणाली, उल्लंघन के लिए ज्यादा जुर्माना और सीट बेल्ट तथा प्राथमिक चिकित्सा किट जैसे सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्य जाँच जैसे सख्त प्रवर्तन उपाय अहम हैं। सहायक नीतियां समाज के सभी वर्गों को नियम अपनाने को प्रोत्साहित कर सकती हैं मिसाल के तौर पर चाइल्ड सीट और आपातकालीन किट जैसे सुरक्षा उपकरणों के लिए सब्सिडी देना, गुड सेमेरिटन कानून और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण से नागरिक कानूनी नतीजों के डर के बिना दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने के लिए सशक्त होंगे, जिससे सभी के लिए सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा मिलेगा।

लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन चुनाव में 22 पदों के लिए 128 वकील मैदान में

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● प्रचार में तेजी आई

लखनऊ। लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। अध्यक्ष, महासचिव समेत कुल 22 पदों के लिए 128 प्रत्याशी मैदान में हैं। नामांकन की प्रक्रिया 8 और 9 अप्रैल को पूरी हो गई है। अब 28 अप्रैल को मतदान और 29 अप्रैल को मतगणना होगी।

सेंट्रल बार के लिए 3742 मतदाता मतदान करेंगे। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन पीएन श्रीवास्तव और मुख्य चुनाव अधिकारी उमाशंकर श्रीवास्तव ने बताया-अध्यक्ष पद के लिए तीन, जबकि महासचिव पद के लिए पांच उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 11, उपाध्यक्ष (मध्य) के दो पदों के लिए भी 11 दावेदार सामने आए हैं। वोटर मोहम्मद फुरकान एडवोकेट ने बताया कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो, कोषाध्यक्ष के लिए आठ, संयुक्त सचिव के तीन पदों के लिए 34 प्रत्याशी चुनावी रण में हैं। वरिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों के लिए 16 और कनिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर 38 उम्मीदवार मैदान में हैं। सेंट्रल बार एसोसिएशन का चुनाव इस बार हाईकोर्ट के निर्देश पर एल्डर्स कमेटी की निगरानी में हो रहा है। सभी नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया अब शुरू होगी, जिसके बाद फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। बार के इतिहास में ये चुनाव इसलिए भी अहम हैं क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर वकीलों की भागीदारी देखने को मिल रही है। सभी निगाहें 28 अप्रैल को होने वाले मतदान और 29 अप्रैल को आने वाले नतीजों पर टिकी हैं।

कृषि मंत्री ने देखी खेती और जाना किसानों का हाल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ/मिर्जापुर। शुक्रवार को कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा मिर्जापुर के शिखड़ ब्लॉक के रामगढ़ कला के किसानों के साथ वार्ता की गई। साथ ही मक्का, पपीता, मूंगफली, पत्तागोभी, केला, लोबिया, रामदाना इत्यादि फसलों का निरीक्षण किया गया। जनपद मिर्जापुर में जायद सत्र में 288 हेक्टेयर मक्का फसल के आच्छादन का लक्ष्य निर्धारित है।

त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत मक्का की फसल को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत, विकासखंड तथा जनपद स्तर पर गोष्ठी एवं मेले का आयोजन कर अधिक से अधिक मक्के की फसल लगाने हेतु प्रचार प्रसार अभियान चलाया गया है। साथ ही साथ किसानों का अन्यत्र जनपद में भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कराए गए हैं। जनपद मिर्जापुर में मक्का आच्छादन लक्ष्य 288 हेक्टेयर के सापेक्ष 517 हेक्टेयर का आच्छादन हुआ है। जो कि लक्ष्य से काफी अधिक है। जनपद में जायद सत्र में संकर मक्का का 180 एकड़ क्लस्टर प्रदर्शन कराया गया है। साथ ही साथ सामान्य बीज वितरण के अंतर्गत 42 कुंतल शंकर मक्का का वितरण भी कृषि विभाग द्वारा किया गया है। प्रदर्शन बीज पर 2400 रुपये प्रति एकड़ अनुदान डीबीटी के माध्यम से दिया गया है। सामान्य बीज वितरण के अंतर्गत बीज मूल्य का 50त्न अथवा 150 रुपये प्रति किलो अनुदान देय है। मंत्री द्वारा बताया गया कि प्रदर्शन हेतु वितरित देसी मक्का, संकर मक्का एवं पॉपकॉर्न पर प्रति एकड़ पर 2400 रूपएअनुदान देय है।

साथ ही साथ प्रदर्शन हेतु वितरित बेबी कॉर्न मक्का पर 16000 रुपये प्रति एकड़ अनुदान देय है एवं प्रदर्शन हेतु वितरित स्वीट कॉर्न मक्का पर 20000 रुपये प्रति एकड़ अनुदान देय है। मंत्री द्वारा कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया वे क्षेत्र में अधिक से अधिक भ्रमण शील रहें और किसानों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायें।

प्रक्षेत्र भ्रमण के साथ-साथ माननीय मंत्री जी के द्वारा नव चेतना एफपीओ का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के समय नवचेतना के मृदा प्रशिक्षण केंद्र प्रयोगशाला का उद्घाटन भी किया गया। प्रछेत्र भ्रमण और निरीक्षण के समय मौके पर सैकड़ों किसान उपस्थित थे। विधायक चुनार अनुराग सिंह पटेल, कृषि विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

बिजली कर्मचारियों ने डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति को रद्द करने की मांग

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल दिया है। समिति ने ज्ञापन दो अभियान पखवाड़ा के तहत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर सहित कई विधायकों को ज्ञापन सौंपा।

संघर्ष समिति का आरोप है कि पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष ने ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट मेसर्स ग्रांट थॉर्टन की नियुक्ति रद्द करने की फाइल को जानबूझकर दबा रखा है। समिति ने बताया कि ग्रांट थॉर्टन पर अमेरिका में 40,000 डॉलर की पेनल्टी लग चुकी है, जिसे कंपनी ने स्वयं स्वीकार किया है। इसके चलते इंजीनियर ऑफ द कॉन्ट्रैक्ट ने कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने और नियुक्ति रद्द करने की सिफारिश की है। लेकिन 4 दिन बीतने के बावजूद इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण में शुरू से ही भ्रष्टाचार की बू रही है। पहले कनफ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट का प्रावधान हटाया गया और अब जिस कंपनी की नियुक्ति में फर्जीवाड़ा सामने आया है, उसके खिलाफकार्रवाई नहीं की जा रही। समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि पावर कॉरपोरेशन के अधिकारी इस नीति की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। प्रदेश भर में निजीकरण के खिलाफ आज व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए। राजधानी लखनऊ में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और विधायक जय देवी को ज्ञापन सौंपा गया। सिद्धार्थनगर में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे और गोंडा में राज्य मंत्री संजीव कुमार को ज्ञापन दिया गया। कई अन्य जिलों में भी विधायकों को ज्ञापन दिए गए। संघर्ष समिति ने साफकर दिया है कि जब तक निजीकरण की प्रक्रिया को रोका नहीं जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

डीजीपी ने सीओ सम्भल अनुज चौधरी को दिया क्लीन चिट

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● एसपी लॉ ऑर्डर मनोज कुमार अवस्थी ने मामले की जांच की थी

लखनऊ। डीजीपी, यूपी ने आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा सीओ संभल अनुज चौधरी के विरुद्ध सेवा नियमावलियों के लगातार उल्लंघन के आरोपों में उन्हें क्लीन चिट दे दिया है।

अमिताभ ठाकुर ने कहा था कि अनुज चौधरी द्वारा सेवा नियमावलियों तथा वर्दी नियमावलियों के उल्लंघन के तथ्य लगातार सामने आ रहे हैं। इनमें बिना अधिकारिकता के बयानबाजी करने, पुलिसिंग तथा अपने कार्यों को जानबूझकर सांप्रदायिक रंग देने, सेवा नियमावलियों से इतर कार्य कर माहौल को तनावग्रस्त करने तथा वर्ग विशेष में असुरक्षा की भावना उत्पन्न करने जैसे आरोप शामिल हैं। इस संबंध में आईजी कानून व्यवस्था एलआर कुमार ने गृह विभाग को पत्र लिखकर बताया है कि इस मामले में एसपी लॉ ऑर्डर मनोज कुमार अवस्थी ने जांच की। जांच में अनुज चौधरी ने कहा कि उन्होंने केवल होली और जुमा की नमाज को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए पीस कमेटी की बैठक में दोनों समुदाय के लोगों से अपील की थी। उन्होंने होली व जुमा की नमाज के संबंध में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की थी। अनुज चौधरी ने कहा उनकी बातों से किसी भी धर्म विशेष की भावनाएं आहत नहीं हुई थी, मात्र कुछ व्यक्तियों द्वारा राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से उसे गलत तरीके से तोड़ मरोड़ कर प्रसारित किया गया।

अखिलेश बोले-गोली मार देंगे क्या, मैं घबराने वाला नहीं, नेताओं को झूठा फंसाया जा रहा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा आप कहते हैं हमें गोली मार देंगे। गोली मार देंगे क्या? हम उनमें से हैं, जो घबराने वाले नहीं हैं। औरंगजेब से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा जो इतिहास हमें सही दिशा न दिखा सके। प्रोग्रेसिव रास्ते पर न ले जा सके, हमारे बीच में खाई पैदा करे। उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।

अखिलेश ने कहा ये जातियां हमने नहीं बनाई। यह कोई मनु महाराज आए थे उन्होंने बना दी। सीएम योगी पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कपड़े से कोई योगी नहीं हो सकता है। विचार से योगी हो सकता है। इस लोकतांत्रिक देश में डंडे की बात करेंगे आप? जो खुद ही अंडा है, वह डंडे की बात तो करेंगे। ये बातें अखिलेश ने लखनऊ में कार्यक्रम में कही। इस दौरान राणा सांगा से जुड़े एक सवाल पर अखिलेश भड़क गए। उन्होंने सवाल पूछने वाले व्यक्ति को भाजपा का कार्यकर्ता कहा। कहा, इसे निकालकर बाहर कर देंगे। सिक्योरिटी संभाल रहे लोगों ने उस व्यक्ति को कार्यक्रम से बाहर कर दिया। अखिलेश ने कहा भाजपा मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम करती है। इसलिए, नकारात्मकता फैला रही है। कभी औरंगजेब की बात करती है। कभी किसी और चीज की। वह नफरत फैला रही है। हमें किसी भी तरह की धार्मिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। साथ-साथ कोई ऐसी बात नहीं करनी है, जो नकारात्मक चीजें पैदा करे, क्योंकि भाजपा मौके की तलाश में रहती है। भाजपा का लक्ष्य है कि मुख्य मुद्दों से हमारा ध्यान हटाकर रखे। अखिलेश ने कहा दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची आई है। इसमें भारत का कोई नाम नहीं है। दुनिया जान रही है कि यहां लोकतंत्र खतरे में है। यहां पर बुल्डोजर चल रहे हैं। यहां पर राजनीतिक लोगों को झूठा फंसाया जा रहा है। दुनिया देख रही है कि फ्रीडम ऑफप्रेस में हम कहां खड़े हैं। इक्विलिटी ऑफइंडेक्स में हम कहां खड़े हैं। भुखमरी के इंडेक्स में हम कहां खड़े हैं, हमारा रुपए दूसरे की तुलना में कहां है, ये तमाम मानक हैं। भाजपा के काम करने के तरीके की वजह से हम लोग दुनिया में कहीं दिखाई नहीं दे रहे। अखिलेश ने कहा ये भारतीय जनता पार्टी नहीं है। भारतीय जमीनी पार्टी है। जमीन देखकर कब्जा करने वाली पार्टी है। अल्पसंख्यकों पर हमला हो रहा है।

जैन समाज पर हमला हो रहा है। जैन समाज की जमीनों पर भी कब्जा शुरू कर दिया। ये पता नहीं क्या है भाजपा के अंदर की, वे अगर जमीन देख लें तो बस कब्जा कर लेंगे। अखिलेश ने कहा आगरा में समाजवादी पार्टी ने मुगल म्यूजियम बनवाया। मुख्यमंत्री वहां गए। उन्होंने कहा कि मुगल म्यूजियम नाम नहीं होगा। ये छत्रपति शिवाजी के नाम से होगा। मैंने कहा बहुत अच्छी बात है। छत्रपति शिवाजी के नाम से कर दो और उनकी मां की भी प्रतिमा यहां पर लग जाएगी। आप नाम बदल रहे हो, राजनीतिक लाभ लेना चाहते हो। लेकिन, दुनिया का वन ऑफद बेस्ट आर्किटेक्ट म्यूजियम जो बन रहा था, आज भी आपने उसका बजट नहीं दिया। 9-9 साल हो गए। बंद पड़ा है। अखिलेश ने अपना समाजवादी गमछा बदल लिया है। क्यों बदला, पूछे जाने पर कहा, मैं इसलिए इस गमछे को पहनकर आया, क्योंकि मैं जगन्नाथ पुरी गया था। मुझे जानकारी मिली कि वहां अभी तक योगी जी गए ही नहीं हैं। मैं गमछा इसलिए पहना हूं, ताकि मैं उन्हें (सीएम योगी) ये बात याद दिला सकूं। वो गए नहीं तो इसका मतलब मैं ये कहूं कि वो हिंदू नहीं हैं, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता। अगर मैं भाजपा का होता तो कहता कि वो हिंदू ही नहीं हैं, वे खराब हिंदू हैं। जो सच्चा हिंदू है, वह स्वामी विवेकानंद जी को मानता है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा कि यूनिवर्सल ऐक्सैप्टैंस और टॉलरेंस हमें ज्यादा धर्म सिखाता है। उन्होंने शिकागो में भाषण दिया कि हम उसे देश आते हैं, जो देश और जिस देश का धर्म हमें सब को स्वीकार करना सिखाता है। यूनिवर्सल ऐक्सैप्टैंस और टॉलरेंस हमारा धर्म सिखाता। बताइए विवेकानंद जी की कितनी बात मानते हैं, केवल वस्त्र पहन लेते हैं और बोलते हैं हम हो गए विवेकानंद। वस्त्र से कोई योगी नहीं हो सकता है, बल्कि विचार से योगी हो सकता है।

अखिलेश यादव ने जैन समाज को लेकर साधा भाजपा पर निशाना : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जैन समाज को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित एक ऐसा बहुत बड़ा वर्ग है, जो जैनियों से उनका सब कुछ छीन लेना चाहता है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वर्तमान समय में देश में अल्पसंख्यक होना एक अभिशाप बनता जा रहा है।

आज अल्पसंख्यक जैन समुदाय में भय, असुरक्षा और अनिश्चितता की जो भावना व्याप्त है, वह अत्यधिक चिंता का विषय है। जिसकी चर्चा, निंदा और आक्रोशपूर्ण प्रतिक्रिया संपूर्ण विश्व में हो रही है। उन्होंने लिखा कि शांतिप्रिय जैन समाज पर अचानक बढ़ते जा रहे हमलों की कड़ी में मध्य प्रदेश के सिंगोली थाना क्षेत्र में एक मंदिर के प्रांगण में जैन मुनियों पर हुआ हिंसक हमला शारीरिक हमले की श्रेणी में आता है। जबलपुर में भाजपाई और उनके संगी-साथी के बीच लीक हुए टेलीफोनिक ऑडियो में जैनियों के बारे में की गई बेहद दुर्भावनापूर्ण-आपत्तिजनक टिप्पणियां एक वाचिक हमला रही और मुंबई में जैन मंदिर के ध्वस्तीकरण और जैन तीर्थंकरों की मूर्तियों, जिनवाणी व अन्य पूजनीय ग्रंथों और शास्त्रों का निर्वासन और निरादर बेहद गंभीर और घोर निंदनीय कुकृत्य की श्रेणी में आएगा। अखिलेश यादव ने लिखा कि आखिर ये क्यों होता है कि जहां-जहां भी भाजपा सरकार हैं, वहां-वहां जैनियों के तीर्थस्थलों, मंदिरों, जिनालयों, चौत्यालयों, समाजसेवी संस्थानों और समाज के साथ ऐसी विद्वेषपूर्ण घटनाएं हो रही हैं।

भाजपा समर्थित एक ऐसा बहुत बड़ा वर्ग है, जो जैनियों की धार्मिक, सार्वजनिक, व्यापारिक-व्यावसायिक ही नहीं बल्कि व्यक्तिगत संपत्तियों पर भी आंख गड़ाए बैठा है और जैनियों को अल्पसंख्यक ही मानकर उनसे उनका सब कुछ छीन लेना चाहता है। उन्होंने कहा कि चाहे भाजपा शासित गुजरात में 'श्री गिरनार जी' के मंदिर पर कब्जे का प्रकरण हो या फिर 'श्री सम्मेद शिखर जी' पर केंद्र की भाजपा सरकार का आपत्तिजनक हस्तक्षेप। कुछ साल पहले भाजपा राज में ही उत्तर प्रदेश के बागपत-बड़ौत के एक जैन कॉलेज की वह घटना जिसमें जैनियों की पूज्य 'श्रुतिदेवी' की प्रतिमा स्थापित करने का उग्र विरोध भाजपाई संगी-साथियों ने किया था। मध्य प्रदेश के नीमच में एक बुजुर्ग जैन 65 वर्षीय 'भंवरलाल जैन' को भाजपा सत्ता समर्थित एक प्रभुत्वशाली व्यक्ति द्वारा थप्पड़ मार-मारकर मार डालने की वीभत्स घटना। ये सब कुछ जैन समुदाय के उत्पीड़न के ही मामले हैं।

22 हजार 478 ई रिक्शा का चालान और 7835 सीज

लखनऊ, चसं। प्रदेश में सड़कों पर चल रहे अवैध एवं अपंजीकृत ई-रिक्शा के खिलाफ अभियान के 17 वे दिन अब तक 22478 वाहनों का चालान किया गया, 7835 वाहनों को सीज किया गया है। परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर अभियान चल रहा है, जिसमें हजारों ई-रिक्शा पर चालान और सीज की कार्रवाई की गई। राज्य परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान में अपंजीकृत और अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अभियान विशेष रूप से उन इलाकों में चल रहा, जहां ई-रिक्शा की अधिकता से ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। ई-रिक्शा के खिलाफ चल रहे अभियान के 17 दिनो के दौरान प्रदेश के आगरा संभाग में सर्वाधिक जबकि झांसी संभाग में सबसे कम चालान एवं सीज की कार्रवाई हुई। आगरा संभाग में 1156 ई-रिक्शा सीज एवं 2345 चालान जबकि झांसी संभाग में 115 इ-रिक्शा सीज एवं 434 चालान किए गए। लखनऊ संभाग में 814 ई-रिक्शा एवं 2031 चालान किए गए।

जिस प्रकार चक्की के दो पाटों के बीच में कोई भी अनाज साबूत नहीं बचता है। ठीक उसी प्रकार जीवन और मृत्यु के बीच में कोई भी नहीं बचता है। सबको एक दिन जाना पड़ता है। लेकिन फिर भी लोग अंजान बने रहते हैं : कबीर दास

संपादकीय

परदेस से मोहभंग

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे। दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं।

मणिपुर के इंफाल घाटी में कोई विवाद नहीं

अब सभी जनजातियां जो कुकी या नागा के सामूहिक नाम से जानी जाती हैं, वे ईसाई हो चुकी हैं। उनकी भाषाओं के लिए अब सरकारें उनकी लिपि का प्रयोग नहीं करती, बल्कि रोमन लिपि का प्रयोग करती हैं। मैतेयी हिंदू हैं और उनको चारों ओर घेरे हुए कुकी ईसाई हैं। कुकी शब्द में जो जनजातियां हैं, वे मणिपुर के पड़ोस के राज्य मिजोरम में भी बसी हैं। बांग्लादेश के चिटगांव में भी रहती हैं और मणिपुर के पड़ोसी बर्मा के चिन प्रदेश में भी रहती हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि मिशनरियां इन सभी को एकत्रित करके एक नया ईसाई देश बनाना चाहती हैं ताकि पूर्वोत्तर से भी भारत को घेरा जा सके।

मणिपुर में मैतेयी और कुकी का विवाद पिछले एक साल से चल रहा है। इस विवाद ने सौ से ज्यादा लोगों की जान ले ली। सरकार को बर्खास्त करना पड़ा। देश भर में मणिपुर को लेकर हंगामा होता रहा। मैं कल मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचा था। श्री एम इराबन्ता सिंह की संस्था ने कला संकाय के छात्रों के लिए एक कालेज शुरू करने की योजना बनाई थी। कालेज के शिलान्यास के लिए मुझे बुलाया हुआ था। इराबन्ता सिंह मणिपुर में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इंफाल में घूमते हुए मुझे कहीं नहीं लगा कि इस राज्य में कहीं विवाद है। सारा काम सामान्य तरीके से हो रहा था। कालेज का सांस्कृतिक कार्यक्रम ही देर रात तक चलता रहा। मैंने मणिपुर विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक से पूछा कि यहां किसी प्रकार का विवाद दिखाई तो नहीं देता। उसने सहज उत्तर दिया कि यहां इंफाल घाटी में कोई विवाद नहीं है। दो दिन पहले ही अखबार में खबर छपी थी कि सरकार ने आदेश दिया है कि पहाड़ की ओर जाने वाली सब सड़कें खोली जाएं। इस पर उसने कहा कि सड़कें कभी बंद हुई ही नहीं थीं। पहले भी खुली थीं और अब भी खुली हैं। बस एक ही पेंच है। इंफाल घाटी से कोई मैतेयी इन सड़कों से पहाड़ में जा नहीं सकता और पहाड़ से कोई कुकी इन सड़कों से इंफाल घाटी में दाखिल नहीं हो सकता। मणिपुर में इंफाल घाटी चारों ओर से पहाड़ों से घिरी है। घाटी में मैतेयी रहते हैं और पहाड़ों पर कुकी और नागा जनजातियों के लोग रहते हैं। असल में यहीं पर सबसे बड़ा झोल है। आजादी से पहले बंगाल के लोग पहाड़ पर रहने वाले सभी लोगों को, चाहे वे किसी भी जनजाति के क्यों न हों, कुकी कहते थे। यह कुछ-कुछ इसी प्रकार था जैसे पंजाब के लोग हिमाचल के पहाड़ों पर रहने वाले सभी लोगों को पहाड़िया कहते थे। मणिपुर में पहाड़ की जनजातियां इसका विरोध करती थीं और इसको अपमानजनक मानती थीं। वे स्वयं को कुकी कहना पसंद नहीं करती थीं। ब्रिटिश राज के दिनों में मणिपुर के इन समुदायों को सरकारी अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कुकी या नागा कहना और लिखना शुरू कर दिया था। इसका क्या कारण था? ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मणिपुर की इन अनेक जनजातियों को उनके मूल नाम से काट कर नया नाम देने की जरूरत क्या थी? इसको समझने के लिए गहरे उतरने की जरुरत है। मणिपुर की इन सभी जनजातियों का अपना-अपना गौरवशाली इतिहास है। उनकी अपनी अपनी भाषा है, अपनी-अपनी संस्कृति है। परम सत्ता को लेकर दार्शनिक विचार हैं। ब्रिटिश सरकार जान गई थी कि जब तक ये जनजातियां अपने ऐतिहासिक नामों से जुड़ी हुई हैं, तब तक इनकी संस्कृति को नष्ट करना संभव नहीं होगा। वैसे भी थादौ समुदाय के लोगों ने 1917-1919 तक ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष छेड़ रखा था। संघर्ष की प्रेरणा और ऊर्जा थादौ समुदाय को अपने इतिहास, संस्कृति

और पूर्वजों की कथाओं से ही मिलती थी। इसलिए ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने कुछ समुदायों को एक वर्ग बना कर उनका नया नामकरण करके उनके इतिहास को समाप्त कर नया इतिहास लिखने की कोशिश की। जनजाति समुदायों के निवास स्थानों के विकसित होने की एक विशेष पद्धति देखी जा सकती है। किसी एक जनजाति के गांव में दूसरी जनजाति के समुदाय के बसने-रहने की संभावना नगण्य कही जा सकती है। इसका एक कारण यह भी है कि पुराने समय में विभिन्न समुदाय प्रायः आपस में लड़ते रहते थे। सलिए एक स्थान पर एकजुट होकर रहने की जरूरत रहती थी। यही कारण है कि मणिपुर में विभिन्न समुदायों के मिश्रित गांव प्राय- देखने में नहीं आते। उन्नीसवीं शताब्दी में इस दिशा में थोड़ा परिवर्तन होना शुरू हुआ था। सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरणों से, संचार व सड़कों की सुलभता के कारण किसी गांव में इक्का-दुक्का अन्य जनजाति समुदायों के लोग भी रहने लगे, लेकिन पिछले दो-तीन साल के संघर्ष ने इस पर फिर से प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। मणिपुर की विभिन्न जनजातियों की बसाहतों को देखने से यह प्रवृत्ति साफ देखी जा सकती है। मणिपुर के जनजाति समुदायों की अलग-अलग संस्कृति को समाप्त कर एक नई सामूहिक पहचान स्थापित करने के लिए ईसाई मिशनरियों का खेल भी ब्रिटिश सरकार के समय से ही चालू है। 1824 में मणिपुर के राजा ने अन्य रियासती राजाओं की तरह एक समझौता किया जिसके अंतर्गत रियासत की सरहदी सुरक्षा ईस्ट इंडिया कंपनी को हस्तांतरित कर दी गई। लेकिन इस समझौते के बाद ईसाई मिशनरियों के प्रवेश का रास्ता भी खुल गया। मिशनरियों ने राज्य की विभिन्न जनजातियों को उनकी आस्था, विरासत, कर्मकांड और परंपरा से तोड़ कर उन्हें ईसाई बना कर एक समान कर्मकांडों से बांधना शुरू किया। इसलिए जरूरी था कि उन्हें उनकी ऐतिहासिक पहचान और नाम से तोड़ कर नया नाम और कर्मकांड दिए जाएं। लेकिन सभी जनजातियों को एक नाम कैसे दिया जा सकता है और उसे अलग-अलग जनजातियां स्वीकार भी कैसे करेंगी? इस समय मिशनरियों को कुकी शब्द मुफीद आया। बंगाल के लोग इन पहाड़ी जनजातियों को हिकारत से सामूहिक रूप से कुकी कहते थे। पहाड़ की ये अलग-अलग जनजातियां इसका विरोध करती थीं। लेकिन मैदानी क्षेत्रों में इन पहाड़ी जनजातियों के लिए यह नाम प्रचलन में आने लगा था। मणिपुर के पहाड़ी इलाके के लोगों की भी यही स्थिति थी। वे अपने पहाड़ में तो खादौ थे, पाएते थे, गांगते थे, लेकिन असम की बराक घाटी के लोगों के लिए वे सभी कुकी ही थे। ईसाई मिशनरियों को बना बनाया यह शब्द बहुत काम आया। अलग अलग समुदायों की यह एक सामूहिक नई पहचान बनने लगी। मिशनरियों ने मणिपुर पर दो ओर से आक्रमण किया। सिलचर की ओर से यीशु का संदेश लेकर ॅपससपंउ विलियम पैटीग्रीयू अपने साथियों सहित 6 फरवरी 1894 को मणिपुर में घुसा। उसने उत्तरी और दक्षिणी मणिपुर में मोर्चा संभाला। उसके कुछ वर्ष बाद ही इंग्लैंड के वाटकिन आर. रॉबट्र्स अपनी पत्नी और एक चिकित्सक डा. पीटर फ्रेजर के साथ आईजोल की ओर से मणिपुर में घुसा। उसने यहां एक अस्पताल की स्थापना की और उसके माध्यम से स्थानीय लोगों से मिलने-जुलने लगा। शुरू शुरू में जनजातियों के लोगों ने इन मिशनरियों का बहुत विरोध किया। हिंसक झड़पें भी हुई। लेकिन यहीं से मणिपुर की जनजातियों के विसंस्कृतिकरण का नया अध्याय शुरू हुआ। **:: एजेंसी**

अंगूर, लंगूर और मगरूर

अमेरिका में एक बड़ा अनोखा प्रयोग हुआ और उस प्रयोग के परिणाम सचमुच बहुत ही चौंकाने वाले थे। समाज के अलग अलग वर्गों और अलग-अलग उम्र के सौ लोगों को इस प्रयोग में शामिल किया गया। उन सबको एक-एक कार दी गई और एक निश्चित रूट पर कार चलाने को कहा गया। कोई और शर्त नहीं थी, कोई समय सीमा नहीं थी, कोई गति सीमा अलग से नहीं बताई गई थी। उन सबको बस एक निश्चित रूट पर चलते हुए एक निश्चित गंतव्य स्थान तक पहुंचना था। इन लोगों को जो कारें दी गई, उनके इंजन बहुत अच्छे थे, लेकिन कारों की शक्ल बिगड़ी हुई थी, बॉडी पुरानी थी, रंग उखड़ा हुआ था, और जगह-जगह डेंट भी पड़े हुए थे।

सभी ड्राइवर जब निश्चित गंतव्य स्थान पर पहुंचे तो उनकी ड्राइविंग और ड्राइविंग के समय के व्यवहार का विश्लेषण किया गया तो यह पाया गया कि तीन लोगों को छोड़ कर बाकी सब ड्राइवरों ने कार चलाते हुए सभी ट्रैफिक नियमों का पालन किया था, लाल बत्ती पर कार रोकी थी, जेबरा क्रॉसिंग पर पैदल चलने वाले लोगों को राह दी थी, बुजुर्गों को भी सड? पहले पार करने का मौका दिया था, पर सिर्फ तीन लोगों ने इन सारी बातों का ध्यान नहीं रखा था। सौ में से तीन लोग, यानी तीन प्रतिशत लोगों ने ट्रैफिक के नियमों का सम्मान करना आवश्यक नहीं समझा था। कुछ दिनों के अंतराल के बाद उन्हीं सब ड्राइवरों को फिर से बुलाया गया, उन सबको फिर से एक-एक कार दी गई और इस बार भी उसी पुराने रूट पर कार चलाते हुए उसी गंतव्य स्थान पर पहुंचने को कहा गया।

इस बार भी न कोई समय सीमा थी, न ही अलग से कोई गति सीमा निर्धारित की गई थी। इस बार की ड्राइविंग में बस एक ही फर्क था कि हर ड्राइवर को एक शानदार, नई-नकोर लग्जरी कार चलाने को दी गई। इस बार भी जब सभी लोग गंतव्य स्थान पर पहुंच गए तो ड्राइविंग के समय के उनके व्यवहार का विश्लेषण किया गया तो पाया गया कि इस बार चालीस लोगों ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया था। सौ में से चालीस लोग, यानी चालीस प्रतिशत लोगों ने ट्रैफिक के नियमों का सम्मान करना आवश्यक नहीं समझा था। दोनों बार वही ड्राइवर थे, वही रूट था, वही नियम थे, फिर क्यों हुआ ऐसा कि चालीस प्रतिशत ड्राइवरों ने ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा दीं। इस प्रयोग के और इस विश्लेषण के मायने क्या हैं? इस प्रयोग से हम क्या सीख सकते हैं? यहां ध्यान देने की जो सबसे आवश्यक बात है, वो यह है कि प्रयोग में शामिल सभी लोग जो कारें ड्राइव कर रहे थे, कारें उनकी नहीं थी, वे कार के मालिक नहीं थे। वे सब एक निश्चित रूट पर चले और पूर्व-निश्चति गंतव्य स्थान पर पहुंचे और इस प्रयोग के पहले चरण में उनमें से सिर्फ तीन लोगों ने ट्रैफिक नियमों को तोड़ा, लेकिन दूसरी बार उन्हीं लोगों में से चालीस प्रतिशत ड्राइवरों ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन

इस बार की ड्राइविंग में बस एक ही फर्क था कि हर ड्राइवर को एक शानदार, नई-नकोर लग्जरी कार चलाने को दी गई। इस बार भी जब सभी लोग गंतव्य स्थान पर पहुंच गए तो ड्राइविंग के समय के उनके व्यवहार का विश्लेषण किया गया तो पाया गया कि इस बार चालीस लोगों ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया था। सौ में से चालीस लोग, यानी चालीस प्रतिशत लोगों ने ट्रैफिक के नियमों का सम्मान करना आवश्यक नहीं समझा था। दोनों बार वही ड्राइवर थे, वही रूट था, वही नियम थे, फिर क्यों हुआ ऐसा कि चालीस प्रतिशत ड्राइवरों ने ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा दीं।

किया। पाया यह गया कि जब ये लोग पुरानी दिखने वाली कारें ड्राइव कर रहे थे तो वे खुद को आम आदमी मान रहे थे और सड? पर चलने या ड्राइव करने वाले हर दूसरे आम आदमी का भी सम्मान करते हुए सभी ट्रैफिक नियमों का पालन कर रहे थे, पर जब वे एक नई-नकोर और शानदार लग्जरी गाड़ी में थे तो उनके मन में लग्जरी गाड़ी का गरूर था और उन्हें पैदल चलने वाले लोग ही नहीं बल्कि आल्टो, स्विफ्ट या अन्य दूसरी छोटी गाड़ियों में चलने वाले लोग मक्खी-मच्छर सरीखे महसूस होते थे और दिल में ये भावना थी कि ये आल्टो वाला, ये स्विफ्ट वाला, ये छोटी-सी गाड़ी वाला मेरा रास्ता रोकने की हिम्मत कर रहा है, अभी दिखाता हूं। अहंकार की इसी भावना के चलते उन्होंने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया, वो भी तब जबकि कार उनकी नहीं थी, तो भी इतना गरूर था। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिस व्यक्ति के पास अपनी लग्जरी गाड़ी हो, उसके गरूर का क्या आलम होगा, उसे सड़क पर चलने वाला हर दूसरा व्यक्ति भी मक्खी-मच्छर सरीखा क्यों नहीं लगेगा? लग्जरी गाड़ी चलाने वालों द्वारा सड़क के हादसों का यह एक सटीक विश्लेषण है। अब इसी का दूसरा पहलू मानव स्वभाव की एक और कमजोरी को उजागर करता है। मान लीजिए कि मैंने मेहनत की, पैसा कमाया और मैंने एक शानदार सुपर लग्जरी कार खरीदी और उसे चलाते हुए घर से निकला तो मोहल्ले का हर व्यक्ति उसे नोटिस करेगा। क्या आप जानते हैं कि ऐसे में एक आम आदमी की प्रतिक्रिया क्या होती है? एक आम आदमी की पहली स्वाभाविक प्रतिक्रिया यह होती है कि यह शानदार कार तो मेरे पास होनी चाहिए थी, मेरी होनी चाहिए थी। कोई यह नहीं सोचता कि मैंने या मेरे पुरखों ने मेहनत की, धन का सही निवेश किया, मेहनत से और धीरज से पैसा जमा किया और अब उस मेहनत का फल हमें मिल रहा है। लोग कार की प्रशंसा करेंगे, हमारी मेहनत की नहीं। उनकी निगाह कार पर है, हम पर नहीं, हमारी मेहनत पर नहीं। यानी, कार तो अंगूर है, और कार में बैठा आदमी लंगूर है, जबकि जो कार में बैठा है वो मगरूर है, वो समझता है कि सबकी निगाह उस पर है। अंगूर, लंगूर, मगरूर की यह कहानी सार्वभौमिक है, युनिवर्सल है। हम अपने अहंकार पर नियंत्रण कर सकें, इसीलिए संन्यास का उदय हुआ और भारतीय संस्कृति में संन्यासी हो जाने पर भगवा धारण करने और सिर मुंडाने की परंपरा बनी।

भगवा रंग अग्नि का प्रतीक है, ज्वाला का प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति भगवा धारण करता है तो उसका मतलब है कि उसने प्रतीकात्मक रूप से अपने शरीर को जला दिया। इसी तरह सिर मुंडाना इस बात का प्रतीक है कि संन्यासी ने अपनी इच्छाओं को काट डाला। उसे न शरीर से मोह रहा, न इच्छाएं बचीं और वह संन्यासी सिर्फ परमात्मा में रम गया। सहज संन्यास की परंपरा में इन प्रतीकों की महत्ता को स्वीकार तो किया गया, पर बदलते जमाने की आवश्यकताओं के मद्देनजर मेरे पूजनीय गुरुदेव, यानी सहज संन्यास परंपरा के चौथे गुरु सिद्ध गुरु विकासबोधि जी ने गृहस्थ संन्यास की परंपरा को पुनर्जीवित किया ताकि अधिक से अधिक लोग गृहस्थ आश्रम में रहते हुए ही, अपनी सांसारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए ही सात्विक जीवन जीना प्रारंभ करें। **:: एजेंसी**

शिक्षा क्रांति का इंतजार

कितने बरसों से सुनते आ रहे हैं, शिक्षा क्रांति होगी। देश आजाद हुआ तो शिक्षा क्रांति की घोषणा कर दी गई थी। अब इस अशिक्षित भीड़ भरे देश में कोई पढ़े-लिखे बिना नहीं रहेगा। पढ़ाई का प्रमाणपत्र, डिग्रियां हर बच्चे के हाथ में होंगी। वे नौकरी के लिए कतार लगा बरसों इंतजार नहीं करेंगे। रोजगार दफ्तरों की धूल फांक-फांक कर आखिर उनके चक्कर लगाना बंद नहीं कर देंगे। हालात कुछ इस कद्र हो

जाएंगे कि नौजवान पढ़-लिख कर इनके चक्कर लगाने के बजाय ठेके पर विदेश भिजवाने के संदिग्ध दफ्तरों के बाहर चक्कर लगाना शुरू कर देंगे। तब मंत्री महोदय को लोकसभा में बयान देना पड़ेगा कि हर साल लाखों लोग भारतीयता छोड़ने की अर्जी दे देते हैं। अब वहां जगह न पाकर वापस लौट रहे हैं। फिर भी कोई नहीं पूछता कि इतने लोग रोजी रोटी की तलाश में अपना देश छोड़ कर दूसरे देश कैसे पहुंच गए? अवैध रूप से वहां पहुंचे लोग नंबर दो के असामान्य प्रवासियों के रूप में जीवन जीने के लिए तैयार हैं, लेकिन अपने देश में अव्वल दर्जे का नागरिक बन जाने के लिए प्रस्तुत नहीं। क्योंकि वहां अव्वल दर्जे का नागरिक बन कर जीने का अर्थ है, रोजगार मेलों में नौकरी मांगने के लिए भटकते रहना, फिर हास्यस्पद वेतन पर काम करने के लिए हामी भरना। मनरेगा के नाम पर ऐसी दिहाडि?ों को सिर माथे पर लेना जो इन्हें नौकरी करते हुए भी भुखमरी की सौगात दे सकें। नहीं तो भला बताइए देश की तरक्की के निरंतर दावों के बीच देश भुखमरी सूचकांक में कुछ पायदान नीचे क्यों उतर गया? जो भूख से मरे उनमें पढ़े-लिखे कितने थे, और अनपढ़ कितने? भूख से आई मौत तो शिक्षित अशिक्षित का अंतर नहीं करती। पढ़ा-लिखा काम करने को न जाने कब से तैयार बैठा है, और सरकारी तौर पर उसे पकौड़े बेचने की सलाह दी जाती रही है। विद्या मंदिर, जिन्हें शिक्षालय कहा जाता है, जहां सरस्वती की पूजा होनी चाहिए, वहां पूजक नदारद होते जा रहे हैं। उनके इर्द-गिर्द आईलैट्स अकादमियां कुकरमुत्तों की तरह उग आई हैं। वहां पढने वालों की नहीं विदेश भाग सकने वालों की भीड़ लगी है। ऐसे विशेषज्ञ मिल जाते हैं, जो बताते हैं कि मान्य पलायन के लिए अपेक्षित बैंड न भी मिले तो भी उन्हें परदेस भिजवा दिया जाएगा। यह दीगर बात है कि चाहोगे अमरीका या विलायत जाना, और पहुंचोगे अरब और अफ्रीकी देशों में।

चांद सितारों को छूती अटारियां पाने की तमन्ना के साथ विदेश पलायन की होड़ लगाई थी, अब यहां पहुंचे तो छुप-छुप कर जीना पड़ता है। आखिर यहां भी तो सेना क्षेत्रों के नाम पर क्रीत दासों की जरूरत पड़ती रहती है, अतः स्वागत। वहां पहुंच गए तो पीआर से लेकर ग्रीन कार्ड की जरूरत पड़ती रहेगी। जो अपना आधार कार्ड न कर सके, शायद वे ग्रीन कार्ड कर सकें। उम्मीद रखो। और इधर यह देश जो युवाशक्ति का देश है, वहां किंकर्त्तव्यविमूढ़ अपने नौजवान हैं। जनप्रतिनिधि कहते हैं, 'अब यहां नौकरी पाने के लिए रिश्वत नहीं देनी पड़ती।' और विश्व का भ्रष्टाचार सूचकांक बताता है कि भारत का भ्रष्टाचार सूचकांक चारों खाने चित्त है। भ्रष्टाचार उन्मूलन के ऊंचे नारों के बावजूद आज भी वह उसी निम्नतम स्तर पर खड़ा है, जैसे कल खड़ा था, बल्कि अब तो यह हालत हो गई है कि देश में कोई काम केवल संपर्क के बल पर नहीं होता। काम कर सकने वालों की हथेली गर्म करनी ही पड़ती है, क्योंकि महंगाई बहुत हो गई है, और केवल वेतन में किसी का गुजारा नहीं होता। इधर नौनिहालों को आदमी बना सकने वाली शिक्षा क्रांति मुंह बिसूर कर निराश बैठी है। निजी शिक्षा संस्थानों ने आम आदमी के बखिये उधेड़ दिए। क्रांति हुई, तो भारत का भविष्य छात्र-छात्राएं सस्ते सरकारी स्कूलों की ओर भागे।

हिंदू धर्मस्थलों में लूट और अव्यवस्था

हमारे पास ऐसा मानने के लिए पर्याप्त प्रमाण हैं कि इस धरा यानी पृथ्वी का निर्माण किसी न किसी दैवीय शक्ति के अधीन हुआ है और इसके साक्षात प्रमाण इस धरती के कण कण में, इस चराचर जगत में प्राणियों में, पशु पक्षियों में, मनुष्यों में और वनस्पतियों में दृष्टिगोचर होते हैं।

क्या यह प्रमाण पर्याप्त नहीं है कि इस परिवर्तनशील पृथ्वी पर जन्म-मृत्यु का चक्र और आनुवंशिक गुणों के चलते भूलोक पर जीव जंतुओं, वनस्पतियों एवं मनुष्यों की उपस्थिति करोड़ों वर्षों से यथावत बनी हुई है और आगे भी बनी रहेगी। अगर मनुष्य की उत्पत्ति के शुरुआती कुछ हजार वर्षों को छोड़ दें तो जैसे जैसे मनुष्य की बुद्धि का विकास हुआ और मनुष्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अपने अनुभवों का हस्तांतरण करता गया तो वहीं उसे ईश्वरीय उपस्थिति का आभास भी हुआ होगा। लिहाजा उसने अपने तौर तरीकों से प्रत्यक्ष देवताओं की पूजा आराधना शुरू की। हिंदू धर्म की राह पर चलकर ही विश्व में कई प्रकार के धर्म संप्रदायों का प्रादुर्भाव हुआ और सभी धर्मों का एक ही मकसद रहता आया है और वह है जन्म मरण से मुक्ति और ईश्वर के चरणों में मोक्ष मिले। वर्तमान समय में जैसे-जैसे भारतवर्ष की आबादी बढ़ रही है, लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, शिक्षा का प्रचार प्रसार हो रहा है, सोशल मीडिया और गूगल जैसे सर्च इंजन से नित नवीन जानकारियां लोगों को मिल रही हैं, उससे यह स्वाभाविक ही है कि लोगों की जिज्ञासा में वृद्धि होती है और वह उन स्थलों को जाकर देखना

मंदिरों की आय के कुछ फीसदी भाग से मंदिर क्षेत्र का विकास करवाया जाना चाहिए। उस क्षेत्र की गलियां, सड़कें चौड़ी करवाई जानी चाहिए। वीवीआईपी एवं धनवान लोगों और सामान्य जनता के बीच का अंतर समाप्त होना चाहिए। बड़े मंदिरों के प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियां और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

चाहता है जहां कभी पहुंचना असंभव माना जाता था। आज संचार और यातायात के बेहतरीन साधन उपलब्ध हैं, लिहाजा लोगों की भीड़ भी इन धार्मिक तीर्थ स्थलों पर बढ़ती जा रही है। बचपन से मिले पारिवारिक संस्कारों के चलते प्रत्येक हिंदू अपने आराध्य भगवान की पूजा अर्चना के अलावा भारतवर्ष के अनेक प्रसिद्ध मंदिरों/देवस्थानों में जाकर माथा टेकना चाहता है। प्रत्येक भारतीय धर्म, कर्म और ईश्वरीय विधान में आस्था रखता है ताकि उसे आध्यात्मिक शांति मिले और सद्गति प्राप्त हो, लेकिन श्रद्धालु और यात्रीगण जब किसी तीर्थस्थल अथवा किसी बड़े देवालयों में पहुंचते हैं तो उन्हें वहां सुविधाओं का अकाल, अव्यवस्थाओं और पंडे पुजारियों की लूट से दो चार होना पड़ता है। अगर मैं अपनी यात्राओं अथवा अपने मित्रों, रिश्तेदारों के अनुभव से कहूं तो हमें बड़े हिंदू तीर्थस्थलों में फैली अव्यवस्थाओं और लम्बी लम्बी लाइनों का सामना करना पड़ता है। भारतवर्ष की पुण्य धरा में विराजमान ईश्वरीय शक्तियां जिन्हें हम विविध नामों से जानते हैं, का पूजन न केवल घरों में होता है अपितु मंदिरों एवं देवालयों में वर्ष पर्यंत भक्तजन और श्रद्धालु नतमस्तक होने जाते हैं। हिंदू मंदिरों में फैली अराजकता और अव्यवस्था के कई कारण हैं, जिनमें मंदिरों का सरकारी नियंत्रण होना, सीसीटीवी कैमरों के बावजूद भ्रष्टाचार और मंदिरों के प्रबंधन में अनियमितता इत्यादि शामिल हैं। सरकारी नियंत्रण के कारण, मंदिरों की आय और संपत्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है, जिससे भक्तों के मन में मंदिर के प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी का एहसास होता है। भ्रष्टाचार भी एक बड़ी समस्या है जिसके कारण मंदिरों की आय का दुरुपयोग होता है और मंदिर की संपत्ति का नुकसान होता है। भौतिकतावाद की इस अंधी दौड़ में ईश्वरीय सेवा में संलग्न तथाकथित पुजारी लोग ही जब जनता को लूटने में लगे हुए हों और जिन्होंने भगवान के दरबार में रहकर भी रुपया कमाने को ही अपना मूल मंत्र अथवा साध्य बना रखा हो, जहां वीवीआईपी दर्शनों के नाम पर धन संपन्न, शक्ति संपन्न और राजनीतिक तौर पर प्रभावशाली लोग हजारों की भीड़ को दरकिनार करते हुए वीवीआईपी रास्तों से जब ईश्वर की कृपा पाने के लिए बगल से गुजरते हों और वहां एक साधारण गरीब आम इनसान श्रद्धालु कातर दृष्टि से उनको गुजरते देखकर कुंठा, निराशा, हताशा और तकलीफ से डूबता उतरता तो होगा ही। आज की तारीख में चंद स्वार्थी, लालची प्रवृत्ति के लोग धर्मस्थलों में आने वाले भक्तजनों को लूटने से बाज नहीं आते हैं तो वहीं भिखारियों की फौज 2-2 सौ मीटर तक पीछा करके तंग करती है, जिससे आम आदमी एवं पढ़े लिखे लोगों का मन वितृष्णा से भर जाता है। लेकिन यह भी सत्य है कि हाल ही में संपन्न प्रयागराज के महाकुंभ में अतिउत्तम व्यवस्थाओं के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं के बीच अपनी एक अलग छवि बनाई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को चाहिए कि मंदिरों के लिए नीतियां बनाएं और नियम निर्धारित करें। स्वच्छता एवं शौचालयों की सुंदर व्यवस्था हो। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेष:- जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

वृष:- भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन:- महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कार्यो की व्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :- क्रोध व शंकाएं छोड़ संबंधों में प्यार बिखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।

सिंह:- किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की व्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

कन्या:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला:- हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिक:- शासन-सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु:- कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेंगे। अच्छे व्यवहारकुशलता से सामाजिक मान-मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर:- कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ:- खाली मन शैतान का घर अपने दिनर्चया को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। पारिवारिक जरुरतों की पूर्ति साधनाभाव से मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीन:- भौतिक सुख-साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

दलित युवक को मारपीट कर घायल करने वाले पिता पुत्र पर रिपोर्ट

हरदोई, चसं। हरपालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम श्यामपुर पंजा में एक दलित युवक को मारपीट कर घायल कर देने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र के विरुद्ध दलित एक्ट सहित मारपीट कर घायल करने की रिपोर्ट दर्ज कर घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।घायल के भाई बटलू पुत्र राधेश्याम के अनुसार 17 अप्रैल गुरुवार की शाम को उसका बड़ा भाई इंद्रपाल अपने दरवाजे पर बैठा था। गांव के दयाराम द्विवेदी अपने पुत्र चालू के साथ उसके भाई के दरवाजे पर आए और उससे गेहूं खदवाने को कहा उसके भाई ने मना कर दिया।इसी बात से नाराज होकर विपक्षी पिता पुत्र ने लाठी डंडों से उसके भाई को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।उसके भाई को 108 एंबुलेंस से सीएचसी हरपालपुर ले जाया गया जहां उसकी हालत गंभीर देखकर उसके भाई को डाक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जहां उसके भाई का इलाज चल रहा है।

भाजपाइयों ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर किया प्रदर्शन

राहुल-सोनिया का पुतला फूंका, बोले- जनता पूछे हिसाब दो, घोटाले का जवाब दो

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा कार्यालय से लखनऊ चुंगी तक जुलूस निकालते हुए कार्यकर्ताओं ने ÷राहुल गांधी मुर्दाबाद÷ और ÷सोनिया गांधी मुर्दाबाद÷ के नारे लगाए और दोनों नेताओं का पुतला जलाया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष आकाश सिंह ने किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं में गुस्सा साफ नजर आया और उन्होंने गांधी परिवार पर नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को हड़पने का आरोप लगाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि गांधी परिवार ने अपने राजनीतिक प्रभाव का गलत इस्तेमाल कर देश की संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की, जो लोकतंत्र और नैतिकता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि राहुल और सोनिया गांधी को जनता के सवालों का जवाब देना होगा। इसमें मुख्य रूप से अध्यक्ष बब्बन, जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, आकाश सिंह जिलाध्यक्ष भाजयुमो, पूर्व जिलाध्यक्ष राम बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष संदीप सिंह, भाजपा नेत्री शोभना सिंह, सुहाना जैन, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, प्रखर अग्निहोत्री, अंशुमान सिंह, आकाश गुप्ता, वीरेंद्र सिंह, आकाश गुप्ता, अभिषेक सिंह चौहान समेत सभी युवा मोर्चा के पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

आस्था त्रिवेदी के 'कुहू कुहू बोले रे कोयलिया' की कूक पर मंत्रमुग्ध हुए वाह उस्ताद कार्यक्रम की निर्णायक मंडली

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। 'कुहू कुहू बोले रे कोयलिया' की कूक पर हरदोई शहर की शास्त्रीय गायन प्रतिभा में झंडा गाड़ रही आस्था त्रिवेदी को 'वाह उस्ताद' कार्यक्रम के निर्णायक पद्म विभूषण पंडित सजन मिश्रा ने जैसे ही पीठ थपथपाकर और तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया, हरदोई की जनता इस प्रतिभा को सराहा जिसने अपने माता व पिता सहित जनपद का नाम रोशन किया है। मालूम हो कि दूरदर्शन नेशनल एवं शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध दिल्ली घराने द्वारा 7 अप्रैल 2025 स शुरू किया गया वाह उस्ताद कार्यक्रम शास्त्रीय गायन की इस प्रतियोगिता में हरदोई से आरआर इंटर कॉलेज के अध्यापक श्याम नारायण त्रिवेदी की बड़ी पुत्री आस्था त्रिवेदी प्रतिभाग कर रही हैं और उनकी छोटी पुत्री अनुषा त्रिवेदी भी गायन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

इस प्रतियोगिता के प्रमुख निर्णायक पद्म विभूषण पंडित साजन मिश्रा जी हैं प्रतियोगिता में आस्था त्रिवेदी के अच्छे प्रदर्शन के लिए आप सभी लोग अपना आशीर्वाद प्रदान करें, यह कार्यक्रम डीडी नेशनल पर शाम को 4:30 से 6 तक तथा डीडी भारती पर रात 9 बजे से लेकर 10:30 तक आता है जरूर सुनें। हरदोई के सुदी प्रेमी जनों से अपील है कि दूरदर्शन भारतीय पर शाम को 4:30 बजे से 6 बजे तक तथा रात में 9 बजे से 10:30 बजे तक आने वाले कार्यक्रम को देखकर इस प्रतिभा को आशीर्वाद दें। हरदोई के युवा संगीत प्रेमियों के लिए यह प्रेरणा का अवसर है कि इस विधा में युवा आगे बढ़कर अपने माता-पिता, प्रदेश व देश का नाम रोशन करें।

समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू और उनकी पत्नी पर दर्ज हुई धोखाधड़ी की एफआईआर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जनपद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां समाजसेवी और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राजवर्धन सिंह राजू और उनकी पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर शहर कोतवाल विजय नारायण शुक्ल द्वारा दर्ज कराई गई है।

शिकायत के अनुसार, दंपति पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज एवं शपथ पत्र (एफिडेविट) बनवाकर अपने आपराधिक मामलों को छुपाते हुए शस्त्र लाइसेंस प्राप्त किया। यह कार्य न सिर्फ कानून की दृष्टि से गंभीर अपराध है, बल्कि शस्त्र लाइसेंस प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है। मामले की जांच की जिम्मेदारी निरीक्षक माबूद रज़ा को सौंपी गई है। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच प्रारंभ कर दी है और जल्द ही आरोपितों से पूछताछ की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। इस प्रकरण से क्षेत्र में राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है और लोग पूरे मामले व पुलिस की कार्रवाई पर नजर रखे हुए हैं। वहीं राजवर्धन सिंह राजू ने कहा है कि मेरी पत्नी पर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं था, शस्त्र लाइसेंस उनके नाम पर है हर साल रिन्युवल में पुलिस की आख्या लगती रही, दूसरी तरफ उनके नाम ही राजकीय ठेकेदारी का लाइसेंस बना है, जिसमें हर वर्ष कोतवाली से ही चरित्र प्रमाण पत्र जारी होता है उसके बाद भी यदि पुलिस को अगर विधायक के दबाव में मुकदमा लिखना पड़ा है तो निश्चित रूप से कहीं न कहीं दवाब है।

कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था की बीच पढ़ी गई जुमे की नमाज

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच में जुमा की नमाज अदा की गई। वक्फकानून बनने के बाद यह दूसरा शुक्रवार रहा। वक्फकानून का समर्थन और विरोध दोनों हो रहा है। इस वजह से पुलिस अलर्ट मोड पर रही। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद वक्फकानून का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि मामला फिलहाल कोर्ट में चल रहा है।

विधायक रानू सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने बैंटिंग कर किया तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरपालपुर/ हरदोई। कटियारी क्षेत्र के किर्तियापुर गांव में कटियारी प्रीमियर लीग टूर्नामेंट में शुक्रवार को खेले गए मैच में रॉयल चैलेंजर की टीम ने कटियारी अवेंजर की टीम को 8 रनो से हराया।

विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बैटिंग कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। सबसे पहले विधायक रानू सिंह ने पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन को एक ओवर खिलाया फिर ए पी ने विधायक को एक ओवर खिलाया।उसके बाद मैच की शुरुआत हुई।कटियारी अवेंजर की टीम के कप्तान आशू तिवारी ने टॉस जीतकर वॉलिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल चैलेंजर की टीम ने 15 ओवर में 180 रन बनाए।जिसमें कैप्टन गोलू तिवारी ने 20 वॉल में 40 रन बनाए। हिमांशु त्रिवेदी ने 34 बाल पर 54 रन बनाए। अचल पांडेय ने तीन ओवर में 46 रन देकर 3 विकेट प्राप्त किये। सगीर ने तीन ओवर में 33 रन देकर चार विकेट लिए। जिन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इसके जवाब में कटियारी अवेंजर की टीम बल्लेबाजी करते हुए 14.3 ओवर में 172 रनों पर ऑल आउट हो गई।

कटियारी अवेंजर की टीम के शिवम पाठक ने 29 वॉल पर 88 रन बनाए। जबकि आलोक तिवारी ने 20 वॉल पर 41रन बनाये।श्यामवीर ने दो ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। इस टीम के खिलाड़ी शिवम पाठक को उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण दीपू चौहान ने किया। इस मौके पर आयोजक शैलेंद्र शुक्ला, सुमित शुक्ला, गोविंद शुक्ला, मनीष शुक्ला,राजकिशोर अग्निहोत्री, कमलेश दीक्षित, संजय पाठक, अरविंद मिश्रा, राणा प्रताप सिंह हिमालय, विकास मिश्रा, अभिराम सिंह, आशीष पांडेय, पारुल, अनुपम अन्ना आदि मौजूद रहे।

सपा नेता राम ज्ञान गुप्ता समेत 7 जनों पर पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने पर दर्ज किया गया मुकदमा

हरदोई, चसं। समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव और नगर पालिका परिषद के पूर्व प्रत्याशी रामज्ञान गुप्ता पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने तीन माह पुरानी एक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए। इसके जवाब में पुलिस ने उन्हें झूठा प्रचार और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का दोषी ठहराते हुए कार्रवाई की है। मामला हरदोई शहर के सिनेमा चौराहे का है, जहां लगभग तीन महीने पहले यातायात पुलिस कर्मियों की एक टीम वाहन चेकिंग में लगी थी। इस दौरान एक ई-रिक्शा चालक को बिना नंबर प्लेट और ड्राइविंग लाइसेंस के पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, जब उसे सीज करने के लिए भेजा गया तो उसने सपा नेता रामज्ञान गुप्ता को फोन लगाया। आरोप है कि रामज्ञान गुप्ता ने फोन पर पुलिसकर्मी को धमकाते हुए रिक्शा छोड़ने की बात कही।इसके कुछ देर बाद रामज्ञान गुप्ता सात अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और सिनेमा चौराहे पर पुलिसकर्मियों से बहस की। पुलिस का दावा है कि नेता ने सरकारी कार्य में बाधा डाली और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। 17 अप्रैल को रामज्ञान गुप्ता ने उसी घटना का पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए सरकार और पुलिस प्रशासन पर गरीबों के खिलाफ अत्याचार करने का आरोप लगाया। इसके बाद यातायात पुलिसकर्मी गुरुदयाल सैनी की तहरीर पर कोतवाली शहर में रामज्ञान गुप्ता व अन्य सात अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 351(3), 132, 308(5) व आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।इस मामले में पुलिस रामज्ञान गुप्ता के घर भी पहुंची, जहां परिजनों ने पुलिस पर बदसलूकी करने का आरोप लगाया है। यह मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है और विपक्ष इसे सत्ता के दुरुपयोग से जोड़कर देख रहा है।

आपातकालीन सेवाओं की जानकारी रखें हेलमेट जरूर लगाएं जनपद वासी : डीएम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई।जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सड़क सुरक्षा को लेकर जनपद वासियों से कहा है कि सभी जनपद वासी यातायात नियमों का पालन अवश्य करे। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें।

चारपहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट लगाएं। वाहन की गति को नियंत्रित रखें। वाहन की नियमित देखभाल करें, जैसे कि टायर की जांच, ब्रेक की जांच, आदि। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।यातायात की जानकारी रखें और यातायात की स्थिति के अनुसार वाहन चलाएं। वाहन की सुरक्षा जांच करें और वाहन को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपाय करें।

आपातकालीन सेवाओं की जानकारी रखें, जैसे कि पुलिस, एम्बुलेंस, आदि। सड़क सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक बनें और अन्य लोगों को भी बतायें। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में हेलमेट आदि को लेकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है ताकि जनपद में स?क दुर्घटनाओं में कमी आ सके।

साइबर क्राइम के बारे में टोल फ्री नम्बर 1930 पर करें कॉल : जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने साइबर क्राइम को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इन सुझावों का पालन करके, हम अपने ऑनलाइन अकाउंट्स और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।उन्होंने बताया कि अपने ऑनलाइन अकाउंट्स के लिए सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करें।

पासवर्ड को समय-समय पर बदलें और दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें। अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस पर फायरवॉल और एंटीवायरस सॉफ्टवेयर स्थापित करें। यह आपके डिवाइस को मैलवेयर और अन्य ऑनलाइन खतरों से बचाएगा। केवल सुरक्षित वेबसाइट्स पर जाएं जिनके यूआरएल में "https" होता है। अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करें और अज्ञात स्रोतों से डाउनलोड न करें।ऑनलाइन लेनदेन करते समय सुनिश्चित करें कि वेबसाइट सुरक्षित है और आपके व्यक्तिगत विवरण की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए गए हैं। सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत विवरण को साझा न करें और अज्ञात लोगों को अपने दोस्तों की सूची में न जोड़ें। साइबर क्राइम के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी रखें और अपने परिवार और दोस्तों को भी इसके बारे में बताएं। यदि आपके साथ साइबर क्राइम होता है, तो बिना संकोच तुरंत पुलिस को शिकायत करें और अपने बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनी को भी सूचित करें। साइबर क्राइम की शिकायत टोल फ्री नम्बर 1930 पर भी की जा सकती है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत

हरदोई, चसं। सांडी थाना क्षेत्र के ग्राम मानीमऊ निवासी किसान की खेत से साइकिल से वापस घर आते समय अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है।सूचना पर मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।मृतक के भाई आछे लाल पुत्र नेतराम के अनुसार उसका बड़ा भाई वीरपाल गुरुवार की रात 9 बजे खेत से गेंहू की फसल देखकर खाना खाने साइकिल से घर आ रहा था। कटरा बिलहौर हाइवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी जिससे उसके बड़े भाई की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।घटना की सूचना पर पहुंची सांडी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्यवाही पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है।घटना से मृतक के घर में कोहराम मचा है।पुलिस ने मृतक के भाई की लिखित तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

अलग अलग हुई मारपीट की घटनाओं में आरोपियों के विरुद्ध दर्ज की गई रिपोर्ट

हरदोई, चसं। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट की अलग अलग घटनाओं में संबंधित थाना पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम बरेला निवासी चंद्रपाल पुत्र महेश पाल के अनुसार वह 17 अप्रैल की शाम को खेत से ट्रैक्टर ट्राली में गेहूं भरकर अपने घर जा रहा था।रास्ते में गांव के राजेंद्र,मनोज व सतीराम पुत्रगण बुलाकी राम अपने साथी प्रकाश पुत्र समले के साथ अपने दरवाजे पर पिकप डाला से सामान उतार रहे थे।उसने डाला साइड में कर रास्ता देने को कहा तो विपक्षियों ने एक राय होकर डंडों से उसे मारपीट कर घायल कर दिया। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर निवासी सचिन शर्मा के अनुसार वह 17 अप्रैल की शाम को गांव की परचून की दुकान से कुछ सामान लेने घर से जा रहा था।रास्ते में गांव के विश्वनाथ प्रताप ने अपने भाई नवनीत कुमार पुत्र विराट के साथ पुरानी रंजिश उसे रोककर गाली गलौज किया मना करने पर डंडों से पीटकर घायल कर दिया।कोतवाली शहर के मोहल्ला खजांची टोला निवासी राज पुत्र अशोक के अनुसार 11 अप्रैल की शाम को मोहल्ले के विकास पुत्र भज्जन ने उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज किया मना करने पर विपक्षी ने उसकी मां आशा को मारपीट कर घायल कर दिया।कोतवाली देहात के ग्राम नया गांव मुबारकपुर निवासी कमला देवी पत्नी पवन कुमार के अनुसार 14 अप्रैल की शाम को गांव के विपक्षी मिंटू पुत्र श्रीपाल ने पत्नी किरन और पारस पुत्र रामनिवास के साथ मिलकर उसे पुरानी रंजिश में गाली गलौज किया मना करने पर उसे लाठी डंडों और किसी धारदार चीज से मारपीट कर घायल कर दिया।मल्लावां थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर पंवार निवासी मदीना पत्नी फकरुद्दीन के अनुसार उसके परिवार के भतीजे खुर्शीद पुत्र सरफुद्दीन ने पुरानी रंजिश में उसे गाली गलौज किया मना करने पर पिता और पत्नी रूबीना के साथ उसे मारपीट कर घायल कर दिया।मारपीट की अलग अलग घटनाओं में संबंधित थाना पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुमशुदा 2 बच्चों को पुलिस ने बरामद कर परिजनों को किया सुपुर्द

हरदोई, चसं। सांडी थाना क्षेत्र से मां द्वारा डांट देने पर घर से लापता हुए दो बच्चों के मामले में पुलिस ने दोनों बच्चों को लोनार थाना क्षेत्र के जगदीश पुर चौराहे से सकुशल बरामद कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। प्राप्त विवरण में 17 अप्रैल को बच्चों की मां द्वारा थाना सांडी पर सूचना दी गयी कि उसके द्वारा अपने 12 व 10 वर्षीय पुत्रों को आइस्क्रीम न बेचने के लिये डांट फटकार दिया जिससे नाराज होकर उनके पुत्र घर से आइस्क्रीम बेचने चले गये तथा रात में घर वापस नही आये एवं काफी खोजबीन के बाद भी कोई पता नहीं चल सका। इस सूचना पर गुमशुदा बच्चे की शीघ्र एवं सकुशल बरामदगी हेतु पुलिस टीम को लगाया गया। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद में अपहृत/गुमशुदा बच्चों/बालकों की सकुशल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन स्माईल के क्रम में थाना सांडी पर गठित टीम के प्रभारी निरीक्षक कौशल किशोर यादव व पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा बच्चे के संबंध में स्थानीय व्यक्तियों/सोशल मीडिया आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उपरांत ज्ञात हुआ कि दोनों बच्चे अपने फूफा निवासी ग्राम सर्रड्या थाना लोनार के यहां पर रात्रि विश्राम हेतु रुक गये थे, वहां से दोनो बच्चे पुनः किसी और स्थान के लिये निकल गये। थाना सांडी पुलिस टीम द्वारा दोनों बच्चों को थाना लोनार क्षेत्रांतर्गत जगदीशपुर चौराहे से सकुशल बरामद कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए परिजनों को सुपुर्द किया गया।

बिलग्राम में 3 दिवसीय उर्स-ए-जहूरी का आयोजन

बिलग्राम/हरदोई, चसं। बिलग्राम के मोहल्ला मैदानपुरा में हजरत जहूरुद्दीन शाह (छोटे मियां) का तीन दिवसीय उर्स संपन्न हो गया। उर्स की शुरुआत 15 अप्रैल को हाफिज रिजवान द्वारा तिलावत-ए-कुरान से हुई।

मिलाद की महफिल में कन्नौज से आए मौलाना शाहनवाज ने अपनी तकरीर में कहा कि बुजुर्गों के बताए मार्ग पर चलकर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। दूसरे दिन जोहर की नमाज के बाद हजरत जहीरूद्दीन शाह का कुल शरीफ हुआ। तीसरे दिन फजर की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी हुई। सुबह 9 बजे जिक्र-ए-औलिया और मुशायरे का आयोजन किया गया। शायरों ने हजरत छोटे मियां की शान में मनकबत पेश की। दोपहर 3 बजे गागर का जुलूस निकाला गया। रात 9 बजे से सुबह 3 बजे तक कव्वाली का कार्यक्रम चला। बोबी कव्वाल संडीला, कमालुद्दीन कव्वाल फर्रुखाबाद और मारूफ कव्वाल सन्डीला ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सुबह 4 बजे हजरत अनीस मियां की दुआ के साथ आखिरी कुल शरीफ के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ। खानकाह की ओर से मुरीदीन और मोतकदीन को तबर्रक वितरित किया गया। इस अवसर पर अफसर मियां जहूरी, अख्तर हुसैन जहूरी, डॉ रफत हुसैन जहूरी, असगर जहूरी बिलग्रामी सहित नगर के कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

पुलिस ने बाल अपचारी को अभिरक्षा में लेकर किशोरी को किया बरामद

हरदोई, चसं। पिहानी थाना क्षेत्र के कस्बे के एक मोहल्ला निवासी कक्षा 8 की छात्रा को दूसरे समाज के एक नाबालिग युवक द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी बाल अपचारी को दिल्ली से पुलिस अभिरक्षा में लेकर किशोरी को बरामद कर लिया है।किशोरी की मां ने 14 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में पिहानी पुलिस पर आरोपी के परिजनों से मिलकर तहरीर बदलकर रिपोर्ट दर्ज करने के गंभीर आरोप लगाए थे।पिहानी कस्बे के एक मोहल्ले निवासी किशोरी कस्बे के ही एक स्कूल की कक्षा 8 की छात्रा है।कस्बे के नागर मोहल्ले का निवासी बाल अपचारी अक्सर उसके स्कूल के पास उससे मिलता था।12 अप्रैल को आरोपी किशोर किशोरी को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया।किशोरी की मां ने स्कूल की अध्यापिका और आरोपी के विरुद्ध नामजद लिखित तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी।उसने पिहानी पुलिस पर नामजद रिपोर्ट न लिखकर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन की प्रार्थना पत्र भेजा था।प्रभारी निरीक्षक विद्या सागर पाल ने बताया किशोरी की मां का आरोप बेबुनियाद है।पुलिस ने घटना वाले दिन ही अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी बाल अपचारी को दिल्ली से पुलिस अभिरक्षा में लेकर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है।किशोरी का मेडिकल परीक्षण करवाया गया है।बाल अपचारी को संप्रेषण ग्रह भेजा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रक्षा मंत्री आज करेंगे सांसद खेल महाकुंभ का शुभारंभ

लखनऊ, चसं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सांसद खेल महाकुंभ का शुभारंभ करेंगे। जिसकी तैयारी को लेकर सम्मिलित हो रही सभी विद्यालयों और कॉलेज के खिलाड़ियों ने परेड रिहर्सल किया। रक्षा मंत्री जी व मुख्य अतिथियों के समक्ष होने वाले प्रदर्शन खेलों में कलारीपयटू , मलखंब और योग के खिलाड़ियों ने भी रिहर्सल किया। इस दौरान कमिश्नर रोशन जैकब और जिलाधिकारी विशाख जी सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित रहे जिन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश, 30 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक देश है और उसने अगले पांच वर्षों में दूध उत्पादन वर्तमान 23.9 लाख मीट्रिक टन से 30 लाख मीट्रिक करने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने लोकसभा में प्रश्नकाल में यह भी कहा कि जब से मोदी सरकार ने 2014 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) शुरू किया है, तब से देश में दूध उत्पादन में 63.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और सरकार को अगले तीन वर्षों में इसमें 15 प्रतिशत की और वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''भारत अब दुनिया में सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। हमने अगले पांच वर्षों में वर्तमान 23.9 लाख मीट्रिक टन दूध उत्पादन से 30 लाख मीट्रिक टन उत्पादन पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। सिंह ने कहा कि देश में करीब 10 करोड़ लोग दूध उत्पादन में लगे हुए हैं, जिनमें से 75 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति दूध की खपत 471 ग्राम है।

स्कूटर की बिक्री ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की सड़कों पर स्कूटरों की रफ्तार एक बार फिर तेज हो गई है। कुछ साल पहले तक जो स्कूटर हर घर का अहम हिस्सा हुआ करते थे, वे अब नई तकनीक और आधुनिक डिजाइन के साथ जोरदार वापसी कर रहे हैं। कभी परिवार के हर सदस्य के सफर का भरोसेमंद साथी तो कभी कॉलेज जाने वाले युवाओं के लिए स्टाइल स्टेटमेंट, स्कूटरों की अहमियत हमेशा बनी रही है। अब शहरीकरण के बढ़ते प्रभाव, सुविधाजनक परिवहन की मांग और इलेक्ट्रिक स्कूटरों की लोकप्रियता ने स्कूटर बाजार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। आधुनिक तकनीक, ईंधन की बढ़ती कीमतों और सरकार की ईवी नीतियों के चलते स्कूटरों की बिक्री पुराने रिकॉर्ड तोड़ने की कगार पर है। क्या यह दोपहिया बाजार में एक बड़े बदलाव का संकेत है? भारत में स्कूटर की मांग तेजी से बढ़ रही है, और यह मोटरसाइकिल की तुलना में तीन गुना अधिक गति से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 11 महीनों (अप्रैल से फरवरी) में स्कूटर की बिक्री 16.6ः बढ़कर लगभग 6.3 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई, जिससे यह अपने पुराने स्तरों को पार करने के करीब है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह आंकड़ा जल्द ही 6.7 मिलियन यूनिट के प्री-पैंडेमिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है। इसके विपरीत, मोटरसाइकिल बाजार में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि देखी गई, जहां बिक्री केवल 5ः बढ़कर 11.2 मिलियन यूनिट तक पहुंची। यह इस श्रेणी में जारी सुस्ती को दर्शाता है, जबकि स्कूटर सेगमेंट शहरीकरण, इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बढ़ती मांग और बेहतर सुविधाओं के कारण मजबूत बढ़त बनाए हुए है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्कूटर की इस तेजी के पीछे कई कारण हैं जिनमें नई लॉन्चिंग, बढ़ते डिस्काउंट और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में वृद्धि प्रमुख हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, स्कूटर की बिक्री वित्त वर्ष 2025 में 7 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकती है। वहीं मोटरसाइकिल सेगमेंट की मांग में गिरावट आई है खासकर एंट्री-लेवल मोटरसाइकिल्स की बिक्री पर वित्तीय चुनौतियों का असर पड़ा है। पिछले दो वर्षों में मोटरसाइकिल का कुल बाजार में हिस्सा 63.1ः से घटकर 60.7ः रह गया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर की मांग तेजी से बढ़ रही है। ओला इलेक्ट्रिक, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर और एथर एनर्जी जैसी कंपनियों ने नए स्कूटर लॉन्च किए हैं, जिससे बाजार में हलचल मची हुई है। 2024 में कुल 1.15 मिलियन (11.5 लाख) इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिके, जो पूरे टू-व्हीलर बाजार का 6.3ः है। सरकार की 'पीएम ई-ड्राइव' योजना के तहत 10,000 रुपए तक की सब्सिडी मिलने से भी लोग ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीद रहे हैं। टीवीएस मोटर ने स्कूटर बिक्री में जबरदस्त बढ़त बनाई है। अप्रैल से फरवरी के बीच इसकी बिक्री 23ः बढ़ी, जबकि मार्केट लीडर होंडा की ग्रोथ सिर्फ12ः रही। खासतौर पर ज्टै के नए मॉडल जुपिटर 110 को लोगों ने खूब पसंद किया, जिससे कंपनी को बड़ा फायदा हुआ। दूसरी ओर, होंडा एक्टिवा की बिक्री फरवरी 2025 में 13ः कम हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि स्कूटर की यह बढ़ती मांग आगे भी बनी रह सकती है, जिससे टू-व्हीलर बाजार में बड़े बदलाव हो सकते हैं।

खेल विकास को मिलेगी नई दिशा

प्रतापगढ़, चसं। जिले में जिला खेल विकास को नई दिशा मिलने जा रही है। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह की सेवा का विस्तार किया जाएगा। साथ ही उनकी तनख्वाह बढ़ाने पर भी सहमति बनी। स्टेडियम की सुरक्षा के लिए परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। समिति के आधुनिकीकरण के लिए क्यूआर कोड बनाने का निर्णय लिया गया। विभिन्न विभागों के अध्यक्षों से खेल विकास समिति के खाते में सहयोग राशि बढ़ाने का आग्रह किया गया। जिलाधिकारी ने समिति की सदस्यता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

दालों में आत्मनिर्भर बन रहा भारत, एनडीए सरकार में आयात के मुकाबले तेजी से बढ़ रहा निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर विजन के तहत भारत दालों में तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा है। बीते 10 वर्षों में देश में दालों का निर्यात, आयात की अपेक्षा तेजी से बढ़ा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, %%भारत का दालों का निर्यात वित्त वर्ष 25 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में 4,437 करोड़ रुपये रहा है, जबकि पूरे वित्त वर्ष 15 में यह 1,218 करोड़ रुपये था। इस तरह, बीते 10 वर्षों में भारत का दाल निर्यात 264.29 प्रतिशत बढ़ा है। दूसरी तरफ, इस दौरान आयात में 86.45 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। देश में वित्त वर्ष 25 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में 31,814 करोड़ रुपये की दालों का आयात किया गया है। वहीं, वित्त वर्ष 15 में यह आंकड़ा 17,063 करोड़ रुपये था।

वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के शासनकाल के 10 वर्षों में दालों के निर्यात में 187.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी और आयात में 457.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। वित्त वर्ष 14 में भारत ने 1,749 करोड़ रुपये की दालों का निर्यात किया था। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 05 में 608 करोड़ रुपये था। यूपीए के शासन में वित्त वर्ष 14 में भारत ने 11,037 करोड़ रुपये की दालों का आयात किया था। वहीं, वित्त वर्ष 05 में यह आंकड़ा 1,981 करोड़ रुपये पर था। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी लगातार काम कर रही है। दालों के किसानों को एनडीए सरकार 93,544 करोड़ रुपये की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान कर चुकी है, जबकि यूपीए सरकार ने अपने शासनकाल में दालों के किसानों को केवल 1,936 करोड़ रुपये की एमएसपी का भुगतान किया था। केंद्र सरकार दालों में आत्मनिर्भरता को लेकर लगातार काम कर रही है। केंद्र सरकार द्वारा बजट 2025-26 में ऐलान किया गया था कि देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से 2028-29 तक चार साल के लिए तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की 100 प्रतिशत खरीद की जाएगी।

बारिश के बाद बरसे पंजाब के किंग्स, जीता मैच

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश से प्रभावित मुकाबले में मेजबान रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को मुंह की खानी पड़ी। पंजाब किंग्स ने आरसीबी को 5 विकेट से मात दी। बेंगलुरु में हुई बारिश के चलते यह मैच 14-14 ओवर का खेला गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की शुरुआत खराब रही। तेजी से रन बनाने के चक्कर में प्रभसिमरन 13 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार बने। प्रियांश आर्य ने भी यह गलती की और हेजलवुड का शिकार बने। पंजाब किंग्स ने चार ओवर के अंदर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया था। 53 के स्कोर तक आते-आते पंजाब ने चार विकेट गंवा दिए। कप्तान श्रेयस अय्यर 7 रन और जोस इग्लिस 14 रन बनाकर आउट हुए। शशांक सिंह भी एक रन बनाकर आउट हुए। मैच फंस गया था, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन की पारी खेल मैच निकाल दिया। अंत में मार्कस स्टाइनिस ने सिक्स लगाकर मैच खत्म कर दिया। इस सीजन यह पंजाब की पांचवीं जीत है। 10 अंक के साथ प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इससे पहले बारिश से प्रभावित मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत बेहद खराब रही और पंजाब के गेंदबाजों के आगे उसका शीर्षक्रम चरमरा गया। विराट कोहली (01), फिल सॉल्ट (04) और लियाम लिविंगस्टन (04) दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। अर्शदीप ने विराट और सॉल्ट को आउट किया तो जेवियर बार्टलेट ने लिविंगस्टन को आउट किया।

> पंजाब किंग्स ने चार ओवर के अंदर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया था। 53 के स्कोर तक आते-आते पंजाब ने चार विकेट गंवा दिए। कप्तान श्रेयस अय्यर 7 रन और जोस इग्लिस 14 रन बनाकर आउट हुए। शशांक सिंह भी एक रन बनाकर आउट हुए। मैच फंस गया था।

टिम डेविड ने बचाई लाज : कप्तान रजत पाटीदार ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन, चहल के जाल में फंस गए। पाटीदार 18 गेंद पर 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फिर विकेटों का पतझड़ लगा। टीम की हालत तो ऐसी हो गई कि 63 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए। टिम डेविड ने 26 गेंद पर नाबाद अर्धशतक जड़कर टीम की लाज बचा ली। आरसीबी ने 9 विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाए। आरसीबी की तरफ से रजत पाटीदार (23) और टिम डेविड (नाबाद 50) को छोड़कर कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं पार कर सका। आठ बल्लेबाज का स्कोर सिंगल डिजिट और शून्य में रहा। पंजाब की तरफ से चार गेंदबाजों ने दो-दो विकेट चटकाए। बता दें कि इससे पहले वाले मैच में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2025 का 5वां मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला गया। इस मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात को 11 रन से मात दी और जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया। अय्यर के नाबाद 97 रन के दम पर पंजाब की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बनाए। अय्यर के अलावा शशांक सिंह ने 16 गेंदों पर 44 रन बनाए। इसके जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 232 रन ही बना पाई। साई सुदर्शन ने टीम की तरफ से 74 रन की पारी खेली। उनके अलावा विकेटकीपर जोस बटलर के बल्ले से 33 गेंदों पर 54 रन निकले, लेकिन इसके बावजूद गुजरात की टीम को जीत नहीं नसीब हो पाई। मैच में पंजाब किंग्स की जीत के बाद आईपीएल 2025 की प्वाइंट्स टेबल में बड़ा फेरबदल देखने को मिला। आईपीएल 2025 की प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ही मौजूद है। हैदराबाद की टीम ने अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स को 44 रन से हराया था। हैदराबाद की टीम इस जीत के बाद 2 प्वाइंट्स और +2.200 नेट रन रेट के साथ पहले पायदान पर है।

आरसीबी की टीम ने आईपीएल 2025 में अपने पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन केकेआर को 7 विकेट से हराकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया है। आरसीबी की टीम अभी 1 मैच में जीत हासिल कर 2 अंक के साथ +2.137 नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर है। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 में अपने पहले मैच में गुजरात को 11 रन से मात देकर प्वाइंट्स टेबल में तीसरा स्थान हासिल किया। पंजाब ने सीएसके की टीम को चौथे स्थान पर धकेला और तीसरा स्थान 0.550 नेट रन रेट के साथ हासिल किया। सीएसके की टीम आईपीएल 2025 प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर खिसक गई। सीएसके के पास 2 अंक और +0.493 नेट रन रेट रहा। सीएसके की टीम ने मुंबई को अपने आईपीएल 2025 के पहले मैच में 4 विकेट से हराया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2025 अंक तालिका में पांचवें पायदान पर 2 अंक और +0.371 नेट रन रेट के साथ मौजूद हैं। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली की टीम ने लखनऊ को 1 विकेट से मात दी। लखनऊ की टीम प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान और सातवें पर मुंबई की टीम मौजूद हैं। गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2025 में अपने पहले मैच में पंजाब किंग्स के हाथ हार का सामना करना पड़ा। गुजरात की टीम 8वें पायदान पर 0 अंक और -0.550 नेट रन रेट के साथ मौजूद है। केकेआर और राजस्थान की टीम 9वें और 10वें पायदान पर क्रमशः मौजूद हैं।

तीन ओवर में हार गई मैच, खुद कप्तान ने किया खुलासा : काफी कोशिशों के बाद भी गुजरात टाइटंस आईपीएल के 18वें सीजन की शुरुआत जीत के साथ नहीं कर सकी। पंजाब किंग्स ने मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात को 11 रनों से हरा दिया। इस हार के बाद गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाजों की आलोचना की है। साथ ही वो तीन ओवर भी बताएं हैं जहां टीम मैच हार गई।

इस मैच में पंजाब ने कप्तान श्रेयस अय्यर के नाबाद 97,शशांक सिंह के नाबाद 44 और प्रियांश आर्य के 47 रनों के दम पर 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 243 रन बनाए। गुजरात की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद पांच विकेट खोकर 232 रन ही बना सकी। गुजरात के लिए सुदर्शन ने 74 रनों की पारी खेली। बटलर ने 54 रन बनाए, लेकिन दोनों टीम को जीत नहीं दिला पाए। मैच के बाद गिल ने टीम की हार का कारण बताया और कहा कि गेंदबाजों ने ज्यादा रन दे दिए। गिल ने कहा, ÷हमें बैटिंग और बॉलिंग दोनों में मौके मिले थे जिन्हें हम भुना नहीं पाए। पारी के आखिर में गेंदबाजों ने काफी सारे रन दे दिए। मिडिल में तीन ओवरों में हमने सिर्फ 18 रन बनाए,वो और शुरु के तीन ओवरों में भी हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। इसके कारण हम मैच हार गए। आज के मैच से इसके अलावा काफी पॉजिटिव भी रहे। गिल ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आए विजयकुमार विशाक की तारीफ की। उन्होंने कहा, किसी के लिए भी आकर इस तरह से यॉर्कर फेंकना आसान नहीं होता है। उन्होंने अच्छा काम किया। ये बैटिंग के लिए हमेशा से अच्छी विकेट थी। विशाल 15वें ओवर में मैदान पर आए थे और तीन ओवरों में उन्होंने 28 रन ही दिए। उन्हें विकेट तो नहीं मिला, लेकिन वह मैच बचाने में सफल रहे।

प्रियांश आर्य के आईपीएल डेब्यू पर आया पिता का पहला रिएक्शन : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में दमदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार आगाज किया। पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 204 के स्ट्राइक रेट से 23 गेंदों में 47 रन ठोके, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल थे। हालांकि, वह महज तीन रन से अर्धशतक से चूक गए और राशिद खान की बेहतरीन गेंद पर आउट हो गए। उनकी इस पारी पर उनके पिता काफी खुश नजर आए।प्रियांश के एक शॉट से उनके पिता को सचिन तेंदुलक की याद आ गई। उनके पिता ने कहा, मैं उसकी बल्लेबाजी से बेहद खुश हूं। उसने विश्व स्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ बेहतरीन शॉट लगाए। उसकी ड्राइव देखकर मुझे सचिन तेंदुलकर की याद आ गई।

> अर्शदीप ने विराट और सॉल्ट को आउट किया तो जेवियर बार्टलेट ने लिविंगस्टन को आउट किया

दिल्ली के इस युवा क्रिकेटर ने अपनी मेहनत और प्रदर्शन से अपनी पहचान बनाई। डीपीएल में दक्षिण दिल्ली सुपरस्टार्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने कई शानदार पारियां खेलीं जिसमें पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 107 रन, सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ 42 गेंदों में 88 रन, नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ, एक ओवर में छह छक्कों सहित 50 गेंदों में 120 रन की पारी शामिल है। इस प्रदर्शन के बाद उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दिल्ली की टीम में मौका मिला, जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाफ 43 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए। आईपीएल 2025 की नीलामी में प्रियांश को पंजाब किंग्स ने 3.8 करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स बैंगलुरू भी उन्हें खरीदना चाहती थीं, लेकिन पंजाब किंग्स ने बाजी मारी। प्रियांश की इस सफलता में उनके कोच संजय भारद्वाज का अहम योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में प्रियांश ने अपनी तकनीक और मानसिकता को मजबूत किया।

शशांक सिंह ने छीना श्रेयस अय्यर से शतक का मौका, मुंह ताकते रह गए पंजाब किंग्स के कप्तान : पंजाब किंग्स के नए नवेले कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल के 18वें सीजन की दमदार शुरुआत की है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में मंगलवार को वह शतक लगाने के करीब पहुंचे लेकिन तीन रनों से चूक गए। इसका कारण पंजाब के ही बल्लेबाज शशांक सिंह रहे जिन्होंने अपने कप्तान को फ्रेंचाइजी के साथ डेब्यू करते हुए शतक बनाने का रिकॉर्ड नहीं बनाने दिया। अय्यर पहली बार पंजाब की तरफ से आईपीएल खेल रहे हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था, लेकिन उन्हें रिटेन नहीं किया था और नहीं नीलामी में खरीद पाई थी। अय्यर को फिर पंजाब ने खरीदा और इस बल्लेबाज ने डेब्यू में ही कमाल कर दिया। जब पंजाब की पारी का आखिरी ओवर बाकी था तब अय्यर तीनों से शतक से दूर थे। शशांक सिंह को पहली गेंद पर स्ट्राइक मिली। उम्मीद थी कि शशांक कप्तान को शतक पूरा करने का मौका देंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। शशांक ने इस ओवर में चार चौके मारे। अय्यर 42 गेंदों का सामना करते हुए 97 रन बनाए जिसमें नौ छक्के और पांच चौके शामिल रहे।

शशांक ने 16 गेंदों गेंदों पर छह चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 44 रन बनाए। उन्होंने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर 20वें ओवर में स्ट्राइक अपने पास ही रखी था। वह चाहते तो ये स्ट्राइक कप्तान को दे सकते थे, लेकिन उन्होंने टीम हित को पहले रखा और रन मिलने वाली गेंदों पर बाउंड्री लेते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। अय्यर और शशांक की पारियों के दम पर पंजाब ने मजबूत स्कोर खड़ा किया है। इस टीम ने 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 243 रन बनाए। अय्यर और शशांक के अलावा सलामी बल्लेबाज और अपना पहला आईपीएल मैच खेल रहे प्रियांश आर्य ने 47 रनों की पारी खेली जिसमें 23 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और दो छक्के मारे। मार्कस स्टोइनिस ने 15 गेंदों पर 20 रन बनाए। ग्लेन मैक्सवेल खाता तक नहीं खोल पाए।

राशिद खान ने मैच में रचा कीर्तिमान, भज्जी की बराबरी कर बुमराह-ब्रावो को पछाड़ा : आईपीएल 2025 के पांचवें मैच में गुजरात टाइटंस की टीम का सामना पंजाब किंग्स से हो रहा है। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पंजाब किंग्स की तरफ से डेब्यूटेंट प्रियांश आर्य ने शानदार बैटिंग की और चौके-छक्के की जिस तरह से वह बौछार कर रहे थे, ऐसा लग रहा था कि वह एक बड़ा स्कोर बनाएंगे, लेकिन राशिद खान ने उन्हें 47 रन के स्कोर पर चलता किया। राशिद खान ने इस तरह एक विकेट लेते ही आईपीएल में अपने 150 विकेट पूरे किए। दरअसल, राशिद खान ने पंजाब किंग्स के खिलाफ गुजरात की तरफ से एक विकेट लेकर आईपीएल में अपने 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। एक विकेट लेते ही उन्होंने हरभजन सिंह की बराबरी कर ली। भज्जी ने IPL के 163 मैचों में 150 विकेट लेने का कारनामा किया था। अब राशिद ने 150 विकेट का आंकड़ा अपने 122वें मैच में हासिल किया। राशिद खान ने 7वें ओवर की चौथी गेंद पर साई सुदर्शन के हाथों प्रियांश आर्य का कैच लपकवाया। प्रियांश ने इस दौरान 23 गेंदों में 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 47 रन की पारी खेली। उन्होंने श्रेयस के साथ मिलकर 51 रन की साझेदारी भी की। इस तरह राशिद ने आईपीएल में अपने 150 विकेट पूरे किए और इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह और ड्वेन ब्रावो को पछाड़ा।

क्रिकेट को गहराई से समझें खिलाड़ी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल से हर साल टीम इंडिया को नए और होनहार खिलाड़ी मिलते हैं। सीजन खत्म होने के बाद उनकी भारतीय टीम में एंट्री होती है और फिर वे इंटरनेशनल लेवल पर भी कमाल का खेल दिखाते हैं। इस बार भी एक ऐसा ही खिलाड़ी नजर आ रहा है, जिसने अपने शानदार और मजबूत प्रदर्शन से भारतीय टीम में एंट्री का दावा ठोक दिया है। हो सकता है कि वो खिलाड़ी अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के लिए खेलता हुआ भी दिखाई दे। हम बात कर रहे हैं साई सुदर्शन की। साई सुदर्शन इस साल के आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे हैं और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। हम आपको आगे बताएंगे कि साई सुदर्शन का आईपीएल का अब तक का प्रदर्शन कैसा रहा है, लेकिन आपको इस साल उनके खेल पर डालनी होगी।

साई सुदर्शन ने अब तक इस साल गुजरात टाइटंस के लिए 6 मैच खेलते हु 329 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। पहले छह मैचों में उन्होंने 31 चौके और 13 छक्के लगाए हैं। उनका औसत 54.83 का है और वे 151 के करीब के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वे इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में निकोलस पूरन के बाद दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी के तौर पर वे पहले नंबर पर हैं। साई सुदर्शन ने अपने आईपीएल करियर का आगाज साल 2022 में गुजरात टाइटंस के साथ ही ?किया था। तब से लेकर अब तक वे इसी टीम के अभिन्न अंग हैं। अब तक वे इस टीम के लिए 31 मुकाबले खेलकर 1363 रन बना चुके हैं। इसमें उनका औसत 48.67 का है और स्ट्राइक रेट करीब 141 का है। वे आईपीएल में एक शतक और 10 अर्धशतक लगाने का काम कर चुके हैं। इस साल उनका खेल कुछ अलग ही स्तर पर निखरकर सामने आ रहा है। ऐसा नहीं है कि साई सुदर्शन ने अब तक भारत के लिए डेब्यू ना किया हो। वे भारत के लिए तीन वनडे मैच खेलकर 127 रन बना चुके हैं। इसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने जुलाई 2024 में भारत के लिए टी20 डेब्यू भी किया था, लेकिन उस मैच में उनकी बल्लेबाजी ही नहीं आई। इसके बाद वे दूसरा कोई भी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेल ही नहीं पाए। लेकिन अब वे जिस तरह की बल्लेबाजी कर रहे हैं, वो दिन ज्यादा दूर नहीं, जब वे भारत के लिए नियमित रूप से खेलते हुए दिखाई दें। अगले साल ही टी20 वर्ल्ड कप भी है, हो सकता है कि सेलेक्टर्स की नजर उन पर पड़ जाए और वे वहां भी खेलते हुए दिखें। कुल मिलाकर साई ने अपने प्रदर्शन से मजबूत दावा तो ठोक ही दिया है, बाकी बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी उनको लेकर क्या सोचती है, ये देखना होगा। बता दें कि क्रिकेट का खेल भारत में लगातार विकसित हो रहा है, जिससे यह अधिक प्रतिस्पर्धी और तकनीकी रूप से उन्नत हो गया है। हाल के वर्षों में, खेल ने तकनीकी अपग्रेड, नए कोचिंग दृष्टिकोण और उभरती खिलाड़ी भूमिकाओं के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छुआ है।

भारतीय क्रिकेट के प्रति उत्साही लोगों के लिए, इस खेल के प्रति जुनून और ज्ञान को गहराई से समझना महत्वपूर्ण है। भारत में क्रिकेट का बदलता परिदृश्य न केवल खेल प्रेमियों के लिए बल्कि खुद खिलाड़ियों के लिए भी बेहद आकर्षक है। आधुनिक तकनीक ने क्रिकेट को एक नया आयाम दिया है, जिससे खिलाड़ी अपने प्रदर्शन का सटीक आकलन कर सकते हैं। यह नया युग क्रिकेट का परिदृश्य बदलने की पूरी क्षमता रखता है। इसके अलावा, भारतीय क्रिकेट प्रेमी e&clusive v&bet promo code for India जैसे स्रोतों के माध्यम से अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं, जो उन्हें खेल की गहरी जानकारी प्रदान करता है। तकनीकी प्रगति ने क्रिकेट की दुनिया में क्रांति ला दी है, विशेष रूप से भारत में। खिलाड़ियों और कोचों दोनों ने डेटा विश्लेषण और प्रदर्शन मेट्रिक्स को अपनाया है, जिससे वे अपनी रणनीतियों को अधिक वैज्ञानिक तरीके से तैयार कर सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से मैचों का विश्लेषण करना अब आसान हो गया है, जो खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को सुधारने का एक शक्तिशाली उपकरण प्रदान करता है। इस तकनीकी बदलाव के साथ ही, स्मार्ट स्टेडियम भी विकसित हुए हैं जहां लाइव डेटा फीड्स और इंटरएक्टिव अनुभवों का संयोजन होता है। इससे दर्शकों का जुड़ाव भी बढ़ा है, क्योंकि वे खेल के हर पहलू को ज्यादा करीब से देख सकते हैं। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने भी खिलाड़ियों की तैयारी में मदद की है, जिससे वे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए बेहतर तैयार हो जाते हैं। इन सबके बीच, तकनीकी नवाचार न केवल खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाने में सहायक हैं बल्कि नए प्रशंसकों को आकर्षित करने और बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह आधुनिक उपकरण न केवल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं बल्कि खेल की गुणवत्ता में भी सुधार करते हैं। वर्तमान में, वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी उन्नत तकनीकें भी क्रिकेट प्रशिक्षण में अपनी जगह बना रही हैं। ये तकनीकें खिलाड़ियों को वास्तविक मैच जैसी परिस्थितियों का अनुभव प्रदान करती हैं, जिससे वे बिना किसी वास्तविक दबाव के विभिन्न परिदृश्यों में अभ्यास कर सकते हैं। इससे न केवल उनकी तकनीकी क्षमताएं बढ़ती हैं, बल्कि निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित होती है। बायोमैकैनिक्स और सेंसर-आधारित तकनीकों का उदय भी क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है। खिलाड़ियों के शरीर पर लगाए जाने वाले छोटे सेंसर उनकी गति, त्वरण और शारीरिक दबाव को मापते हैं, जिससे चोटों की रोकथाम और प्रदर्शन अनुकूलन में मदद मिलती है। इसके अलावा, हाई-स्पीड कैमरों और थर्मल इमेजिंग का उपयोग खिलाड़ियों की तकनीक में सूक्ष्म दोषों की पहचान करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अपनी तकनीक को और बेहतर बनाने का मौका मिलता है। क्लाउड कम्प्यूटिंग और बिग डेटा एनालिटिक्स ने क्रिकेट में एक नया अध्याय जोड़ा है। टीमें अब विशाल डेटाबेस का उपयोग करके प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पैटर्न का विश्लेषण कर सकती हैं। मैच के दौरान रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण से कप्तानों को तत्काल रणनीतिक निर्णय लेने में मदद मिलती है। इसके अलावा, मशीन लर्निंग एल्गोरिथम का उपयोग करके भविष्य के प्रदर्शन की भविष्यवाणी की जा सकती है, जो टीम चयन और रणनीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्मार्ट क्रिकेट गियर का विकास भी एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति है।

> भारतीय क्रिकेट के प्रति उत्साही लोगों के लिए, इस खेल के प्रति जुनून और ज्ञान को गहराई से समझना महत्वपूर्ण है, भारत में क्रिकेट का बदलता परिदृश्य न केवल खेल प्रेमियों के लिए बल्कि खुद खिलाड़ियों के लिए भी बेहद आकर्षक है

स्मार्ट बैट सेंसर, वियरेबल डिवाइस और स्मार्ट बॉल जैसे उपकरण खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। ये उपकरण बल्लेबाजी की गति, स्विंग एंगल, इम्पैक्ट पॉइंट और गेंदबाजी की गति जैसे मापदंडों को रीयल-टाइम में मापते हैं। इस डेटा का विश्लेषण खिलाड़ियों और कोचों को तकनीकी सुधार के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भारतीय क्रिकेट में कोचिंग पद्धतियों ने महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं जो खिलाड़ियों की दक्षता और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। नई तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करते हुए, प्रशिक्षक व्यक्तिगत प्रशिक्षण सत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो प्रत्येक खिलाड़ी की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्यात 3 लाख करोड़ रुपये को कर जाएगा पार

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के साथ देश में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात चालू वित्त वर्ष में पहली बार 3 लाख करोड़ रुपये को पार करने वाला है, जिसमें स्मार्टफोन का योगदान अहम रहने वाला है।

स्मार्टफोन का सबसे बड़ा योगदान रहा। यह वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के आंकड़े से 54 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2025 के पहले 11 महीनों में एप्पल आईफोन का निर्यात 1.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 43 प्रतिशत और कुल स्मार्टफोन निर्यात का 70 प्रतिशत है। भारत सेलुलर और इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, सरकार को उम्मीद थी कि 2024-25 के दौरान स्मार्टफोन निर्यात 20 बिलियन डॉलर (1.68 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच जाएगा, लेकिन चालू वित्त वर्ष के 11 महीनों में ही यह अनुमान पार हो चुका है। सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण हाल के वर्षों में स्मार्टफोन के नेतृत्व में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्यात में तेजी आई है, जिसने एप्पल और उसके सप्लायर्स जैसी विदेशी तकनीकी कंपनियों को लुभाने में सफलता प्राप्त की है, जो चीन के अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत आने के बाद चीन से बाहर वैकल्पिक सप्लाई चेन स्थापित करना चाहते हैं। पीएलआई योजना ने निर्यात को बढ़ावा दिया है और आयात को कम किया है, क्योंकि घरेलू उत्पादन अब घरेलू मांग का 99 प्रतिशत पूरा करता है। निर्यात में लगभग 70 प्रतिशत योगदान एप्पल आईफोन सप्लाई चेन का था, जो तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन प्लांट के साथ है, जो विदेशी शिपमेंट का लगभग 50 प्रतिशत है।

स्क्रीनिंग में अनन्या ने लूटी महफिल, काजोल को देखकर लोगों ने कहा, दूसरी जया बच्चन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल और अनन्या पांडे हाल ही में फिल्म 'केसरी 2' की स्क्रीनिंग में एक साथ नजर आईं। जहां अनन्या ने अपने साड़ी लुक से सभी का दिल जीत लिया, वहीं काजोल का रवैया और स्टाइल कुछ लोगों को खास पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर काजोल के बर्ताव को लेकर लोग उन्हें दूसरी जया बच्चन कहने लगे। अनन्या पांडे इस इवेंट में मशहूर डिजाइनर पुनीत बलाना की क्लासिक साड़ी में नजर आईं। यह साड़ी उनके कलेक्शन 'जौहरी बाजार 2.0' से थी। साड़ी हल्की और प्लेन थी, लेकिन उसका बॉर्डर गोल्डन धागों और मिरर वर्क से खूबसूरती से सजाया गया था। इसके साथ उन्होंने हॉल्टर नेकलाइन ब्लाउज पहना था, जिस पर सुंदर कढ़ाई और शीशे का काम किया गया था। ब्लाउज के डिजाइन और फिटिंग ने उनके पूरे लुक को शानदार बना दिया। अनन्या ने अपने बालों को हाई बन में बांधा, एक प्यारा-सा फ्लिक छोड़ा और ग्लॉसी मेकअप के साथ जया सागर ब्रांड के ईयररिंग्स पहने। इंटरनेट पर इस साड़ी की कीमत लगभग 57,500 रुपये बताई जा रही है। वहीं काजोल ने इस स्क्रीनिंग के लिए एक पारंपरिक सूट चुना। उन्होंने ब्रांड सोनाली जी के कलेक्शन से टाई एंड डाई वाइट कुर्ता पहना, जिसमें ब्लैक एंड वाइट चेक पैटर्न की हाइलाइटिंग थी। साथ ही, उन्होंने मैचिंग दुपट्टा और पैंट्स कैरी की। उनके आउटफिट की कुल कीमत करीब 95,000 बताई जा रही है। काजोल ने अपने लुक को बहुत मिनिमल रखा। उन्होंने ब्लैक हील्स, ड्रॉप ईयररिंग्स, खुले बाल और हल्का मेकअप किया। हालांकि, उनके इस लुक को सोशल मीडिया पर उतनी सराहना नहीं मिली जितनी अनन्या को मिली। स्क्रीनिंग के दौरान जब अनन्या, काजोल से मिलने पहुंचीं तो उन्होंने उन्हें गले लगा लिया। इसी दौरान फोटोग्राफर्स दोनों से साथ में पोज देने के लिए जोर-जोर से कहने लगे। इस पर काजोल थोड़ी चिड़चिड़ी और खीझी हुई नजर आईं और उन्होंने फोटोग्राफर्स को शांत रहने को कहा। बस यही बात सोशल मीडिया यूजर्स को खटक गई और लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया कि 'काजोल बिल्कुल जया बच्चन जैसी हो गई हैं।' किसी ने लिखा, 'ये तो जया जी पार्ट 2 हैं', तो किसी ने उन्हें 'ओवरएक्टिंग क्वीन' कह दिया। जहां अनन्या को उनके लुक और बर्ताव के लिए सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिली, वहीं काजोल को इस बार थोड़ा नकारात्मक फीडबैक झेलना पड़ा। लोगों को उनका आउटफिट और बर्ताव दोनों ही प्रभावित नहीं कर सके। हर इवेंट में सितारों की छोटी-छोटी बातें सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन जाती हैं। इस बार स्क्रीनिंग की लाइमलाइट अनन्या पांडे ने अपनी सादगी और सुंदरता से बटोरी, जबकि काजोल का अंदाज लोगों को जरा हटके और कुछ हद तक जया बच्चन स्टाइल का लगा। हालांकि, हर स्टार का अपना तरीका होता है-स्टाइल और व्यवहार दोनों में। **:: एजेंसी**

फागनिया गुलाबी साड़ी में मां पीतांबरा के दर्शन करने पहुंची अक्षरा सिंह, भक्तिमय दिखीं एक्ट्रेस

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। चाहे वह उनका स्टाइल हो, परफॉर्मेंस हो या सोशल मीडिया अपडेटकृवह हर मोर्चे पर अपने फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में लाखों दिलों की धड़कन बनी अक्षरा मध्य प्रदेश के दतिया में स्थित प्रसिद्ध मां पीतांबरा पीठ के दर्शन करने पहुंचीं, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। मां पीतांबरा पीठ के दर्शन के लिए पहुंचीं अक्षरा सिंह इस दौरान फागणिया गुलाबी रंग की साड़ी में नजर आईं और अपने खूबसूरत व पारंपरिक लुक से सबका दिल जीतती दिखीं। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ने माता रानी की तस्वीर और प्रसाद लेकर दर्शन किए। इस दौरान वह गले में माला और माथे पर तिलक लगाए काफी भक्तिमय दिखीं। फैंस अक्षरा की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट कर उनकी खूब तारीफभी कर रहे हैं। इसके अलावा अक्षरा सिंह ने हाल ही में बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री से भी मुलाकात की थी। **:: एजेंसी**

जिंगुचा में कमल हसन संग थिरकती दिखीं सान्या मल्होत्रा

'मिसेज' की शानदार सफलता के बाद, सान्या मल्होत्रा अब मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' में एक नए, रंगीन अध्याय के साथ वापसी कर रही हैं। फिल्म का पहला और बहुप्रतीक्षित गाना 'जिंगुचा' रिलीज हो चुका है और सोशल मीडिया पर पहले ही तहलका मचा रहा है। यह गाना एक भव्य और हर्षोल्लास से भरी शादी के माहौल में सेट है, जिसमें सिनेमा के दिग्गज कमल हसन और सिलंबरासन टीआर नजर आते हैं और सान्या मल्होत्रा अपने ग्रेस और एनर्जी से इस जश्न को और खास बना देती हैं। हालांकि सान्या फिल्म में एक स्पेशल कैमियो में नज़र आएंगी, लेकिन 'जिंगुचा' में उनकी मौजूदगी किसी भी तरह से मामूली नहीं है। उनकी परफॉर्मेंस में जोश, ग्रेस और इलेक्ट्रिक अपील का अनूठा मेल है, जो इस फेस्टिव ट्रैक की रौनक को कई गुना बढ़ा देता है। शादी-थीम वाले इस गाने में सान्या ने युवा जोश और सिनेमाई लय से भरपूर परफॉरमेंस दी है, जो कमल हसन के सहज स्वैग और सिलंबरासन की अट्रैक्टिव एनर्जी को खूबसूरती से पूरक बनाती है। हालांकि यह एक सच्चा असेंबली मोमेंट है, लेकिन सान्या की स्क्रीन उपस्थिति और गतिशील डांस ने ट्रैक को अनदेखा करना मुश्किल है।

ए.आर. रहमान द्वारा रचित, जिंगुचा ने लोक-प्रेरित लय को आधुनिक साउंडस्केप के साथ जोड़ा है। कमल हसन द्वारा लिखे गए गीत एक चतुर, उत्सवपूर्ण स्पर्श लाते हैं, जबकि मणिरत्नम की सिग्नेचर विजुअल स्टोरीटेलिंग हर फ्रेम में समृद्धि की परतें जोड़ती है। सान्या ने तरल कोरियोग्राफी और निर्विवाद उपस्थिति के साथ स्क्रीन को रोशन किया, जिससे हमें ठग लाइफ की भव्यता की एक झलक मिलती है। 'मिसेज' में दमदार परफॉर्मेंस देने के बाद, सान्या ने एक बार फिर साबित किया है कि वह कितनी वर्सेटाइल और पावरफुल कलाकार हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी बड़ी फिल्म और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ आने वाली नई परियोजना के साथ, सान्या का करियर एक मज़बूत उड़ान भर रहा है। फिर चाहे उनके कैमियो हों या लीड रोल्स। सान्या मल्होत्रा इस पीढ़ी की सबसे एक्साइटिंग अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी हैं।

पगलैट के 4 साल पूरे, सान्या मल्होत्रा का दमदार प्रदर्शन आज भी कायम : सान्या मल्होत्रा ने हमेशा ऐसी भूमिकाएं चुनी हैं जो परंपराओं को चुनौती देती हैं और सार्थक चर्चाओं को जन्म देती हैं। 'पगलैट' अपनी चौथी वर्षगांठ मना रहा है, और यह समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म आज भी इस बात का प्रमाण है कि सान्या हर किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाने में कितनी सक्षम हैं। उमेश बिष्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने न केवल शोक और दुःख को लेकर पारंपरिक धारणाओं को तोड़ा बल्कि सान्या को अपनी पीढ़ी की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में स्थापित कर दिया। एक बेहतरीन कलाकारों की टोली के बीच, सान्या ने फिल्म की आत्मा के रूप में अपनी अलग छाप छोड़ी। उन्होंने संध्या के रूप में एक संवेदनशील और प्रभावशाली प्रदर्शन दिया–एक ऐसी युवा विधवा जो अपने नुकसान, विश्वासघात और आत्म-खोज की जटिल राह से गुजर रही है। हमारे समाज में जहाँ महिलाओं को अक्सर भावनात्मक रूप से कमजोर समझा जाता है, वहीं 'पगलैट' ने इस धारणा को बदलते हुए ताकत, हिम्मत और आत्म-मुक्ति की एक नई परिभाषा गढ़ी। यह फिल्म केवल शोक की परिभाषा को ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में महिला प्रधान किरदारों को गढ़ने के तरीके को भी पुनर्परिभाषित करती है। 'पगलैट' के बाद सान्या मल्होत्रा का सफर बेहद प्रभावशाली रहा है। उनकी हालिया फिल्म 'मिसेज' ने एक बार फिर यह साबित किया कि वह जटिल कहानियों को सहजता और गहराई के साथ प्रस्तुत करने में माहिर हैं। आने वाले प्रोजेक्ट्स, जैसे कि सनी संसकारी की तुलसी कुमारी (धर्मा प्रोडक्शंस) और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ उनका रोमांचक सहयोग, इस बात का संकेत देते हैं कि सान्या लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रही हैं और भारतीय सिनेमा में सबसे बेखौफ व रोमांचक अभिनेत्रियों में से एक बनी हुई हैं। पगलैट के चार साल पूरे होने पर भी यह एक मील का पत्थर बना हुआ है-जिसने न केवल सान्या मल्होत्रा के करियर को परिभाषित किया, बल्कि अपने शक्तिशाली और अविस्मरणीय प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय कहानी कहने में महिलाओं के चित्रण को एक नए आयाम में स्थापित करने वाली उनकी यादगार और दमदार प्रस्तुति का प्रतीक भी है।

वहीं दूसरी ओर 'सान्या में बहुत ही ज्यादा मासूमियत है। वो इतना जमीन से जुड़ी हुई हैं कि उनके साथ काम करके हमें महसूस ही नहीं हुआ कि हम इतनी बड़ी सेलेब के साथ काम कर रहे हैं। आमतौर पर गंदगी वाले सीन में कई स्टार्स हैंड डबल या बॉडी डबल की डिमांड करते हैं पर इस फिल्म के एक शॉट में सान्या ने खुद गंदगी में हाथ डालकर कचरा निकाला।' यह कहना है सान्या मल्होत्रा की हालिया रिलीज फिल्म 'मिसेज' की डायरेक्टर आरती कड़व का। आज सान्या के 33वें जन्मदिन पर आरती ने हमसे सान्या और अपनी इस फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें शेयर कीं। सान्या को इस फिल्म में कास्ट करने की सबसे बड़ी वजह उनकी मासूमियत थी। उनके अंदर अभी भी बहुत ज्यादा बचपना है और मुझे फिल्म में ऐसी ही लड़की चाहिए थे। बतौर एक्ट्रेस वो काफी जिम्मेदार हैं पूरी कहानी को महसूस करती हैं और फिर किरदार में उतरती हैं। हमने उन्हें कास्ट किया और पहले ही दिन उन्होंने मुझे इतना इंस्पायर कर दिया कि पूछिए मत। उन्होंने पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी और वो सेट पर पूरा होमवर्क करके आई थीं। उन्होंने अपनी डायरी में हर सीन की एक अपनी कहानी बनाई हुई थी और उनका इतना गहरा काम देखकर मुझे अपनी काबिलियत पर शक हो गया। उनका काम देखकर मैंने और बेहतर करना शुरू कर दिया। मेहनती होने के साथ ही वो वक्त की पाबंद भी हैं। हर रोज सेट पर 8 बजे पहुंच जाती थीं। एक भी दिन वो लेट नहीं हुई।

सान्या एक्ट्रेस होने के साथ ही बहुत ही अच्छी कुक भी हैं। जब हम 'मिसेज' की शूटिंग कर रहे थे तो एक शॉट चाहिए था जिसमें रोटी फूल जाए। जिस एक्टर के साथ यह सीन शूट करना था उनकी रोटी फूल नहीं रही थी। फिर हमने सेट पर फूड स्टाइलिस्ट को बुलाया और उनकी रोटी भी नहीं फूली। हमारा टाइम वेस्ट होता देख सान्या ने कहा कि चलो मैं ट्राय करती हूं। हमें लगा जब फूड स्टाइलिस्ट की रोटी नहीं फूली तो इनकी क्या ही फूलेगी पर उनकी बनाई पहली ही रोटी फूल गई। यह देखकर हम सब हैरान थे। उस दिन पता चला कि वो तो कमाल का खाना भी बना लेती हैं। सान्या के नेचर में बहुत सरलता है। इतनी बड़ी स्टार होकर भी स्टारडम उनके ऊपर हावी नहीं हुआ। वो हर काम में अपनी जिम्मेदारी महसूस करती हैं। पूरे शूट के दौरान हमें कहीं लगा ही नहीं कि हम एक स्टार के साथ शूट कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पॉजिटिव वाइब से सेट पर अच्छा माहौल बनाकर रखा। वर्ना कुछ स्टार ऐसे होते हैं जो नखरे दिखाते हैं। सेट पर सभी को डराकर रखते हैं तो क्रू भी टेंशन में काम करता है। सान्या के साथ हम सब हद से ज्यादा कम्फर्टेबल थे। अंत में बस इतना कहना चाहूंगी कि बाहर से आने वाले कई लोग स्टार बनने के बाद बदल जाते हैं पर सान्या आज भी एक दम ओरिजिनल है।' **:: नेशनल डेस्क**

फिल्म का पहला और बहुप्रतीक्षित गाना 'जिंगुचा' रिलीज हो चुका है और सोशल मीडिया पर पहले ही तहलका मचा रहा है। यह गाना एक भव्य और हर्षोल्लास से भरी शादी के माहौल में सेट है, जिसमें सिनेमा के दिग्गज कमल हसन और सिलंबरासन टीआर नजर आते हैं और सान्या मल्होत्रा अपने ग्रेस और एनर्जी से इस जश्न को और खास बना देती हैं।

गुड बैक्टीरिया की दुकान है बासी रोटी! जानिए इसे खाने के जबरदस्त फायदे

रोटी का जीवन में खास महत्व है, और यह लगभग हर घर में भोजन का अहम हिस्सा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बासी रोटी में छिपे हुए फायदे क्या हो सकते हैं? जी हां, ताजे खाने के मुकाबले बासी रोटी में गुड बैक्टीरिया होते हैं, जो आपके पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करते हैं। अगर आप सोचते हैं कि यह सिर्फ खाने का तरीका है तो रुक जाइए, क्योंकि इसमें कुछ ऐसा छुपा है, जो आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। तो चलिए, जानते हैं बासी रोटी के वो जबरदस्त फायदे, जो आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं! हम सभी ताजी बनी रोटियां खाने के आदी होते हैं, लेकिन बासी रोटियां भी हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और कंटेंट क्रिएटर दीपशिखा जैन के अनुसार, जब रोटियां 12 घंटे तक ठंडी जगह पर रखी जाती हैं, तो उनकी बनावट बदल जाती है और उनमें कई तरह के स्वास्थ्य लाभ उत्पन्न होते हैं। बासी रोटी खाने से हमारे शरीर को बेहतर पोषक तत्व मिल सकते हैं और यह हमारी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित आरएमआईटी यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने बताया कि जब ब्रेड या रोटी को ठंडी जगह पर रखा जाता है,

तो उसमें एक खास तरह का स्टार्च विकसित होता है, जिसे प्रतिरोधी स्टार्च (ऐन्टीसेपटिक) कहा जाता है। यह स्टार्च हमारे शरीर के पाचन एंजाइमों से बचता है और आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया इसे खा कर फैटी एसिड छोड़ते हैं, जो हमारे लिए फायदेमंद होते हैं। रिसर्च के अनुसार, प्रतिरोधी स्टार्च कोलन कैंसर से बचाने में मदद कर सकता है और यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। साथ ही यह मोटापे से बचाव करने, आंत के हार्मोन को नियंत्रित करने और हमारे पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है।

बासी रोटियां और आंतों का स्वास्थ्य : प्रतिरोधी स्टार्च का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आंतों के बैक्टीरिया के लिए कार्बन का एक अच्छा स्रोत बनता है। यह आंतों में फायदेमंद बैक्टीरिया के विकास में मदद करता है, जो शरीर के पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं और साथ ही शरीर को अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद करते हैं। बासी रोटियां उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं, जिन्हें आंतों से संबंधित समस्याएं जैसे कब्ज, सूजन, और पाचन तंत्र की समस्याएं हो रही हों।

इसके अलावा, जो लोग मोटापे से बचने या स्वस्थ पाचन के लिए उपाय तलाश रहे हैं, उनके लिए भी बासी रोटियां मददगार हो सकती हैं। कुल मिलाकर, बासी रोटियां न केवल स्वाद में ताजी रोटियों से अलग होती हैं, बल्कि उनमें मौजूद प्रतिरोधी स्टार्च और अन्य पोषक तत्वों के कारण वे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। हालांकि, इसे सही मात्रा में और सही तरीके से खाया जाए तो यह हमारी सेहत को सुधारने में मदद कर सकता है। **:: लोकल डेस्क**

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

'स्पीकर किसी पार्टी

संविधान की मर्यादा बनाए रखने की उपराष्ट्रपति के शपथबद्ध दायित्व का निर्वहन होगा। वहीं, सुरेजवाला ने एक्स पर लिखा कि मैं उपराष्ट्रपति की बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन उनके कथन से सम्मानपूर्वक असहमत हूं। कोई भी कानून या संविधान से ऊपर नहीं है, चाहे वह भारत का राष्ट्रपति हो या कोई और अधिकारी। जबकि द्रमुक के उप महासचिव और राज्यसभा सदस्य तिरुचि शिवा ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि संविधान के अनुसार शक्तियों के पृथक्करण के तहत कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के पास अलग-अलग शक्तियां हैं। उपराष्ट्रपति की सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर टिप्पणियां अनैतिक हैं।

गीता व भरत मुनि

दूरदर्शी नीतियों और निर्णायक नेतृत्व की बदौलत यह आंकड़ा 2024-25 में दोगुना से अधिक होकर 27.51 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंचा है। यही नहीं, आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश ने 30.77 लाख करोड़ रुपए के जीएसडीपी लक्ष्य को भी निर्धारित किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर जहां 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत रही, वहीं उत्तर प्रदेश ने 11.6 प्रतिशत की दर से ग्रोथ दर्ज कर देश के अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि मुख्यमंत्री योगी का आर्थिक मॉडल तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। प्रदेश की यह प्रगति दर्शाती है कि पहले की सरकारों की उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश वर्षों तक विकास की दौड़ में पिछड़ता रहा। लेकिन अब वही राज्य, नए भारत के निर्माण में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेहतर कानून व्यवस्था को व्यापार के लिए संजीवनी बताया है। आईआईए अयोध्या मंडल के अध्यक्ष प्रमित कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियां उत्तर प्रदेश के विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सहायक साबित हो रही हैं। विशेष तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश भी इसका बड़ा कारण है। इसी वजह से प्रदेश में व्यापार के अनुकूल माहौल बना है। जिसका परिणाम है कि देश-विदेश से लोग व्यापार करने के लिए उत्तर प्रदेश आने के लिए उत्सुक रहते हैं। यहां पर इन्वेस्ट करने के बाद कारोबारियों को अपने व्यापार में काफी सहूलियत में मिलती है। इसके साथ ही लोग उत्तर प्रदेश में काफी सुरक्षित भी महसूस करते हैं।

जेनसोल इंजीनियरिंग के

हर्ष सिंह ने इस्तीफा देने के पीछे अन्य प्षेशेवर प्रतिबद्धताओं का हवाला दिया। हर्ष सिंह ने अपने इस्तीफे में कहा, मुझे पता है कि मेरा फैसला ऐसे समय में आया है जब कंपनी मुश्किल दौर से गुजर रही है। हालांकि, पटना में मेरी पेशेवर प्रतिबद्धताएं कंपनी में उपयोगी तरीके से योगदान देने में बाधा बन रही हैं। मुझे ईमानदारी से लगता है कि इस मुश्किल समय में कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में मेरे स्थान पर एक अधिक अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। जेनसोल इंजीनियरिंग से हो रहे लगातार इस्तीफों का असर कंपनी के शेयर की कीमत पर भी दिख रहा है। गुरुवार को शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 116.54 रुपये पर बंद हुआ था। कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के अपने उच्चतम स्तर 1,124.90 रुपये से 90 प्रतिशत फिसल चुका है। बाजार नियामक ने जग्गी बंधुओं को कंपनी में कोई भी प्रमुख प्रबंधकीय पद लेने से प्रतिबंधित कर दिया है, इस कारण वे अपनी नेतृत्वकारी भूमिकाओं से बाहर हो गए हैं। सेबी की जांच में पाया गया कि प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी ने कथित तौर पर कंपनी के फंड को परिवार के सदस्यों और निजी इस्तेमाल के लिए ट्रांसफर किया था। इस उथल-पुथल के बीच जेनसोल इंजीनियरिंग की सब्सिडियरी कंपनी ब्लूस्मार्ट ने कथित तौर पर राइड बुकिंग रोक दी है और उबर की फ्लीट पार्टनर बनने की योजना बना रही है।

सोनिया, राहुल की

ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने समाचार पत्र को अपने 'एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने अपनी जेब से एक भी पैसा निवेश किए बिना नेशनल हेराल्ड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सोनिया और राहुल के पास 'यंग इंडियन कंपनी की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसे कांग्रेस ने 50 लाख रुपये का ऋण दिया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद कंपनी ने विपक्षी पार्टी को देय 90 करोड़ रुपये के बदले 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेडश् का अधिग्रहण कर लिया। 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड कंपनी कांग्रेस से संबद्ध समाचार पत्र की मालिक है। ठाकुर ने पूछा कि क्या कोई राजनीतिक पार्टी ऋण दे सकती है। भाजपा नेता ने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के राजनीति से प्रेरित होने संबंधी आरोप के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेताओं को चुनौती दी कि वे अपने खिलाफइन मामलों में त्वरित और समयबद्ध सुनवाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएं। उन्होंने कहा, ''अगर उनमें हिम्मत है तो उन्हें ऐसा करना चाहिए। ठाकुर ने कहा कि ''भ्रष्टाचार के कांग्रेस मॉडलश् में चोर बहुत शोर मचाते हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले ने कांग्रेस के पूरे तंत्र को स्तब्ध कर दिया है। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सत्ता में आने से पहले ही निचली अदालत ने मामले का संज्ञान ले लिया था और गांधी परिवार ने अपने खिलाफकार्रवाई को रद्द कराने के लिए कई बार अदालतों का रुख किया। उन्होंने कहा कि अदालतों ने उन्हें जमानत के अलावा कोई राहत नहीं दी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने प्रवर्तन निदेशालय की जांच में हस्तक्षेप नहीं किया। ठाकुर ने अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश का जिक्र करते हुए वहां सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर अपने 10 प्रमुख वादों में से किसी को भी पूरा नहीं करने और नेशनल हेराल्ड में विज्ञापन पर करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, ''क्या हिमाचल में कोई कांग्रेस नेता या सदस्य इसे पढ़ता है? उन्होंने मांग की कि लोगों को विभिन्न कांग्रेस सरकारों द्वारा समाचार पत्र में विज्ञापनों पर खर्च किए गए धन का विवरण दिया जाना चाहिए। यह समाचार पत्र डिजिटल रूप से उपलब्ध है। कांग्रेस प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के खिलाफदेश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन कर रही है।

जागरण कॉफी टेबल

के संस्करण दि ट्रेलब्लेज़र्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे भारत की युवा पीढ़ी के वास्तविक मार्गदर्शक और प्रेरणा स्रोत हैं। विधायक ने सरकार के प्रयासों की प्रसंशा करते हुए कहा कि पिछले 8 साल में स्टार्ट अप्स की संख्या 500 से बढ़कर 1 लाख से अधिक हो गयी है, देश में 100 से अधिक स्टार्ट अप यूनिकॉर्न हैं। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेटवर्क है। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, जागरण प्रकाशन के जीएम एस. के द्विवेदी, आईनेक्स्ट के सीईओ आलोक सनवाल व अन्य मौजूद रहे। शुक्रवार को सरोजनी नगर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवकों ने भव्य पथ संचलन किया। सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने स्वयं सेवकों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा नेता रजनीश श्रीवास्तव, रामनरेश, पवन सिंह, शंकरी सिंह, रमापति त्रिपाठी, संजीव मिश्रा, विनय दीक्षित, प्रवीण पाण्डेय, दिलीप रावत, रज्जन लाल रावत, राम बाबू रावत, सरदार हरजीत सिंह, डॉ. अवधेश कुमार सिंह, संजय गुप्ता, रणंजय सिंह चौहान, नीरज सिंह चौहान, शैलेंद्र कुमार यादव, ओम सोनी, संतोष त्रिपाठी, अजय यादव, सौरभ, राधा मोहन सिंह, राज कुमार मिश्रा, शिव मूरत पांडेय, रंजना, आरती वर्मा, पूनम, मधु, बीना, रेनुलता, रेखा जायसवाल, अर्चना शुक्ला, नीता पांडेय, नीता मल्होत्रा, अनिता, सीमा, प्रेमलता श्रीवास्तव, दीपिका, अंजली, अनुष्का, मुन्नी देवी व ने अन्य भाजपा नेता एवं स्थानीय निवासी साथ रहे। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शुक्रवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत दिलीप रावत, रज्जन लाल रावत, रमेश कनौजिया, सुरेश कुमार एवं राम बाबू रावत को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा सरोजनीनगर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की शिक्षाओं और उनके बताए रास्ते पर चलते हुए समतामूलक, सर्वसमावेशी समाज के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

पूर्व सीजेआी चन्द्रचूड़

हैं और कई बार अवकाश वाले दिन भी अर्जेंट मामलों की सुनवाई हुई है। जस्टिस राकेश कुमार ने आठ नवंबर 2024 को राष्ट्रपति को शिकायती पत्र भेजा था। जबकि जस्टिस चंद्रचूड़, सीजेआई के पद से 10 नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। जस्टिस कुमार ने खास बातचीत में राष्ट्रपति को शिकायत भेजने और मामले की सीबीआइ से जांच कराने की मांग की पुष्टि की है। जस्टिस राकेश कुमार वही हैं जिन्होंने पटना हाई कोर्ट के जज रहते हुए अगस्त 2019 में हाई कोर्ट में भ्रष्टाचार के बारे में फैसला दिया था। उस फैसले के बाद काफी विवाद हुआ था और दो महीने बाद उनका तबादला आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट कर दिया गया था। जस्टिस राकेश ने पत्र में आरोप लगाया है कि पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ ने कथित तौर पर एक जुलाई 2023 को फर्जी दस्तावेज सृजित कर किसी को दोषी ठहराने का प्रयास करने की आरोपित अभियुक्त तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए एक ही दिन में दो बार विशेष पीठ गठित की थी। शिकायत में कहा गया है कि एक जुलाई 2023 को छुट्टी थी। गर्मियों की छुट्टियों के बाद सोमवार 3 जुलाई 2023 को नियमित रूप से सुप्रीम कोर्ट खुलना था। आरोप है कि छुट्टी के दिन एक जुलाई को तत्कालीन सीजेआइ चंद्रचूड़ ने पहले दिन में सीतलवाड़ की जमानत पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित की।

उस पीठ ने सुनवाई की लेकिन पीठ सीतलवाड़ को अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर एकमत नहीं हुई और उसने मामला बड़ी पीठ को भेज दिया। विशेष पीठ ने आदेश दिया कि केस सीजेआइ के समक्ष पेश किया जाए ताकि वे सुनवाई के लिए बड़ी पीठ का गठन करें। विशेष पीठ ने रजिस्ट्रार ज्युडिशियल कोतत्काल मामला सीजेआइ के सामने पेश करने का आदेश दिया था। यह पहला आदेश होने के बाद उसी दिन शाम को सीजेआइ ने मामले की सुनवाई के लिए बड़ी पीठ का गठन कर दिया।

गठित की गई बड़ी पीठ ने उसी दिन सुनवाई की और अभियुक्त को अंतरिम राहत दी। हालांकि जस्टिस कुमार ने पत्र में कहा है कि वह विशेष पीठ द्वारा विवेकाधिकार का इस्तेमाल कर दिए गए आदेश पर कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं। उनका सवाल सिर्फ विशेष पीठ गठित करने में अतिसक्रियता दिखाए जाने के संबंध में है। राष्ट्रपति को भेजा गया यह पत्र कानून मंत्रालय पहुंचा था और अब बताया जा रहा है कि वहां से पत्र उचित कार्रवाई के लिए आगे भेजा गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

अगर चिकित्सक के मन में संवेदना नहीं तो वह चिकित्सक कहलाने लायक नहीं : योगी

योगी ने एम्स गोरखपुर में 500 बिस्तरों की सुविधा वाले पावर ग्रिड विश्राम सदन का शिलान्यास और भूमि पूजन किया

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है और अगर चिकित्सक के मन में संवेदना नहीं है तो वह चिकित्सक कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर जरूर विचार होना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 500 बिस्तरों की सुविधा वाले पावर ग्रिड विश्राम सदन का शिलान्यास और भूमि पूजन करने के बाद यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। अस्पतालों में आने वाले मरीजों के साथ ही उनके अटेंडेंट (तीमारदारों) की पीड़ा को साझा करते हुए योगी ने कहा, एक चिकित्सक अपनी संवेदना से गंभीर से गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीज की आधी बीमारी को दूर कर सकता है। उसका व्यवहार उसी प्रकार होना चाहिए और संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज के साथ तीन से चार अटेंडेंट होते हैं, तो उनके लिए भी संवेदना होनी चाहिए।

योगी ने कहा कि अस्पतालों में हर मरीज के साथ दो, चार तीमारदार भी आते हैं और यह कितना अमानवीय है, जब कड़ाके की सर्दी, मूसलाधार बारिश, चमकती बिजली और तेज धूप में किसी को बाहर जाने के लिए मजबूर कर दिया जाए। यह कल्पना करिए कि यह स्थिति आज किसी के साथ है तो कल आपको भी उससे गुजरना पड़ सकता है। उन्होंने गोरखपुर के एम्स का उदाहरण देते हुए कहा कि इस पूरे परिसर में कम से कम 1,200 लोग

● मरीजों के परिजनों को मिलेगी सुविधा

(अटेंडेंट) ऐसे होंगे जिनको बाहर जहां-तहां सिर छुपाने के लिए पटरी पर, सड़कों के किनारे या किसी अन्य जगह पर जाकर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए जरूरी है कि पहले हम ऐसे लोगों के बारे में मानवीय तौर पर सोचें जो अपने मरीज की पीड़ा के साथ यहां जुड़े हैं, लेकिन उनको एक अतिरिक्त पीड़ा उठानी पड़ती है। मुख्यमंत्री ने एम्स-गोरखपुर में मरीजों के परिजनों के लिए 500 बिस्तरों की सुविधा वाली आवासीय सुविधा के लिए पावर ग्रिड को धन्यवाद देते हुए कहा कि एम्स में यह एक नयी उपलब्धि प्राप्त हुई है। उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकारों के शासनकाल में चिकित्सा व्यवस्था की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि 2003 से यह आवाज उठाई जा रही थी, उस समय अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। योगी ने कहा,'' दिल्ली के बाहर छह एम्स बनाने की घोषणा वाजपेयी ने की थी और आज प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश के अंदर बिना भेदभाव के उसका मूर्तरूप सबको देखने को मिल रहा है।

देश में मोदी जी के कार्यकाल में 22 एम्स बने हैं या बन रहे हैं और उनमें से गोरखपुर एक है।'' योगी ने कहा कि एम्स-गोरखपुर का भूमि पूजन प्रधानमंत्री मोदी ने जुलाई 2016 में किया और 2019 में पहला बैच प्रवेश लिया। वर्ष 2021 में एम्स-गोरखपुर का लोकार्पण मोदी जी ने किया। उन्होंने कहा कि 2016 में जो बीज एम्स के रूप में रोपा गया था आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीड़ितों को आरोग्यता का लक्ष्य प्राप्त करने का एक नया केंद्र बन गया है। योगी ने मरीजों के तीमारदारों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ बुनियादी चीजों को देखना होगा, हम अस्पताल की इमारत तो बना लेते हैं, भवन बनाने के बाद मरीज तो भर्ती हो जाता है लेकिन उसका तीमारदार वहां नहीं रह सकता यह अक्सर देखने को मिलता है।

मुख्यमंत्री ने डेढ़ वर्ष पहले की एक घटना बतायी जब वह लखनऊ में एसजीपीजीआई के दौरे पर निकले थे। योगी ने कहा, मैंने देखा वहां पर सड़कों पर लोग लेटे थे, जहां कहीं लोग लेटे थे। मैंने एसजीपीजीआई के निदेशक से पूछा कि ये कौन हैं तो उन्होंने बताया कि ये मरीज के परिजन हैं, इनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने निदेशक से कहा कि आपके पास भूमि है, उन्होंने कहा कि हां है, तो फिर मैंने कहा कि अगर जमीन है तो फिर अटेंडेंट के लिए भी हमें कोई व्यवस्था देनी होगी और अगले दिन मैंने मुख्यमंत्री आवास में बैठक बुलाई और विभिन्न विभागों से समन्वय कर मरीजों के अटेंडेंट के रहने की व्यवस्था के लिए पहल की गयी। योगी ने कहा कि श्श्मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पीजीआई, केजीएमयू समेत तीन रैन बसेरा दिए और तत्कालीन ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने एम्स-गोरखपुर के लिए रैन बसेरा स्वीकृत किया।

देश-विदेश डायरी

ट्रैक्शन केबल कार गिरने से 4 लोगों की गई जान, परिजनों में छाया मातम

नेपल्स, एजेंसी। इटली के नेपल्स शहर के दक्षिण में स्थित विको इक्वेन्स इलाके में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक केबल कार गिरने से चार लोगों की मौत हो गई है, जिनमें तीन विदेशी पर्यटक शामिल हैं। मृतकों में एक ब्रिटिश महिला और एक इजराइली महिला की पहचान की गई है। यह जानकारी विको इक्वेन्स के मेयर के प्रवक्ता मार्को डी रोजा ने शुक्रवार को दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि केबल कार को खींचने वाली एक ट्रैक्शन केबल टूट गई, जिसकी वजह से कार गिर गई और यह भीषण हादसा हो गया। घटना गुरुवार को हुई थी और इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया। केबल कार में कम से कम पांच लोग सवार थे। इनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांचवां व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल व्यक्ति को नेपल्स के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। माना जा रहा है कि वह भी एक विदेशी पर्यटक है, हालांकि उसकी पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। इटली की स्थानीय प्रशासनिक और तकनीकी एजेंसियां इस हादसे की विस्तृत जांच कर रही हैं। अधिकारियों ने कहा है कि यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि केबल क्यों टूटी और इसमें कहीं कोई लापरवाही तो नहीं हुई। यह हादसा इटली के पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े करता है। खासकर गर्मियों में जब पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है, तो इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा मानकों की सख्त निगरानी जरूरी हो जाती है।

यमन के ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमला कम से कम 38 की मौत, 102 घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। यमन में एक ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों में कम से कम 38 लोग मारे गए। अमेरिकी सेना ने कहा कि हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप के लिए ईंधन का स्रोत काटना था। ईरान समर्थित ग्रुप पर वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से यह सबसे घातक हमलों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल मसीरा टीवी ने कहा कि गुरुवार को पश्चिमी ईंधन बंदरगाह रास ईसा पर हुए हमलों में 102 लोग घायल भी हुए। बता दें अल मसीरा टीवी का संचालन हूती ग्रुप करता है। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि हमलों की शुरुआती घोषणा के अलावा उसके पास कोई जानकारी नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, इन हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप की शक्ति के आर्थिक स्रोत को कमजोर करना था, जो अपने साथी देशवासियों का शोषण करते रहते हैं और उन्हें भारी पीड़ा पहुंचाते हैं। जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से मध्य पूर्व में यह अमेरिका का सबसे बड़े सैन्य अभियान है। इसके तहत पिछले महीने से बड़े पैमाने पर शुरू किए गए। वाशिंगटन का कहना है कि कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक कि हूती लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं कर देते। नवंबर 2023 से, हूती विद्रोहियों ने जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर दर्जनों ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, उनका कहना है कि वे गाजा में युद्ध के विरोध में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने गाजा में दो महीने के युद्ध विराम के दौरान जहाजों पर हमले रोक दिए थे। हालांकि पिछले महीने इजरायल ने गाजा पर फिर से हमले शुरू कर दिए जिसके बाद ग्रुप ने अपनी कार्रवाई दोबारा शुरू करने का ऐलान किया लेकिन तब से उन्होंने कोई दावा नहीं किया। ग्रुप का कहना है कि वह अमेरिकी आक्रमण का जवाब देता रहेगा। 2014 से गृहयुद्ध के बाद हूती समूह ने उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण बना रखा है।

रूस-यूक्रेन में युद्धविराम नहीं होने से अमेरिका नाराज कहा- और कोशिश नहीं कर सकते, दूसरे काम भी हैं

पेरिस, एजेंसी। रूस और यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए अगर कुछ और हफ्ते इच्छा प्रदर्शित नहीं हुई तो अमेरिका इस प्रयास से खुद को अलग कर लेगा। हम इस कोशिश में महीनों तक नहीं जुटे रहेंगे-हमारे पास और भी कई काम हैं। यह बात अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कही है। लेकिन अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने रोम में रूस-यूक्रेन युद्ध के जल्द रुकने की उम्मीद जताई है। रूबियो ने कहा, यूक्रेन में युद्धविराम के बारे में हम काफी दिनों से बात कर रहे हैं। अब हम इस मसले का जल्द निदान चाहते हैं। अगर यह संभव नहीं होगा तो हम प्रयासों से खुद को अलग कर लेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह बात पेरिस में यूरोपीय देशों और यूक्रेन के नेताओं से बातचीत के बाद कही है।

राजा भैया के दिल्ली बुलावे से बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीजेपी की दिल्ली में हो रही बैठकों ने उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल तेज कर दी है। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जिसके बाद से कयासों का दौर शुरू है। सूत्रों की माने तो जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रमुख और कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को दिल्ली बुलाया गया। यह राजनीतिक हलकों में संभावित बदलावों की ओर इशारा है। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच हुई मंत्रणा के बाद दिल्ली में सन्नाटा बड़े सियासी फेरबदल से पहले की शांति मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश में पार्टी के शीर्ष स्तर पर बदलाव की तैयारी चल रही है। माना जा रहा है कि राज्य के वरिष्ठ नेता को केंद्र में बड़ी भूमिका दी जा सकती है।

राजा भैया की दिल्ली यात्रा भी इसी संदर्भ में देखी जा रही है। अटकलें तेज हैं कि कुछ खास होने वाला है। बीजेपी को जनसत्ता दल का समर्थन मिल सकता है और क्षत्रिय समुदाय की नाराजगी को भी कम हो सकती है।राजा भैया का राजनीतिक करियर करीब तीन दशक से अधिक है। 1993 और 1996 में वह बीजेपी समर्थित उम्मीदवार के रूप में विधानसभा पहुंचे, जबकि बाद के वर्षों में वे समाजवादी पार्टी के समर्थन से निर्दलीय चुनाव लड़ते रहे। 1997 में कल्याण सिंह और मुलायम सिंह यादव की सरकारों में मंत्री रहे। 1999 और 2000 में वे राम प्रकाश गुप्ता और राजनाथ सिंह सरकार में युवा कल्याण मंत्री रहे। 2004 में वे मुलायम सरकार में खाद्य एवं रसद विभाग के मंत्री रहे। 2018 में उन्होंने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक बनाया। इस पार्टी के पास दो विधायक और एक एमएलसी हैं।

नन्दी पहुंचे नागपुर, नितिन गडकरी से की मुलाकात

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● बेहतर कनेक्टिविटी से ट्रांसपोर्टेशन एवं लॉजिस्टिक सेवाएं हुई सस्ती व सुलभ : नन्दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर में दो दिवसीय प्रवास के दौरान आज केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से आवास पर प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ मुलाकात किया। विभिन्न विषयों पर चर्चा की। नन्दी ने नागपुर में डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति में स्थित स्मृति मंदिर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार, माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

नागपुर में प्रवास के दौरान मंत्री नन्दी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात करप्रयागराज के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक माहात्म्य के साथ ही महाकुम्भ-2025 की उपलब्धियों पर चर्चा की।पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में प्रयागराज में लगभग 100 करोड़ की लागत से स्वीकृत 2.2 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के लिए प्रयागराजवासियों की ओर से आभार प्रकट किया। कहा कि यह परियोजना प्रयागराज के धार्मिक पर्यटन के प्रोत्साहन की दृष्टि से मील का पत्थर सिद्ध होगी। नन्दी ने कहा कि रोड कनेक्टविटी के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में अव्वल है। यूपीडा एवं एनएचआई द्वारा संचालित एक्सप्रेसवेज-हाइवेज की श्रृंखला विश्वस्तरीय सुविधाओं से परिपूर्ण है। बेहतर कनेक्टिविटी ने ट्रांसपोर्टेशन एवं लॉजिस्टिक सेवाओं को सस्ता व सुलभ बनाया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कनेक्टिविटी को और बेहतर व विस्तृत बनाने हेतु भविष्य में भी हर प्रकार के सहयोग व प्रोत्साहन का आश्वासन दिया। नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद मंत्री नन्दी डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति स्थल पहुंचे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के गौरवशाली शताब्दी वर्ष शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर मंत्री नन्दी ने महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर में डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति में स्थित स्मृति मंदिर में दर्शन कर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार एवं परम माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात की। प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी भी मौजूद रहीं। मंत्री नन्दी ने कहा कि डॉ. हेडगेवार एवं गुरुजी की स्मृतियों को संजोते, इस स्मृति मंदिर में आकर अभिभूत हूं।

भारतीय संस्कृति, राष्ट्र वाद और संगठन शक्ति के मूल्यों को समर्पित यह स्थली हमें राष्ट्र की सेवा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यह पुण्य स्थली देश की सेवा में समर्पित करोड़ों स्वयंसेवकों के लिए ऊर्जा पुंज है।

योगी यूथ ब्रिगेड ने फूंका ममता बनर्जी का पुतला

आगरा, चसं। शमशाबाद पुल के पास महाराणा प्रताप चौक पर योगी यूथ ब्रिगेड ने ममता बनर्जी का पुतला फूंका। ममता बनर्जी मुर्दाबाद, हिंदू समाज पर अत्याचार नहीं सहेगा हिंदू समाज के नारे लगाए। प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर ने ममता बनर्जी को मुसलमानों की खालाजान कहा। केंद्र सरकार से पश्चिम बंगाल में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। महाराणा प्रताप चौक पर योगी यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ता एक पुतला लेकर पहुंचे, जिस पर ममता बनर्जी की फोटो लगी थी। कार्यकर्ताओं ने पुतले में आग लगाई। उसके बाद नारेबाजी की। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा विगत दिनों यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सबसे बड़ा भोगी कहे जाने वाले पर बयान पर योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर ने कहा कि ममता बनर्जी सबसे बड़ी भोगी है जिन्हें कुछ मौलाना भोग रहे हैं। इसलिए वो बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती है। कुंवर अजय तोमर ने कहा कि ममता बनर्जी के इशारों पर मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है।

अवध यूनिवर्सिटी के तीन गेस्ट लेक्चरर हटाए गये

अयोध्या, एजेंसी। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में शराब पीने पर तीन अतिथि प्रवक्ताओं पर कार्रवाई की गई। गुरुवार को इनकी सेवा समाप्त कर दी गई। जांच में ये तीनों लेक्चरार दोषी पाए गए। इसके बाद कार्रवाई हुई। 11 अप्रैल, 2025 को अपराह्न 1:15 बजे विश्वविद्यालय के प्रचेता भवन में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल व राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. पंकज एल जानी एवं अशोक देसाई द्वारा 'नैक' की तैयारियों को लेकर निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम में शिक्षण अवधि में पाठ्यक्रम के अतिथि प्रवक्ता डॉ. शिव कुमार, डॉ. सुधीर सिंह एवं डॉ. देवेश प्रकाश कार्यालय कक्ष में शराब की पार्टी करते हुए मिले। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच अधिकारी नियुक्त किया।

ट्रेन की बोगी में 6 बैग में भरे मिले 60 कछुए

वाराणसी, चसं। वाराणसी की कैंट रेलवे स्टेशन की जीआरपी और आरपीएफके सघन तलाशी अभियान में ट्रेन संख्या 13010 देहरादून हावड़ा की एक बोगी में प्रतिबंधित कछुआ मिला है। 2 पिट्ठू बैग और झोले में बंद 60 प्रतिबंधित कछुए पुलिस ने बरामद किए हैं। इन बैग को लेने के लिए कोई नहीं पहुंचा। फिलहाल जीआरपी पुलिस पकड़े गए कछुओं को वन विभाग की टीम को सौंप दिया है और अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है। इस दौरान कोई अभियुक्त गिरफ्तार नहीं हुआ है। जीआरपी इंस्पेक्टर हेमंत सिंह ने बताया- सीओ जीआरपी कुंवर प्रताप सिंह के दिशा निर्देश के क्रम सर्कुलेटिंग एरिया से लेकर हर प्लेटफार्म तक जीआरपी सघन चेकिंग अभियान चलाये जा रहे हैं। इसी क्रम में जीआरपी और आरपीएफकी टीम प्लेटफार्म नंबर 8ध्9 पे सघन चेकिंग अभियान रहा था। उस समय वहां पर दून एक्सप्रेस आ गई। उसमें सघन तलाशी ली गई। इस दौरान एक बोगी के अंदर 6 बैग और झोले मिला जिसमें प्रतिबंधित कछुआ बरामद किया गया है। कछुए किसके हैं ये बात सामने नहीं आई है।

विश्व धरोहर दिवस : पर्यटन विभाग व नेशनल पीजी कालेज ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और नेशनल पीजी कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कालेज के मेराकी 2.0 मीडिया कल्चरल फेस्ट के अंतर्गत 'यूपी हेरिटेज क्विज' का आयोजन हुआ।

संगीत नाटक अकादमी में आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय, आईटी कॉलेज सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।हेरिटेज क्विज में टीम सेरेब्रल के विशेष यादव और शशांक कुमार सिंह ने पहला पुरस्कार हासिल किया। टीम ब्लैक साबत के हर्षित उपाध्याय और मृत्युंजय विक्रम सिंह को दूसरा स्थान मिला, जबकि टीम दास्तानगोई इनसाइडर के देवेश पाण्डेय और इंद्र भास्कर मिश्रा तीसरे स्थान पर रहे। पहले, दूसरे और तीसरे पुरस्कार क्रमशः 10,000, 5,000 और 3,000 रूपये की नकद राशि के साथ प्रदान किए गए। पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्र ने पत्रकारिता विभाग को क्विज के आयोजन हेतु धन्यवाद दिया और क्विज मास्टर कुणाल सावरकर की रोचक प्रस्तुति की सराहना की। उत्तर प्रदेश विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का भंडार है। हमें अपनी विरासत को जानने और संजोने की उत्सुकता होनी चाहिए। विश्व धरोहर दिवस पर इस प्रकार का आयोजन अत्यंत प्रासंगिक है। नेशनल पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत की संस्कृति प्रकृति से जुड़ी हुई है और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का उद्देश्य भी इस संस्कृति और प्रकृति को संरक्षित कर युवाओं को आगे बढ़ाने का है। इस मौके पर रील मेकिंग में पहला पुरस्कार दिपांशु यादव, दूसरा पुरस्कार मानस गुप्ता और तीसरा पुरस्कार उत्कर्ष भटनागर को मिला।

वहीं फोटोग्राफी में पहला पुरस्कार नमन कुशवाहा, दूसरा पुरस्कार दमनदीप सिंह और तीसरा पुरस्कार प्रणव श्रीवास्तव को मिला। मेंहदी में पहला पुरस्कार मेहविश कुरैशी, दूसरा अदिति और तीसरा पुरस्कार अभिषेक नायर को मिला। सोलो सिंगिंग में पहला पुरस्कार यशस्वी श्रीवास्तव, दूसरा योगेंद्र तिवारी और तीसरा पुरस्कार शुभंकर विश्वास को मिला। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ बुशरा तुफैल ने किया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने संदेश में कहा, प्रदेश में विरासत पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। पर्यटन विभाग युवाओं को इस दिशा में जोड़कर इसे सशक्त बना रहा है। क्विज जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को न केवल ज्ञानवर्धन का अवसर देती हैं बल्कि उन्हें राज्य की सांस्कृतिक धरोहर से भी जोड़ती हैं।